राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 कुरुक्षेत्र और अंग्रेजी साम्राज्य के खिलाफ लड़ाई और आज की..... एमवीए में बन गई सीटों पर सहमति? नाना पटोले बोले- दशहरा..... 12

वर्ष : 15 | अंक : 172 | नई दिल्ली, शुक्रवार, 04 अक्टूबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

हरियाणा के लोग भाजपा को फिर आशीर्वाद देने वाले हैं : पीएम मोदी

चंडीगढ़, एजेंसी

हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को प्रचार थम जाएगा। अब सूबे की जनता को पांच अक्टूबर का इंतजार है।जब मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस संबंध में अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने कहा है कि कि कुछ ही देर में हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार थम जाएगा। इसके बाद प्रदेश में कई तरह के नियम लागू किए जाएंगे। इसका पालन करने के लिए हम सभी बाध्य होंगे। अगर किसी ने भी इन नियमों का उल्लंघन किया, तो उस पर कानून की गाज गिरनी तय है। प्रधानमंत्री ने पोस्ट में कहा, अब से कुछ देर में हरियाणा विधानसभा चुनाव का प्रचार अभियान समाप्त हो जाएगा। बीते कुछ दिनों में मैंने पूरे राज्य की यात्रा की है। मैंने लोगों में जो उत्साह देखा है, उसे देखकर मुझे ये पक्का विश्वास है कि हरियाणा के लोग भाजपा को फिर अपना आशीर्वाद देने वाले हैं। हरियाणा के देशभक्त लोग, कांग्रेस की विभाजनकारी और नकारात्मक राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। पिछले 10 वर्षों में भाजपा ने हरियाणा के लोगों के जीवन को समृद्ध बनाने के लिए

लगातार काम किया है। हमने सभी वर्गों के कल्याण को प्राथमिकता दी है। किसान हों, युवा हों, महिलाएं हों, गांव और शहरों का विकास हो, हमने कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी। हम हरियाणा को कांग्रेस के घोटालों और दंगों वाले दौर से बाहर निकालकर लाए हैं। उन्होंने कहा, हरियाणा की जनता-जनार्दन जानती है कि कांग्रेस का मतलब भ्रष्टाचार, जातिवाद, सांप्रदायिकता और भाई-भतीजावाद की गारंटी है। बापू-बेटे की राजनीति का मूल उद्देश्य सिर्फ स्वार्थ है। कांग्रेस यानी दलाल और दामाद का सिंडिकेट। लोग आज हिमाचल से कर्नाटक तक कांग्रेस सरकारों की विफलता भी देख रहे हैं। कांग्रेस की नीतियां, लोगों को तबाह करती हैं इसलिए हरियाणा के लोग कांग्रेस को बिल्कुल नहीं चाहते हैं। हरियाणा की जनता यह जानती हैं कि कांग्रेस कभी स्थिर सरकार नहीं दे सकती। हरियाणा के लोग देख रहे हैं कि कैसे कांग्रेस के नेता आपस में लड़ रहे हैं। ये हाल तब है, जब ये विपक्ष में हैं। हरियाणा के लोगों को इस बात से भी चोट पहुंच रही है कि दिल्ली और हरियाणा में बैठे दो खास परिवारों के इशारे पर पूरा हरियाणा अपमानित हो रहा है। उन्होंने कहा, ह्लकांग्रेस के नेताओं ने आरक्षण खत्म करने का बयान देकर अपने इरादे जता दिए हैं। हरियाणा का पिछड़ा और दलित समुदाय जातिगत हिंसा रोकने में विफल रहने पर पहले से ही कांग्रेस से नाराज चल रहा है। इसलिए लोगों ने कांग्रेस को फिर कड़ी सजा देने का मन बना लिया है। हरियाणा के गली-गली से एक ही आवाज आ रही है- भरोसा दिल से, भाजपा फिर से। आज पूरी दुनिया की नजरें भारत पर हैं। दुनिया, भारत की ओर आशा और उम्मीद से देख रही है। ऐसे में यह बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है कि हरियाणा के लोग एक ऐसी सरकार चुनें, जो भारत को मजबूती देने की दिशा में प्रयास करे। कांग्रेस कभी देश को मजबूत नहीं बना सकती। इसलिए मैं हरियाणा के अपने मतदाताओं से ये आग्रह करता हूं कि वे फिर से भाजपा को अपना आशीर्वाद जरूर दें।

संक्षिप्त खबरें

बिहार के पूर्व मंत्री की हत्या मामले में पूर्व विधायक समेत दो को आजीवन कारावास; पूर्व सांसद सूरजभान बरी

नई दिल्ली, 1998 में बिहार के पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद की हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला और एक अन्य को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व सांसद सूरजभान सिंह और पांच अन्य को बरी कर दिया है। जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस आर महादेवन ने मामले में फैसला सुनाया। शीर्ष अदालत ने 22 अगस्त को इस मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था।इससे पहले मामले में पूर्व सांसद सूरजभान और विधायक मुन्ना शुक्ला समेत आठ लोगों को पटना हाईकोर्ट ने बरी कर दिया था। इसी फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया था।

पीएमकेयर्स फंड से बाढ़ पीडितों की मदद करे सरकार : खरगे

नई दिल्ली, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को कहा कि बाढ़ के कारण बिहार के कई इलाकों में तबाही मची है और लाखों लोग अपने घरों से बेदखल हो गये हैं इसलिए मोदी सरकार को वहां के बाढ़ पीडितों की पीएमकेयर्स फंड से मदद करनी चाहिए। श्री खरगे ने आज ह्यएक्सह्ल पर कहा बिहार में बाढ़ का मंजर भयंकर होता जा रहा है। वहां 17 ज़िलों में करीब 15 लाख लोग बाढ़ग्रस्त हैं और पिछले कुछ दिनों में कई लोगों की मृत्यु का समाचार बेहद पीड़ादायक है। पुल टूटे हैं और खासकर उत्तरी बिहार में आपदा के चलते नागरिकों के घर उजड़े हैं। उन्होंने कहा, केंद्र और राज्य सरकार से हमारी माँग है कि राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाई जाए, ताकि पीड़ितों को त्वरित मदद मिल सके। विषम परिस्थितियों में वायुसेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें जो मदद कर रही है, उनका हम तहे दिल से धन्यवाद करते हैं।पर अभी भी राज्य सरकार की एजेंसियों द्वारा हर संभव मदद की बेहद जरुरत है। श्री गांधी ने कहा, केंद्र सरकार को पीएमकेयर्स से हर बाढ़ पीड़ित को पर्याप्त मुआवजा देना चाहिए और राज्य सरकार की सहायता करनी चाहिए। जिन किसानों की फसल बर्बाद हुई है, उन्हें भी मुआवजा मिलना चाहिए।

दिल्ली में पराली से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए आप सरकार ने निःशुल्क बायो डी-कंपोजर का छिड़काव शुरू किया

दिल्ली सरकार ने बायो डी-कंपोजर के छिड़काव के लिए 11 टीमों का गठन किया है- गोपाल राय

- दिल्ली सरकार इस साल पांच हजार एकड़ से अधिक खेतों में निःशुल्क बायो डी-कंपोजर का छिड़काव कराएगी

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली सरकार ने आज पल्ला गांव से पराली को गलाने के लिए बायो डी-कंपोजर के छिड़काव की शुरूआत की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पर्यावरण मंत्री गोपाल राय बायो डी-कंपोजर के छिड़काव की शुरूआत करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार इस साल 5 हजार एकड़ से ज्यादा खेतों में निःशुल्क बायो डी-कंपोजर का छिड़काव करेगी। बायो डी-कंपोजर के छिड़काव के लिए 11 टीमों का गठन किया गया है। दिल्ली में अंदर बासमती और गैर बासमती धान के सभी खेतों में सरकार की तरफ से निःशुल्क बायो डी-कंपोजर का छिड़काव किया जाएगा। इसके लिए किसानों से एक फॉर्म भरवाया गया है।बायो डी-कंपोजर के छिड़काव के लिए अभी तक 841 किसानों ने फॉर्म भरा है। मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में ठंड के मौसम में बढ़ने वाले प्रदूषण की समस्या के समाधान के लिए दिल्ली सरकार ने 21 सूत्रीय विंटर एक्शन प्लान बनाया है। गोपाल राय ने कहा कि पिछले सालों में दिल्लीवासियों और सम्बंधित विभागों की मेहनत से प्रदूषण के स्तर में करीब 34.6 फीसद की कमी आई है।2016 में प्रदूषित दिनों की संख्या जहां 243 थी वह 2023 में घटकर 159 हो गई है। प्रदूषण के खिलाफ इस जंग में इस बार फिर से दिल्ली तैयार है। ठंड के मौसम में पराली जलना भी प्रदूषण को बढ़ाने में एक एहम भूमिका निभाता है। ऐसे में इस समस्या पर समय रहते उचित कदम उठाए जा सकें, इसलिए सरकार ने पिछले साल की तरह इस बार भी पराली गलाने के लिए खेतों में बायो डी-कंपोजर का निःशुल्क छिड़काव शुरू किया है। दिल्ली के अंदर कुछ हिस्सों में ही धान की खेती की जाती है। दिल्ली में पराली से प्रदूषण न हो, इसीलिए पिछले साल बायो डी-कंपोजर का निः शुल्क छिड़काव किया गया था। जिसका बहुत ही सकारात्मक परिणाम रहा है। इससे पराली गल गई और खेत की उपजाऊ क्षमता में भी बढ़ोतरी देखी गई। किसानों के सामने एक समस्या यह भी रहती है कि धान की फसल की कटाई और गेहूं की बुवाई के बीच में समय अंतराल कम होता है। इसलिए सरकार समय रहते अभी से इस काम में जुट गई है, ताकि सारी कवायद में देरी भी न हो और किसानों को बेहतर परिणाम भी मिल सकें। मंत्री गोपाल राय ने बताया दिल्ली कि सरकार इस साल 5 हजार एकड़ से ज्यादा खेतों में निःशुल्क बायो डी-कंपोजर का छिड़काव करवाएगी। साथ ही उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जो किसान फॉर्म भर दिए हैं, उनके खेतों में जल्द से जल्द निःशुल्क बायो डी-कंपोजर का छिड़काव करा दिया जाए। बायो डी-कंपोजर के छिड़काव के लिए अभी तक 841 किसानों ने फॉर्म भरा है। इस फार्म में किसान का डिटेल,कितने एकड़ खेत में छिड़काव करवाना चाहते हैं और फसल कटने का समय, यह रिकॉर्ड शामिल हैं।इसके साथ ही दिल्ली के अंदर किसानो के बीच बायो डी-कंपोजर के छिड़काव को लेकर टीम द्वारा जागरूकता अभियान भी चलाये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बायो डी-कंपोजर के छिड़काव को लेकर 11 टीमों का गठन किया गया है।विकास एवं पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि इस साल पूसा संस्थान बायो डीकंपोजर पाउडर दिल्ली सरकार को मुहैया करा रहा है। इस बार दिल्ली सरकार सीधे पूसा से बायो डी-कंपोजर का पाउडर खरीदा है और उनकी निगरानी में आज से यह छिड़काव शुरू किया गया है। दिल्ली के अंदर बासमती और गैर बासमती धान के सभी खेतों में सरकार द्वारा निःशुल्क बायो डी-कंपोजर का छिड़काव किया जाएगा। मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली के किसानों से अपील किया कि जिन किसानों ने अभी तक किसी वजह से छिड़काव के लिए फॉर्म नहीं भरा है, वे अभी भी फॉर्म भर सकते हैं और उनके खेतों में भी निःशुल्क छिड़काव कराया जाएगा।

राष्ट्रपति ने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के 32वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

नई दिल्ली, एजेंसी

इस अवसर पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि यह तेजी से बदलाव का समय है, जो ज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी हो रहा है। उन्होंने छात्रों को हमेशा श्छात्र की भावनाश बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि निरंतर कड़ी मेहनत और समर्पण जीवन भर उनके काम आएगा। राष्ट्रपति ने छात्रों को अपनी महत्वाकांक्षाओं और सामाजिक संवेदनशीलता के बीच संतुलन बनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता एक स्वाभाविक गुण है। कुछ लोग परिवेश, शिक्षा और मूल्यों में व्याप्त बुराइयों से अंधे स्वार्थ का रास्ता अपना लेते हैं। उन्होंने कहा कि दूसरों का भला करने से ही अपना कल्याण किया जा सकता है। राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से ऐसा कोई काम न करने का आग्रह किया जिससे उनके चरित्र पर धब्बा लगे। उन्होंने कहा कि उच्चतम नैतिक मूल्यों को उनके आचरण और कार्यशैली का हिस्सा होना चाहिए। उनके जीवन के हर पहलू में ईमानदारी होनी चाहिए। उनका हर कार्य न्यायपूर्ण और नैतिक होना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा सशक्तिकरण का सबसे अच्छा माध्यम है। उन्होंने यह जानकर खुशी जताई कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय छह दशकों से अधिक समय से उच्च शिक्षा प्रदान कर रहा है। इस विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों से विद्यार्थियों की बड़ी संख्या हैं। उन्होंने कहा कि समावेशी शिक्षा के माध्यम से सामाजिक न्याय की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण योगदान है। राष्ट्रपति को यह जानकर खुशी हुई कि मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने कई गांवों को गोद लिया है और छात्रों को गांव के विकास में शामिल किया है। राष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय के अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति सजग रवैये की सराहना की।

बरेली की पटाखा इकाई में विस्फोट में दो और लोगों की मौत के साथ मृतक संख्या बढ़कर पांच हुई

बरेली, एजेंसी

उत्तर प्रदेश में बरेली जिले के सिरौली क्षेत्र स्थित एक पटाखा निर्माण इकाई में बुधवार को हुए भीषण विस्फोट में दो और लोगों की मौत के साथ इस घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य ने घटना में लापरवाही बरतने के आरोप में चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। साथ ही संबंधित थानाप्रभारी को हटा दिया है और पुलिस क्षेत्राधिकारी के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं। आंवला के उप जिलाधिकारी (एसडीएम) एन. राम ने बृहस्पतिवार को बताया कि बुधवार रात दो और मौतों के साथ घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बुधवार को सिरौली थाना क्षेत्र में एक पटाखा निर्माण इकाई में बुधवार शाम करीब चार बजे हुए विस्फोट में आसपास की कुछ इमारतों को भी नुकसान

पहुंचा है। इकाई के संचालक नासिर के लाइसेंस की जांच की जा रही है। एसएसपी आर्य ने उप निरीक्षक देशराज सिंह, नाहर सिंह, कांस्टेबल अजय और सुरेंद्र सहित चार पुलिसकर्मियों को लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया है। इसके अलावा सिरौली के थाना प्रभारी रवि कुमार को हटाकर पुलिस लाइन भेज दिया है और क्षेत्राधिकारी गौरव सिंह के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं। एसएसपी आर्य ने कहा कि घटना शाम करीब चार बजे हुई और उन्होंने कहा कि यह पाया गया है कि नासिर के पास किसी अन्य स्थान के लिए विस्फोटकों का लाइसेंस था, लेकिन जिस घर में विस्फोट हुआ वह उसके ससुराल वालों का था। विस्फोट के लिए किसी अन्य विस्फोटक सामग्री की मौजूदगी की संभावना से इनकार करते हुए आर्य ने कहा, हमने मौके से स्थानीय स्तर पर बने पटाखों के अवशेष बरामद किए हैं। प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि विस्फोट इन्हीं पटाखों के कारण हुआ। क्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक राकेश सिंह ने कहा, विस्फोट से आसपास की तीन-चार इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है। पटाखा इकाई चलाने वाले व्यक्ति की पहचान नासिर के रूप में हुई है। बताया जाता है कि उसके पास लाइसेंस था, जिसके विवरण की जांच की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी घटना का संज्ञान लिया है। उन्होंने जानमाल के नुकसान पर शोक व्यक्त किया और अधिकारियों को विस्फोट में घायल लोगों का उचित उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

महाकुंभ-2025: प्रयागराज में जल्द डिजिटल कुंभ संग्रहालय बनाएगी सरकार

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में अगले साल आयोजित होने वाले महाकुंभ को भव्य बनाने के लिए सरकार जल्द डिजिटल कुंभ संग्रहालय बनाएगी। प्रदेश के पर्यटन मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह ने बृहस्पतिवार को बताया कि पर्यटन विभाग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विचार के अनुरूप प्रयागराज में ह्यडिजिटल कुंभ संग्रहालयह्ल बनाने की तैयारी कर रहा है। यहां श्रद्धालु डिजिटल माध्यमों से समुद्र मंथन देख सकेंगे। इसके अलावा, कुंभ, महाकुंभ सहित अन्य धार्मिक-आध्यात्मिक स्थलों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि डिजिटल कुंभ संग्रहालय के लिए 21.38 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं जिनमें से छह करोड़ रुपये की धनराशि जारी कर दी गई है। लगभग 10 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में बनने वाले इस संग्रहालय में एक साथ 2000 से 2500 लोग भ्रमण कर सकेंगे। सिंह ने बताया कि परियोजना के तहत डिजिटल संग्रहालय में समुद्र मंथन की 14 रत्नों वाली गैलरी बनाई जाएगी। डिजिटल माध्यम से समुद्र मंथन के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। डिजिटल स्क्रीन सहित अन्य माध्यमों से प्रयागराज महाकुंभ-कुंभ, हरिद्वार, नासिक, उज्जैन कुंभ आदि के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। इसके अलावा, लैंडस्केपिंग विकसित की जाएगी। टिकट काउंटर भी बनाया जाएगा। पर्यटन मंत्री ने बताया कि श्रद्धालु अगर मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम के वनवास के समय उनके प्रवास स्थल यानी चित्रकूट के दर्शन करना चाहते हैं तो इसके लिए चित्रकूट टूरिज्म ऐप तैयार किया गया है।

जम्मू-कश्मीर: किश्तवाड़ में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़

जम्मू, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के चटरू इलाके में गुरुवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने बताया, सुरक्षाबलों को किश्तवाड़ जिले के चटरू इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया। जब आतंकियों ने खुद को सुरक्षाबलों से घिरा देखा तो उन्होंने उन पर फायरिंग कर दी। इसके बाद जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। हालांकि, अभी किसी के हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है। हाल के दिनों में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच कई मुठभेड़ें हुई हैं, जिनमें कई आतंकवादी और उनके कमांडर मारे गए हैं। कई जवान भी हताहत हुए हैं। शुरूआत में पुंछ और राजौरी जिलों तक सीमित आतंकवादी गतिविधियां अब जम्मू के अन्य क्षेत्रों में भी फैल रही हैं। ये क्षेत्र कुछ वर्ष पहले तक ऐसी घटनाओं से मुक्त थे। चिनाब घाटी, उधमपुर और कठुआ को आतंकवाद मुक्त घोषित कर दिया गया था। प्रशिक्षित आतंकवादी वाहनों पर घात लगाकर हमला कर रहे हैं और ग्रेनेड, कवच-भेदी गोलियों के साथ-साथ एम4 असॉल्ट राइफलों का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि आतंकवादियों द्वारा अत्याधुनिक हथियारों के इस्तेमाल से खतरे के स्तर में बढ़ोतरी का संकेत मिलता है।

चुनाव दिल्ली की जनता जानती है कि अरविंद केजरीवाल कट्टर ईमानदार हैं और उन्हें ही मुख्यमंत्री बनाना चाहती .....

जनता बोली, केजरीवाल की ईमानदारी पर ठप्पा लगाने के लिए बेसब्री से चुनाव का इंतजार

जनता के साथ मनीष सिसोदिया ने लगाए ईमानदारी की क्या पहचान, केजरीवाल और झाड़ू का निशान के जमकर नारे

- भाजपा ने केजरीवाल के काम रोककर दिल्लीवालों को परेशान किया, विधानसभा चुनाव में जनता इसका बदला लेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

बीते 16 अगस्त को शुरू हुई दिल्ली में शिक्षा क्रांति के जनक पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की पदयात्रा को रिठाला विधानसभा में भी भारी जन समर्थन मिला। गुरुवार को बुद्ध विहार फेस-1 स्थित हनुमान मंदिर से शुरू हुई उनकी पदयात्रा में जन सैलाब उमड़ पड़ा। बड़ी तादात में समर्थन देने पहुंचे लोगों ने फूल-मालाओं से उनका भव्य स्वागत किया। मनीष सिसोदिया ने जनता के साथ ह्यईमानदारी की क्या पहचान, केजरीवाल और झाड़ू का निशानह्ल के खूब नारे लगाए। इस दौरान लोगों उनसे कहा कि हम विधानसभा चुनाव का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं,

ताकि अरविंद केजरीवाल को अपना वोट देकर उनकी ईमानदारी पर ठप्पा लगाएं और उन्हें मुख्यमंत्री बनाएं। मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा कुछ भी कहती रहे, लेकिन दिल्ली जानती है कि केजरीवाल कट्टर ईमानदार हैं। इस दौरान ह्यआपह्ल विधायक महेंद्र गोयल समेत पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। रिठाला में जनता से संवाद करते हुए मनीष सिसोदिया ने कहा कि पदयात्रा को लोगों का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। दुकानों पर बैठे लोग, खरीदारी करने आई माताएं-बहनें और रास्ते से गुजर रहे सभी लोग बड़े प्रेम से गले मिल रहे हैं। सभी लोग केवल यही कह रहे हैं कि आप जल्दी से जीतकर आओ। दिल्ली के लोग इंतजार कर रहे हैं कि कब विधानसभा का चुनाव आए और वह अरविंद केजरीवाल को अपना वोट देकर उनकी ईमानदारी पर ठप्पा लगाकर उन्हें मुख्यमंत्री बनाएं। भाजपा कुछ भी कहे, लेकिन दिल्ली जानती है कि केजरीवाल ईमानदार हैं। आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली की जनता चुनाव की तैयारी कर चुकी है। जनता देख रही है कि अरविंद केजरीवाल जैसे ईमानदार व्यक्ति पर लांछन लगाए गए। जनता इस तरह के लांछन लगाने के लिए भाजपा को सबक सिखाएगी। केजरीवाल दिल्ली की जनता के लिए काम कर रहे थे। लेकिन भाजपा द्वारा दिल्लीवालों के काम रोकने की कोशिश की गई। अरविंद केजरीवाल के काम रुके, जिसकी वजह से दिल्ली के लोगों को परेशानी हुई। अब केजरीवाल वापस आ गए हैं और सारे काम करवा रहे हैं। जनता भाजपा से बदला लेगी। दिल्ली की सड़कों की मरम्मत को लेकर उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने निर्देश दिए हैं कि पूरी सरकार मिलकर दिवाली तक सारी सड़कों की रिपेयरिंग करवाए और जो काम तेजी से होने हैं, उनको और तेजी से पूरा करें।

पदयात्रा में मनीष सिसोदिया से मिलने उमड़ा जन सैलाब

गुरुवार शाम रिठाला विधानसभा में पदयात्रा के दौरान मनीष सिसोदिया के स्वागत में लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा। स्थानीय लोगों ने फूल मालाओं से उनका स्वागत किया। लोग अपने प्रिय नेता से मिलने, हाथ मिलाने और तस्वीरें खिंचवाने के लिए उत्साहित नजर आ रहे थे। पद यात्रा के दौरान आगे बढ़ते हुए मनीष सिसोदिया दुकानदारों, महिलाओं और बच्चों से मिल रहे थे। उन्होंने सभी लोगों को उनके प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद किया।

अमित शाह गुजरात का दो दिवसीय दौरा करेंगे, कई परियोजनाओं की शुरूआत करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बृहस्पतिवार से गुजरात का दो दिवसीय दौरा करेंगे। इस दौरान वह कई परियोजनाओं की शुरूआत करेंगे और नवरात्रि के दौरान आयोजित कुछ कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। शाह सुबह करीब सवा 10 बजे अहमदाबाद शहर के चाणक्यपुरी इलाके में एक स्वास्थ्य जांच शिविर का उद्घाटन करेंगे, जो गांधीनगर संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आता है। शाह गांधीनगर संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, वह सोला सिविल अस्पताल में एक टेली-पुनर्वास केंद्र, एक नवनिर्मित सब्जी मंडी और भदज क्षेत्र में एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय का उद्घाटन करेंगे। अहमदाबाद नगर निगम की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन करने और आधारशिला

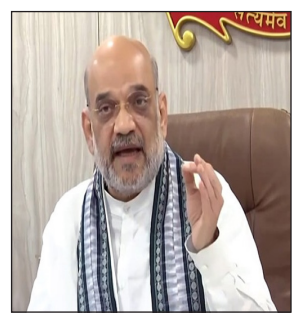

रखने के बाद शाह भदज क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। अपराह्न करीब एक बजकर 15 मिनट पर शाह अहमदाबाद जिले के साणंद शहर के पास कार्यकर्ता सम्मेलन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। वह शाहीबाग क्षेत्र में अहमदाबाद पुलिस आयुक्त के नवनिर्मित कार्यालय भवन का उद्घाटन करेंगे रात करीब पौने नौ बजे केंद्रीय मंत्री नवरात्रि के अवसर पर शहर के जीएमडीसी ग्राउंड में राज्य सरकार द्वारा आयोजित ह्यवाइब्रेंट गुजरात नवरात्रि महोत्सवह्ल के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। वह नारनपुरा, सैटेलाइट और प्रह्लादनगर में तीन अन्य नवरात्रि कार्यक्रमों में शामिल होंगे। नवरात्रि उत्सव बृहस्पतिवार से शुरू हो रहा है। शाह शुक्रवार को सुबह करीब 10 बजे एक ट्रस्ट द्वारा संचालित अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद गांधीनगर के अडालज गांव के पास लोगों को संबोधित करेंगे। वह एडीसी बैंक की 100वीं वर्षगांठ पर महात्मा मंदिर में एक कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। शाह शुक्रवार दोपहर गांधीनगर नगर निगम की झीलों और उद्यानों सहित कई अन्य परियोजनाओं का उद्घाटन करने वाले हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि वह गांधीनगर के मनसा शहर में 421 बिस्तरों वाले अस्पताल की आधारशिला रखेंगे और जीएमसी की कई अन्य विकास परियोजनाओं की शुरूआत करने के बाद लोगों को संबोधित करेंगे।

उच्चतम न्यायालय ने जाति-आधारित भेदभाव को बढ़ावा देने वाली जेल नियमावली के नियम खारिज किए

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कुछ राज्यों की जेल नियमावली के भेदभावपूर्ण प्रावधानों को खारिज कर दिया तथा जाति आधारित भेदभाव, काम के बंटवारे और कैदियों को उनकी जाति के अनुसार अलग वार्डों में रखने के चलन की निंदा की।

भारत के प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने जेलों में जाति आधारित भेदभाव को रोकने के लिए कई निर्देश भी जारी किए। पीठ ने कहा, राज्यों की जेल नियमावली के प्रावधान के अनुसार, जेलों में वंचित वर्ग के कैदियों के साथ भेदभाव के लिए जाति को आधार नहीं बनाया जा सकता है। साथ ही पीठ ने कहा कि ऐसी प्रथाओं की अनुमति नहीं दी जा सकती।

पीठ ने कहा, कैदियों को खतरनाक परिस्थितियों में सीवर टैंकों की सफाई करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। पीठ ने आदेश दिया कि पुलिस को जाति आधारित भेदभाव के मामलों से निपटने के लिए पूरी तत्परता से काम करना होगा।

पीठ ने कहा कि निश्चित वर्ग के कैदियों को जेलों में काम के उचित बंटवारे का अधिकार है।

शीर्ष अदालत ने जेल नियमावली के आपत्तिजनक नियमों को खारिज करते हुए राज्यों से तीन महीने के भीतर नियमों में संशोधन करने को कहा।

न्यायालय ने यह भी कहा कि किसी विशेष जाति के कैदियों का सफाईकर्मियों के रूप में चयन करना पूरी तरह से समानता के अधिकार के खिलाफ है।

सर्वोच्च न्यायालय ने इस साल जनवरी में मूल रूप से महाराष्ट्र के कल्याण की निवासी सुकन्या शांता द्वारा दायर याचिका पर केंद्र और उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल सहित 11 राज्यों से जवाब मांगा था।

न्यायालय ने इन दलीलों पर गौर किया था कि इन राज्यों की जेल नियमावली जेलों के अंदर काम के बंटवारे में भेदभाव को बढ़ावा देती हैं तथा कैदियों को कहां रखना है, इसका निर्णय भी उनकी जाति के आधार पर किया जाता है। याचिका में केरल जेल नियमावली के प्रावधानों का हवाला दिया गया है और कहा गया है कि ये नियम आदतन अपराधी और दोबारा दोषी ठहराए गए अपराधी के बीच अंतर करते हैं। याचिका में कहा गया है कि जो लोग आदतन लुटेरे, सेंधमार, डकैत या चोर हैं, उन्हें वर्गीकृत किया जाना चाहिए और अन्य दोषियों से अलग रखना चाहिए।

याचिका में दावा किया गया है कि पश्चिम बंगाल जेल संहिता में यह प्रावधान है कि जेल में काम जाति के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए, जैसे खाना पकाने का काम प्रभावशाली जातियों द्वारा किया जाएगा और झाड़ू लगाने का काम विशेष जातियों के लोगों द्वारा किया जाएगा।

30 दिन में 184 लुटेरे, स्नेचर सहित कई सेंधमार गिरफ्तार

- 84 मोबाईल, 65 स्कूटी - बाईक, गोल्ड चेन, कैश बरामद
- पब्लिक प्लेस पर शराब का सेवन 2793 पर हुई कार्रवाई

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

पश्चिमी जिला पुलिस ने स्ट्रीट क्राइम को रोकने, लुटेरे, स्नेचर, आटो लिफ्टिंग की वारदार को अंजाम देने वाले शातिर बदमाशों के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान के तहत सितंबर के 30 दिनों में 184 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें ख्याला इलाके में शूटआउट के दौरान दो कुख्यात बदमाशों के साथ हुए मुठभेड़ में शामिल दो बदमाश भी हैं। सितंबर के 30 दिन के दौरान पुलिस ने 84 मोबाइल, 65 स्कूटी मोटरसाइकिल के अलावा कैश, कई गोल्ड चेन और दूसरे सामान को भी बरामद किया है। जो आम लोगों से छीना गया, चुराया गया या लूटा गया था।

अभियान आगे भी लगातार पुलिस द्वारा जारी रहेगा

डीसीपी विचित्र वीर ने जानकारी देते हुए बताया कि सितंबर महीने में 32 मामले आर्म्स एक्ट के, 54 मामले एक्साइज एक्ट के, 12 मामले गैंबलिंग एक्ट के और 08 मामले एनडीपीएस एक्ट के दर्ज किए गए हैं। यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। फेस्टिवल सीजन में और भी सख्ती से पुलिस स्ट्रीट क्राइम को रोकने को लेकर प्रयास कर रही है।

स्नेचिंग में 35% और लूट में 20% ढउफकॉल गिरावट

इस अभियान के तहत जिला के आपरेशन सेल में स्पेशल स्टाफ, एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड, नारकोटिक्स स्क्वायड इत्यादि की टीम भी लगातार कार्रवाई कर रही है। जिसकी वजह से स्नेचिंग के मामलों में 35% की गिरावट पिछले साल के मुकाबले देखी गई है। साथ ही लूट के मामलों में 20% पीसीआर कॉल कम हुई है। स्कूटी और मोटरसाइकिल चोरी के मामलों में भी 10 % का गिरावट आया है। 20 लुटेरों को गिरफ्तार किया, 14 मामलों का खुलासा

डीसीपी के अनुसार सितंबर में जो 20 लुटेरों को गिरफ्तार किया गया है, उनकी गिरफ्तारी से 14 मामलों का खुलासा पुलिस ने किया है। इनके पास से आधा दर्जन मोबाइल, कई टू व्हीलर और कैश भी बरामद किया गया है। सड़क पर राह चलते लोगों से झपटमारी करने वाले 19 स्नैचर को पुलिस ने गिरफ्तार करके 46 मामलों का खुलासा किया है। इनसे 16 मोबाइल, 04 गोल्ड चेन, तीन स्कूटी मोटरसाइकिल, कैश इत्यादि बरामद किया गया। घरों में, ऑफिस में सेंधमारी करने वाले आठ आरोपियों को पकड़ा गया है। इनकी गिरफ्तारी से 6 मामलों का खुलासा पुलिस ने किया है। उनके पास से मोबाइल, गोल्ड की ज्वैलरी इत्यादि काफी संख्या में बरामद की गई है। पब्लिक प्लेस पर शराब का सेवन 2793 पर कार्रवाई चोरी के मामलों में पुलिस ने 117 आरोपी को गिरफ्तार किया और 158 मामलों का खुलासा किया है। इनके पास है 55 मोबाइल, 57 स्कूटी मोटरसाइकिल, 15 गाड़ियां, ई रिक्शा इत्यादि बरामद किया गया है। ऑगेर्नाइज क्राइम को रोकने के लिए चलाए गए अभियान के तहत 32 आर्म्स एक्ट के मामलों में 33 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 3 लाख से ज्यादा का अमाउंट भी बरामद किया गया है। एनडीपीएस एक्ट के मामलों में 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ चलाए गए अभियान के तहत सितंबर महीने में 2793 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है।

वैश्य पोद्दार वार्षिक सम्मेलन में उठी आरक्षण की मांग

- पूर्व मेयर सहित नोएडा, फरीदाबाद, हापुड़ से लोग शामिल

संवादाता

वैश्य पोद्दार विकास एवं कल्याण महासभा दिल्ली/एनसीआर के द्वारा आईटीओ पर स्थित राजा राममोहन राय मेमोरियल हॉल में सलाना सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दिल्ली के पूर्व मेयर श्याम शर्मा सहित से दिल्ली और एनसीआर से सैकड़ों की संख्या में वैश्य पोद्दार स्वजाती के लोग शामिल हुए। जिन्होंने मिलकर दिल्ली में भी पोद्दार समाज को आरक्षण दिलवाने की मांग की। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष महेश पोद्दार ने कहा उनके समाज को बिहार में आरक्षण मिला हुआ है।

कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों की उपस्थिति भी काफी थी। महासभा के संयुक्त सचिव दीपक पोद्दार ने बताया की सबने मिलकर दिल्ली/एनसीआर में रह रहे पोद्दार परिवारों के बच्चों के एजुकेशन, हेल्थ, सिक्योरिटी, रोजगार को और बेहतर बनाने को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। इसमें दिल्ली के अलग अलग इलाकों के अलावा नोएडा, ग्रेटर नोएडा, सलारपुर, फरीदाबाद, गाजियाबाद, हापुड़ से पहुंचे स्वजातियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

महासभा के पूर्व उपाध्यक्ष गणेश पोद्दार ने बताया की चुनाव के बाद चुने गए नए पदाधिकारी को कार्यभार सोपा गया। इसमें अध्यक्ष के रूप में अंजनी पोद्दार, महासचिव के रूप में नवीन पोद्दार, कोषाध्यक्ष के रूप में शशि भूषण पोद्दार को पदभार दिया गया। कार्यक्रम में बच्चों और बच्चियों ने परफॉर्मेंस देकर सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम में चीफ गेस्ट दिल्ली के पूर्व मेयर श्याम शर्मा ने पोद्दार समाज के लिए हर वक्त साथ खड़े रहने का वादा किया। अखिल भारतीय पोद्दार महासभा के राष्ट्रीय महासचिव सतनारायण पोद्दार ने लोगों को जागरूक किया। दिल्ली पुलिस में कार्यरत सिंगर कॉप अजीत पोद्दार ने सुरीली आवाज से खूब तालियां बटोरी। नोएडा एनसीआर के अध्यक्ष डॉ. मोहन पोद्दार, अट्टा मार्केट से नरेश पोद्दार, संतोष पोद्दार, राजीव राज पोद्दार, फरीदाबाद से अनिल पोद्दार , संजय पोद्दार, हापुड़ से नारायण पोद्दार, केशोपुर मंडी से कन्हैया पोद्दार, राम पुकार पोद्दार सहित काफी गणमान्य लोग मौजूद रहे। मंच पर उपस्थित महिलाएं और अन्य पदाधिकारी ।

स्कूटी, बाइक चुराकर, सरेराह छिनता था लोगों से गोल्ड चेन

संवादाता

विकासपुरी थाना की पुलिस टीम ने एक शातिर झपटमार को गिरफ्तार किया है। जो ऑटो लिफ्टिंग और स्नेचिंग की वारदात को भी अंजाम देता था। इसकी पहचान राहुल उर्फ दीपक के रूप में हुई है। यह पहले से 23 मामलों में शामिल रहा है। इसके पास से तीन चोरी की स्कूटी, मोटरसाइकिल और गोल्ड चेन बरामद किया गया है। इसकी गिरफ्तारी से सात मामलों का खुलासा करने का दावा पुलिस ने किया है। डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि 27 सितंबर को लूट की वारदात हुई थी। जिसमें राहुल और प्रदीप ने मिलकर गोल्ड चेन लूट लिया था। उस मामले की पुलिस टीम छानबीन कर रही थी। पता चला की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी चोरी की बाइक पर आए थे। एसीपी एस एस राठी की देखरेख में एसएचओ राजवीर सिंह की टीम ने सीसीटीवी फुटवियर की मदद से पता लगाया। मोटरसाइकिल की पहचान की गई और उसके बाद इसको पकड़ा गया। इनके पास से स्कूटी, गोल्ड चेन रिकवर कर लिया गया। इसकी गिरफ्तारी से विकासपुरी, हरी नगर और रन्होला थाना के सात मामलों का खुलासा किया गया है। राहुल किराड़ी सुलेमान नगर का रहने वाला है।

कोर्ट में दिल्ली पुलिस के तेवर ढीले, वांगचुक को किया रिहा, निषेधाज्ञा भी वापस

नई दिल्ली। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बृहस्पतिवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और उनके सहयोगियों को हिरासत से रिहा कर दिया गया है। निषेधाज्ञा को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई मेहता ने यह भी कहा कि दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में सभाओं और विरोध प्रदर्शन पर रोक लगाने संबंधी दिल्ली पुलिस के आदेश को भी वापस ले लिया गया है। मेहता ने मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ के समक्ष यह बयान दिया। पीठ वांगचुक की रिहाई के अनुरोध और निषेधाज्ञा को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। वांगचुक समेत लद्दाख के लगभग 120 लोगों को लद्दाख के लिए छठी अनुसूची का दर्जा देने की मांग को लेकर राजधानी की ओर मार्च करते समय पुलिस ने दिल्ली सीमा पर कथित तौर पर हिरासत में ले लिया था। वांगचुक और उनके सहयोगियों की आवाजाही पर प्रतिबंध नहीं हो गया है।

दिल्ली के कई इलाकों में लगाई गई थी धारा 163

दिल्ली पुलिस मुख्यालय से जारी पहले के आदेश के अनुसार, पुलिस कमीश्नर ने नई दिल्ली, उत्तर और मध्य जिलों तथा अन्य राज्यों की सीमा से लगे सभी पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्र में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 (जो पहले सीआरपीसी की धारा 144 थी) लागू करने का निर्देश दिया था। आदेश में कहा गया था, प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक तथा सदर बाजार क्षेत्र में शाही ईदगाह के मुद्दे, एमसीडी स्थायी समिति चुनाव के राजनीतिक रूप से उत्तेजित मुद्दे तथा डूसू चुनाव के परिणामों की घोषणा सहित विभिन्न मुद्दों के कारण दिल्ली सामान्य माहौल कानून-व्यवस्था की दृष्टि से संवेदनशील है। आदेश में कहा गया था, इसके अलावा, महात्मा गांधी की जयंती पर 2 अक्टूबर को नई दिल्ली तथा मध्य जिले के क्षेत्रों में वीवीआईपी तथा गणमान्य व्यक्तियों की भारी आवाजाही रहेगी। पहले के आदेश में आगे कहा गया था कि जम्मू कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव जारी हैं, इसलिए दिल्ली की सीमाओं से लोगों और वाहनों की आवाजाही पर निरंतर जांच की आवश्यकता है।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियंता/निर्माण, तिलक ब्रिज, नई दिल्ली द्वारा स्थापित एवं विश्वसनीय निविदाकारों से ओपन ई–टेंडर सिंगल पैकेट पद्धति के तहत निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा के प्रकार	ई–निविदा (सिंगल पैकेट)
निविदा सूचना सं.	287–सिग०/नि०/ति०ब्रिज/68/24
कार्य का नाम	"एसएंडटी उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल पर एलकेओ–एसआरई खंड पर अतिरिक्त दिशात्मक यूपी/डीएन लूप्स के संबंध में निकटवर्ती स्टेशन/खंडों के साथ ब्लॉक वर्किंग के साथ–साथ रायसी स्टेशन पर केंद्रीयकृत इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के साथ इनडोर और आउटडोर सिग्नलिंग कार्यों के प्रावधान हैं।
कार्य की अनुमानित	₹3,74,79,340.25
निविदा फॉर्म की लागत	शून्य
कार्य समापन की अवधि	10 माह / बोली प्रतिभूति / ₹3,37,400/-
निविदा फॉर्म प्राप्त करने जमा करने एवं खुलने का पता	दिनांक 03.10.2024 से 28.10.2024 को 11:30 बजे तक भारतीय रेल की वेबसाइट www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
निविदा फॉर्म प्राप्त करने की अवधि की तिथि व समय	दिनांक 03.10.2024 से 28.10.2024 को 11:30 बजे तक भारतीय रेल की वेबसाइट www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
निविदा फॉर्म जमा करने की अवधि की तिथि व समय	दिनांक 14.10.2024 से 28.10.2024 को 11:30 बजे तक भारतीय रेल की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जमा किया जाना है।

संख्या: 287–सिग०/नि०/ति०ब्रिज/68/24 दिनांक 03.10.2024 3059/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

स्कूटी टच होने पर दो दोस्तों को चाकू से गोदा, एक की मौत

नई दिल्ली। मोती नगर इलाके में बुधवार देर रात रोडरेज में बदमाशों ने स्कूटी सवार दो दोस्तों को चाकू से गोद दिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। राहगीरों ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक युवक की मौत हो गई। दूसरे की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने हत्या और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एक आरोपी से स्कूटी टच होने के बाद वारदात को अंजाम दिया गया।

पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि शाहनवाज अपने परिवार के साथ जखीरा स्थित झुग्गी में रहता था। बुधवार की रात शाहनवाज अपने दोस्त नफीस के साथ स्कूटी से घर जा रहे थे। इसी दौरान शादीपुर फ्लाईओवर के नीचे कुछ लोग खड़े होकर बात कर रहे थे। जैसे ही शाहनवाज वहां पहुंचा, उसकी स्कूटी एक शख्स से टच हो गई। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने शाहनवाज और नफीस को गाली दी। दोनों ने विरोध किया तो आरोपियों ने हाथापाई शुरू कर दी। झगड़े के दौरान आरोपियों ने नफीस और शाहनवाज पर चाकू से हमला कर दिया। आरोपियों ने दोनों पर चाकू से कई बार वार किए और मौके से फरार हो गए। राहगीरों ने दोनों को खून से लथपथ देखकर पुलिस को वारदात की जानकारी दी। मोती नगर थाना के एसएचओ वरुण दलाल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को आचार्य भिक्षु अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने शाहनवाज को मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि वारदात वाली जगह के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जब्त की गई है। फुटेज की मदद से कई संदिग्धों की पहचान की गई है, जो वारदात के समय वहां से गुजरे थे। यह संदिग्ध रेलवे लाइन के पास बनी झुग्गियों में रहते हैं। पुलिस ने उनके घरों पर दबिश दी है, लेकिन सभी वहां से फरार हैं।

दिल्ली में नहीं रहेगा कर्फ्यू, सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के बाद आदेश जारी

- सीजेआई ने गुरुस्वामी को बताया कि वरिष्ठ विधि अधिकारी ने कहा है कि आदेश वापस ले लिया गया है।
- पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, पुराना आदेश 2 और 3 अक्टूबर की मध्य रात्रि को समाप्त हो गया है।

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के बाद दिल्ली में कर्फ्यू हटा दिया गया है। राज्य में 30 सितंबर से पांच अक्टूबर तक कर्फ्यू लगाया गया था जिसके बाद अब इस आदेश को वापस ले लिया गया है। आदेश में पांच लोगों को एक जगह इकट्ठा होने पर प्रतिबंध लगा हुआ था। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने यह बात चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली पीठ को उस समय बताई जब दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा द्वारा पारित आदेश से संबंधित मामला तत्काल सूचीबद्ध किये जाने के लिए उल्लेखित किया गया।

पुलिस कमिश्नर ने वापस लिया आदेश

प्रधान न्यायाधीश ने वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी से कहा, सॉलिसिटर जनरल का कहना है कि पुलिस कमिश्नर का आदेश वापस ले लिया गया है ह्लह्ल मेनका गुरुस्वामी ने ही मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया था। पुलिस आयुक्त द्वारा जारी आदेश में 30 सितंबर से 5 अक्टूबर तक पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने, आग्नेयास्त्र, बैनर, तख्तियां आदि लेकर चलने, किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र में धरना देने पर रोक लगाई गई थी। इसमें कई संगठनों द्वारा विरोध प्रदर्शन के आह्वान सहित कानून और व्यवस्था के मुद्दों का हवाला दिया गया था। गुरुस्वामी ने पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख किया।

त्योहारों के बीच आदेश जारी

पीठ में न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि पुलिस आयुक्त द्वारा पारित आदेश दशहरा के मद्देनजर अभी शहर को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि आदेश के कारण रामलीला नहीं हो सकती और यह आदेश दुर्गा पूजा उत्सव को भी प्रभावित करता है। पीठ ने शुरू में कहा, दिल्ली उच्च न्यायालय जाएं। मेहता ने अदालत को सूचित किया कि इसी तरह के मुद्दे को उठाने वाली याचिकाएं आज दिन में उच्च न्यायालय के समक्ष सुनवाई के लिए आने वाली हैं। सीजेआई ने गुरुस्वामी को बताया कि वरिष्ठ विधि अधिकारी ने कहा है कि आदेश वापस ले लिया गया है। पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, पुराना आदेश 2 और 3 अक्टूबर की मध्य रात्रि को समाप्त

उत्तर रेलवे

एक स्टेशन एक उत्पाद

'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना के तहत स्टॉल स्थापित करने हेतु आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं:

क. कुल नौ (09) स्टॉल: गाजियाबाद, पानीपत, सब्जी मंडी, पलवल, मुजफ्फरनगर, मेरठ कैंट, मेरठ सिटी, दिल्ली कैंट और बहादुरगढ़ स्टेशनों पर।

बी. कुल चौबीस (24) ट्रॉली: बागपत रोड, बड़ौत, खेकड़ा, नोली, बल्लभगढ़, दिल्ली किशनगंज, फरीदाबाद, फरीदाबाद न्यू टाउन, ओखला, नांगलोई, नरेला, शकूरबस्ती, तुगलकाबाद, दिल्ली सराय रोहिल्ला, दिल्ली सफदरजंग, शिवाजी ब्रिज, तिलक ब्रिज, मुरादनगर, परतापुर, देवबंद, खतौली, सकौती टांडा, आनंद विहार टर्मिनल और मोदीनगर स्टेशनों पर।

- गाजियाबाद, सब्जी मंडी, पलवल, मुजफ्फरनगर, मेरठ कैंट और बहादुरगढ़ स्टेशन पर स्टॉल स्थापित करने की अवधि प्रति चरण में 90 दिन होगी।
- उपरोक्त (ख) समूह के अंतर्गत दिए गए स्टेशनों पर ट्रॉली स्थापित करने की अवधि 30 दिन होगी।
- NSG 1, 2, 3 और 4 स्टेशनों पर रजिस्ट्रेशन शुल्क 2000 रुपये की दर से प्रत्येक तीस दिनों की अवधि के लिए हर बार अलग से लिया जाएगा और NSG 5 (बागपत रोड, ओखला, नांगलोई, खेकड़ा, मेरठ कैंट, सब्जी मंडी, दिल्ली किशनगंज, खतौली, शिवाजी ब्रिज, तिलक ब्रिज, मुरादनगर, देवबंद और दिल्ली सफदरजंग) & NSG 6 (परतापुर और सकौती टांडा) स्टेशनों के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क 1000 रुपये की दर से प्रत्येक तीस दिनों की अवधि के लिए हर बार अलग से लिया जाएगा।
- प्रतिभागी के लिए पात्रता मानदंड निम्नलिखित हैं:
  क) विकास आयुक्त हस्तशिल्प, विकास आयुक्त हथकरघा या अपेक्षित राज्य/केंद्र सरकार प्राधिकरण द्वारा जारी कारीगरों/बुनकर आईडी कार्ड धारक।
  ख) भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ लिमिटेड (ट्राइफेड)/राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम (एनएचडीसी)/खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी)/गैर सरकारी संगठन और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर सूक्ष्म उद्योगों के साथ पंजीकृत और सामाजिक संगठनों, राज्य सरकार के निकायों आदि के साथ नामांकित/पंजीकृत व्यक्तिगत कारीगर/बुनकर/शिल्पकार।
  ग) पीएमईजीपी (प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम) के साथ पंजीकृत स्वयं सहायता समूह।
  घ) समाज के हाशिए पर या कमजोर वर्ग।
  ई) किसी भी अलग प्रतीक चिन्ह की अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी।
- आवेदक को स्टेशन अधीक्षक को एक वचन पत्र प्रस्तुत करना होगा जिसमें यह संकेत दिया जाएगा। कि ट्रेन संचालन, यात्री सुरक्षा और रेलवे की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव डालने के लिए कोई गतिविधि नहीं की जाएगी।
- आवेदक द्वारा का आवेदन इस अधिसूचना के जारी होने के बाद 10.10.2024 को 15:00 बजे तक स्टेशन अधीक्षक को संबोधित व जमा किया जा सकता है व उसी दिन खोला जाएगा।
- सभी अनुमोदित प्रतिभागियों का प्राथमिकता रोस्टर बनाने के लिए एसएस और स्टेशन प्रबंधक/अनुभागीय सीएमआई और नामांकित वित्त प्रतिनिधि द्वारा सभी अनुमोदित आवेदकों की उपस्थिति में स्टेशन पर आयोजित ड्रा के माध्यम से प्राथमिकता निर्धारित की जाएगी।
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना रेलवे बोर्ड वाणिज्यिक परिपत्र संख्या: 12/2022 एवं 09/2023 के तहत/अधीन मान्य होगी, उपरोक्त परिपत्र वेबसाइट: www.indianrailways.gov.in & URL: https://indianrailways.gov.in/railwayboard/uploads/directorate/traffic.comm/Comm_Cir_2022/OSOP%20Policy.pdf https://indianrailways. gov.in/railwayboard/uploads/directorate/ traffic. comm/Comm_Cir_2023/CC%20%2009%20of% 202023.pdf पर उपलब्ध है।
- इस से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए आवेदक संबंधित स्टेशनों के स्टेशन अधीक्षक या सीएमआई से संपर्क कर सकता है। 3057/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अरविंद केजरीवाल ने रहने के लिए मेरा घर चुना, मेरे लिए बड़ी खुशी की बात- अशोक मित्तल

मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद हमें पता चला कि अरविंद केजरीवाल के पास रहने के लिए कोई घर नहीं

- दिल्ली चुनाव में जनता अरविंद केजरीवाल को पहले की तरह प्रचंड बहुमत देगी और वह दिल्ली की कुर्सी संभालेंगे- अशोक मित्तल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य अशोक मित्तल ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा परिवार के साथ रहने के लिए उनके दिल्ली स्थित घर का चुनाव करने पर खुशी व्यक्त की है। अशोक मित्तल का कहना है कि अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद मुझे पता चला कि उनके पास रहने के लिए कोई घर नहीं है। मैंने और पार्टी अन्य नेताओं व कार्यकताओं ने उन्हें अपने घर में रहने का निमंत्रण दिया था। उन्होंने मेरे घर का चुनाव किया, यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मुझे पूरा भरोसा है कि दिल्ली चुनाव में जनता पहले की तरह इस बार भी आप को प्रचंड बहुमत देगी और अरविंद केजरीवाल दिल्ली की कुर्सी संभालेंगे।

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य अशोक मित्तल ने बुधवार को एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कुछ दिन पहले जब दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया, तो मुझे बाद में पता चला कि उनके पास रहने के लिए कोई घर नहीं है। तब मैंने उनको निमंत्रण दिया कि वह मेरे दिल्ली स्थित घर में मेरे मेहमान के तौर पर आकर रहें। इससे मुझे खुशी होगी। उन्होंने कहा कि मेरी तरह आम आदमी पार्टी के अन्य नेताओं और कार्यकताओं ने भी उन्हें अपने घर में रहने का निमंत्रण दिया था। आज मुझे यह जानकर काफी खुशी हुई है कि अरविंद केजरीवाल ने रहने के लिए मेरा घर चुना है। जब तक उन्हें कोई अन्य घर नहीं मिलता, तब तक वह मेरे साथ रहेंगे। अशोक मित्तल ने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता और सांसद के रूप में यह मेरे लिए मेरे लिए खुशी का मौका है कि वह मेरे साथ रहेंगे और मुझे उनसे सीखने का मौका मिलेगा। मुझे उम्मीद है कि आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में जनता आम आदमी पार्टी को पहले की तरह भरपूर समर्थन देगी और अरविंद केजरीवाल फिर से पूर्ण बहुमत के साथ दिल्ली की कुर्सी संभालेंगे।

हरियाणा में आम आदमी पार्टी के बिना नहीं बनेगी कोई भी सरकार, जनता से किए सारे वादे पूरे होंगे-आतिशी

ई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने गुरुवार को हरियाणा के बरवाला विधानसभा से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार प्रोफेसर छत्तरपाल के समर्थन में रोड शो और बाढड़ा से आप प्रत्याशी राकेश चांदवास जी के समर्थन में जनसभा में लोगों को संबोधित किया। इन दोनों स्थानों पर जनता के हुजूम ने सीएम आतिशी का स्वागत किया। इस मौके पर सीएम आतिशी ने कहा कि, यदि जनता सही पार्टी को वोट देती है तो 5 साल तक उनकी जिंदगी में सुधार आता है। लेकिन झूठे वादे के आकर, बहकावे में आकर गलत पार्टी को वोट देते है तो 5 साल तक पछताना पड़ता है। इसलिए बहुत जरूरी है कि, लोग अपना वोट सोच समझकर दे। उन्होंने कहा कि, हरियाणा के लोग भाजपा की मौजूदा सरकार से बहुत परेशान है। यहाँ अस्पताल खस्ताहाल है, सरकारी स्कूल टूटे फूटे है, बिजली के लंबे-लंबे पॉवर कट लगते है फिर भी बिजली महँगी है, बच्चों के पास पढ़ने लिखने के बाद भी नौकरियाँ नहीं है। किसानों को अपनी उपज पर एमएसपी नहीं मिलता है, फसल खराब हो जाए तो समय पर मुआवजा नहीं मिलता है। सीएम आतिशी ने कहा कि, पार्टियां आती है पार्टियां जाती है, सरकारें आती है सरकारें जाती है लेकिन एक आम आदमी की जिंदगी में कोई बदलाव नहीं आता है। एक आम परिवार परेशान रहता है, एक आम महिला अपने घर का खर्च चलाने में परेशान रहती है। परिवार में कोई बीमार हो जाए तो अपने गहने-घर गिरवी रखना पड़ जाता है। लेकिन में देश में कोई एक ऐसा नेता है तो एक आम आदमी की, गरीब की, मजदूर की, किसान की समस्या को, उनके संघर्ष और दर्द को समझता है वो हरियाणा का लाल और आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल जी है। उन्होंने कहा कि, हरियाणा के लाल अरविंद केजरीवाल जी को दिल्ली के लोगों ने 3 बार अपना मुख्यमंत्री बनाया।

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT. THIS DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES.
THIS PUBLIC ANNOUNCEMENT IS NOT INTENDED FOR PUBLICATION OR DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA.

SAHASRA ELECTRONIC SOLUTIONS LIMITED

Our Company was incorporated as Limited Company in the name of "Sahasra Electronic Solutions Limited" under the provisions of the Companies Act, 2013 vide Certificate of Incorporation dated February 22, 2023 issued by Registrar of Companies, Central Registration Centre bearing Corporate Identity Number U26202DL2023PLC410521. At the time of incorporation our company has took over the running business of proprietorship concern of the promoter Amrit Lal Manwani, namely M/s Sahasra Electronic Solutions along with the assets and liabilities of the proprietorship concern as going concern. For further details of our Company, please refer to chapter titled ***"History and Corporate Structure"*** beginning on page 117 of the Prospectus.

Registered Office: 33, Pocket 1, Jasola Vihar New Friends Colony, South Delhi-110025, New Delhi, India.
Corporate Office: 68-AA Noida Special Economic Zone, Nepz Post Office, Gautam Buddha Nagar, Noida-201305, Uttar Pradesh, India.
Tel No: +91-120-4202604; **E-mail:** cs@sahasraelectronics.com; **Website:** www.seslimited.in ; **Contact Person:** Neha Tahir, Company Secretary & Compliance Officer

OUR PROMOTERS: AMRIT LAL MANWANI, ARUNIMA MANWANI & VARUN MANWANI

"THE OFFER IS BEING MADE IN ACCORDANCE WITH CHAPTER IX OF THE SEBI ICDR REGULATIONS (IPO OF SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES) AND THE EQUITY SHARES ARE PROPOSED TO BE LISTED ON SME PLATFORM OF NSE."

Our Company is an EN 9100:2018 certified company, which is engaged in the business of providing solutions towards electronics system design and manufacturing ("ESDM") services at its manufacturing plant located at 68AA, NSEZ, Noida, Uttar Pradesh, which is equipped with four high speed SMT lines having a total capacity of around 1800000 units.

BASIS OF ALLOTMENT

INITIAL PUBLIC OFFER OF 65,78,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10/- EACH (THE "EQUITY SHARES") OF SAHASRA ELECTRONIC SOLUTIONS LIMITED ("OUR COMPANY" OR "SESL" OR "THE OFFER") AT AN OFFER PRICE OF ₹283/- PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING UP TO ₹18,615.74 LAKHS ("PUBLIC OFFER") COMPRISING OF A FRESH ISSUE OF 60,78,000 EQUITY SHARES AGGREGATING TO ₹17,200.74 LAKHS (THE "FRESH ISSUE") AND AN OFFER FOR SALE OF 5,00,000 EQUITY SHARES BY THE SELLING SHAREHOLDER ("OFFER FOR SALE") AGGREGATING TO ₹1,415.00 LAKHS COMPRISING BY AMRIT LAL MANWANI; OUT OF WHICH 3,29,600 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹10/- EACH, AT AN OFFER PRICE OF ₹283/- PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING ₹932.77 LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY THE MARKET MAKER TO THE OFFER (THE "MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE PUBLIC OFFER LESS MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E. OFFER OF 62,48,400 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH, AT AN OFFER PRICE OF ₹283/- PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING UPTO ₹17,682.97 LAKHS IS HEREIN AFTER REFERRED TO AS THE "NET OFFER". THE PUBLIC OFFER AND NET OFFER WILL CONSTITUTE 26.32% AND 25.00% RESPECTIVELY OF THE POST-OFFER PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY

DETAILS OF SELLING SHAREHODLER, OFFER FFOR SALE AND THE WEIGHTED AVERAGE COST OF ACQUISITION

Name of Selling Shareholder	Category of Shareholder	No. of Equity Shares Offered/ amount (in ₹ lakhs)	Weighted average cost of Acquisition (in ₹ per Equity Share)
Amrit Lal Manwani	Promoter Selling Shareholder	5,00,000 Equity Shares aggregating to ₹1,415.00 Lakhs	10.00

THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARE IS ₹ 10 EACH AND OFFER PRICE IS ₹283/- EACH. THE OFFER PRICE IS 28.3 TIMES OF THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARE
ANCHOR INVESTOR OFFER PRICE: ₹283/- PER EQUITY SHARE. THE OFFER PRICE IS 28.3 TIMES OF THE FACE VALUE

BID/ OFFER PERIOD

ANCHOR INVESTOR BIDDING DATE WAS: WEDNESDAY, SEPTEMBER 25, 2024
BID / OFFER OPENED ON: THURSDAY, SEPTEMBER 26, 2024
BID / OFFER CLOSED ON: MONDAY, SEPTEMBER 30, 2024

RISKS TO INVESTORS:

a) Our business is dependent on the sale of our products to certain key customers which also includes some of our Group Companies. The loss of any of these customers or loss of revenue from sales to these customers could have a material adverse effect on our business, financial condition, results of operations and cash flows.

b) We are significantly dependent on revenue from sale of PCBA. Any inability to anticipate or adapt to evolving up gradation of the required products or inability to ensure product quality or reduction in the demand of these products may adversely impact our revenue from operations and growth prospects.

c) The BRLM associated with the Issue has handled 60 Public Issues in the past three years, out of which 1 issue was closed below the Issue/ Offer Price on listing date:

Name of BRLM	Total Issue		Issue closed below IPO Price on listing date
	Mainboard	SME	
Hem Securities Limited	1	59	1

d) Average cost of acquisition of Equity Shares held by the Individual Promoters is

Sr. No.	Name of the Promoters	Average cost of Acquisition (in ₹)
1.	Amrit Lal Manwani	10.00
2.	Arunima Manwani	10.00
3.	Varun Manwani	10.00

and the Offer Price at the upper end of the Price Band is ₹283 per Equity Share.

e) The Price/ Earnings ratio based on Diluted EPS for Fiscal 2024 for the company at the upper end of the Price Band is 15.68

f) Weighted Average Return on Net worth for Fiscals 2024, 2023* and 2022 is 63.16%.
**RoNW for the period March 31, 2023 have been calculated considering the combined PAT of the company for the period February 21, 2023 to March 31, 2023 and for the erstwhile proprietorship for the period April 01, 2022 to February 20, 2023 and divided by Networth as on March 31, 2023.*

g) The Weighted average cost of acquisition of all Equity Shares transacted in the last 1 year, 18 months and 3 years from the date of Prospectus is as given below:

Period	Weighted Average Cost of Acquisition (in ₹)	Upper end of the Price Band (₹283) is 'X" times the weighted Average cost of Acquisition	Range of acquisition price: Lowest Price – Highest Price (in ₹)
Last 1 year/ Last 18 months	202.00	1.40	202-202
Last 3 years	19.60	14.44	10-202

h) The Weighted average cost of acquisition compared to floor price and cap price

Types of transactions	Weighted average cost of acquisition (₹ per Equity Shares)	Floor price (i.e. ₹ 269)	Cap price (i.e. ₹ 283)
WACA of primary issuance(exceeding 5% of the pre issue capital)	202.00	1.33 times	1.40 times
WACA for secondary sale / acquisition (exceeding 5% of the pre issue capital)	NA^	NA^	NA^

Note:
^There were no secondary transactions as mentioned in paragraph 8(b) above, in last 18 months from the date of the Prospectus.

PROPOSED LISTING: FRIDAY, OCTOBER 04, 2024*

The Offer is being made through the Book Building Process, in terms of Rule 19(2)(b)(i) of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, as amended ("SCRR") read with Regulation 253 of the SEBI (ICDR) Regulations, as amended, wherein not more than 50% of the Net Offer was available for allocation on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers ("QIBs", the "QIB Portion"). Our Company in consultation with the Book Running Lead Manager has allocated 60% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis in accordance with the SEBI ICDR Regulations ("Anchor Investor Portion"). Further, not less than 15% of the Net Offer was made available for allocation on a proportionate basis to Non-Institutional Bidders and not less than 35% of the Net Offer was made available for allocation to Retail Individual Bidders in accordance with the SEBI ICDR Regulations, subject to valid Bids being received at or above the Offer Price. All potential Bidders (except Anchor Investors) were required to mandatorily utilise the Application Supported by Blocked Amount ("ASBA") process providing details of their respective ASBA accounts, and UPI ID in case of RIBs using the UPI Mechanism, if applicable, in which the corresponding Bid Amounts will be blocked by the SCSBs or by the Sponsor Bank under the UPI Mechanism, as the case may be, to the extent of respective Bid Amounts. Anchor Investors are not permitted to participate in the Offer through the ASBA process. For details, see ***"Offer Procedure"*** beginning on page 256 of the Prospectus.
The investors are advised to refer to the Prospectus for the full text of the Disclaimer clause pertaining to National Stock Exchange of India Limited ("NSE"). For the purpose of this Offer, the Designated Stock Exchange will be the NSE. The trading is proposed to be commenced on or before Friday, October 04, 2024*
**Subject to the receipt of listing and trading approval from the NSE (NSE Emerge).*

SUBSCRIPTION DETAILS

The bidding for Anchor Investors opened and closed on Wednesday, September 25, 2024. The Company received 26 Anchor Investors applications for 24,16,400 Equity Shares. The Anchor Investor Allocation price was finalized at ₹283/- per Equity Share. A total of 18,74,000 Equity Shares were allotted under the Anchor Investors portion aggregating to ₹ 53,03,42,000/-.
The Offer (excluding Anchor Investors Portion) received 4,51,541 Applications for 53,81,94,800 Equity Shares (after bid not banked cases and removing multiple and duplicate bids and before technical rejection) resulting 114.41 times subscription (including reserved portion of market maker and excluding anchor investor portion). The details of the Applications received in the Offer from various categories are as under (before technical rejections):

Detail of the Applications Received (excluding Anchor Investors Portion and before technical rejections):

Sr. No.	Category	Number of Applications	No. of Equity Shares applied	Equity Shares Reserved as per Prospectus	No. of times Subscribed	Amount (₹)
1	Market Maker	1	3,29,600	3,29,600	1.00	9,32,76,800.00
2	Qualified Institutional Buyers (excluding anchor investors)	82	12,55,73,200	12,49,600	100.49	35,53,72,15,600.00
3	Non-Institutional Investors	34,710	24,55,92,800	9,37,600	261.94	69,49,42,30,400.00
4	Retail Individual Investors	4,16,748	16,66,99,200	21,87,200	76.22	47,17,46,00,400.00
	TOTAL	**4,51,541**	**53,81,94,800**	**47,04,000**	**114.41**	**1,52,29,93,23,200.00**

Final Demand:
A summary of the final demand as per NSE as on the Bid/ Offer Closing Date at different Bid prices is as under:

Sr. No.	Bid Price	Bids Quantity	% of Total	Cumulative Total	% Cumulative Total
1	269.00	1,79,600	0.03	1,79,600	0.03
2	270.00	50,800	0.01	2,30,400	0.04
3	271.00	4,400	0.00	2,34,800	0.04
4	272.00	4,800	0.00	2,39,600	0.04
5	273.00	16,000	0.00	2,55,600	0.04
6	274.00	3,200	0.00	2,58,800	0.05
7	275.00	64,400	0.01	3,23,200	0.06
8	276.00	13,600	0.00	3,36,800	0.06
9	277.00	13,200	0.00	3,50,000	0.06
10	278.00	18,800	0.00	3,68,800	0.06
11	279.00	12,000	0.00	3,80,800	0.07
12	280.00	41,200	0.01	4,22,000	0.07
13	281.00	88,400	0.02	5,10,400	0.09
14	282.00	1,74,400	0.03	6,84,800	0.12
15	283.00	44,80,01,600	78.61	44,86,86,400	78.73
16	CUT OFF	12,12,00,800	21.27	56,98,87,200	100.00
		56,98,87,200	**100.00**		

The Basis of Allotment was finalized in consultation with the Designated Stock Exchange, being NSE (NSE Emerge) on Tuesday October 01, 2024.

1) Allotment to Retail Individual Investors (After Technical Rejections):
The Basis of Allotment to the Retail Individual Investors, who have Bid at cut-off Price or at the Offer Price of ₹283 per Equity Share, was finalized in consultation with NSE. The category has been subscribed to the extent of 74.32 times (after reconciling with the FCs and weeding out valid rejections). The total number of Equity Shares Allotted in this category is 21,87,200 Equity Shares to 5,468 successful applicants. The details of the Basis of Allotment of the said category are as under:

No. of Shares Applied for (Category wise)	No. of Applications Received	% of Total	Total No. of Shares Applied	% to Total	No. of Equity Shares Allotted per Applicant	Ratio	Total No. of Shares Allotted
400	4,06,375	100.00	16,25,50,000	100.00	400	13:996	21,87,200

2) Allotment to Non-Institutional Investors (After Technical Rejections): The Basis of Allotment to the Non-Institutional Investors, who have bid at the Offer Price of ₹283 per Equity Share, was finalized in consultation with NSE. The category has been subscribed to the extent of 260.72 times. The total number of Equity Shares Allotted in this category is 9,37,600 Equity Shares to 1,619 successful applicants. The details of the Basis of Allotment of the said category are as under *(Sample Basis):*

No. of Shares Applied for (Category wise)	No. of Applications Received	% to total	Total No. of Shares Applied in Each Category	% to total	No. of Equity Shares Allotted per Applicant	Ratio	Total No. of Shares Allotted
800	17,882	52.30	1,43,05,600	5.85	400	2:261	54,800
1,200	2,118	6.19	25,41,600	1.04	400	4:353	9,600
1,600	1,868	5.46	29,88,800	1.22	400	12:773	11,600
1,00,000	11	0.03	11,00,000	0.45	400	1:1	4,400
1,00,400	1	0.00	1,00,400	0.04	400	1:1	400
1,00,800	3	0.01	3,02,400	0.12	400	1:1	1,200
2,00,000	2	0.01	4,00,000	0.16	800	1:1	1,600
2,00,400	2	0.01	4,00,800	0.16	800	1:1	1,600
2,00,800	1	0.00	2,00,800	0.08	800	1:1	800
3,02,000	1	0.00	3,02,000	0.12	1,200	1:1	1,200
3,09,200	1	0.00	3,09,200	0.13	1,200	1:1	1,200
3,17,600	1	0.00	3,17,600	0.13	1,200	1:1	1,200
4,00,000	2	0.01	8,00,000	0.33	1,600	1:1	3,200
4,08,400	1	0.00	4,08,400	0.17	1,600	1:1	1,600
4,13,200	1	0.00	4,13,200	0.17	1,600	1:1	1,600

No. of Shares Applied for (Category wise)	No. of Applications Received	% to total	Total No. of Shares Applied in Each Category	% to total	No. of Equity Shares Allotted per Applicant	Ratio	Total No. of Shares Allotted
5,14,000	1	0.00	5,14,000	0.21	2,000	1:1	2,000
5,30,000	1	0.00	5,30,000	0.22	2,000	1:1	2,000
6,04,000	1	0.00	6,04,000	0.25	2,400	1:1	2,400
6,65,200	1	0.00	6,65,200	0.27	2,400	1:1	2,400
7,06,800	1	0.00	7,06,800	0.29	2,800	1:1	2,800
7,45,200	1	0.00	7,45,200	0.30	2,800	1:1	2,800
10,95,200	1	0.00	10,95,200	0.45	4,400	1:1	4,400
11,30,400	1	0.00	11,30,400	0.46	4,400	1:1	4,400
15,90,000	1	0.00	15,90,000	0.65	6,000	1:1	6,000
16,60,800	1	0.00	16,60,800	0.68	6,400	1:1	6,400
17,07,200	1	0.00	17,07,200	0.70	6,400	1:1	6,400
19,43,600	1	0.00	19,43,600	0.80	7,600	1:1	7,600
30,03,200	1	0.00	30,03,200	1.23	11,600	1:1	11,600
31,24,000	1	0.00	31,24,000	1.28	12,000	1:1	12,000
31,24,800	2	0.01	62,49,600	2.56	12,000	1:1	24,000

3) Allotment to Market Maker : The Basis of Allotment to Market Maker who have bid at Offer Price of ₹283 per Equity Shares or above, was finalized in consultation with NSE. The category was subscribed by 1.00 times i.e. for 3,29,600 Equity shares the total number of shares allotted in this category is 3,29,600 Equity Shares. The category wise details of the Basis of Allotment are as under:

No. of Shares Applied for (Category wise)	No. of Applications received	% to total	Total No. of Equity Shares applied in this Category	% of total	No. of Equity Shares allocated/ allotted per Applicant	Ratio	Total No. of shares allocated/allotted
3,29,600	1	100.00	3,29,600	100.00	3,29,600	1:1	3,29,600

4) Allotment to QIBs excluding Anchor Investors (After Technical Rejections):
Allotment to QIBs, who have bid at the Offer Price of ₹283 per Equity Share or above, has been done on a proportionate basis in consultation with NSE. This category has been subscribed to the extent of 100.49 times of QIB portion. The total number of Equity Shares allotted in the QIB category is 12,49,600 Equity Shares, which were allotted to 82 successful Applicants.

CATEGORY	FIS/BANKS	MF'S	IC'S	NBFC'S	AIF	FPI	VC'S	TOTAL
Allotment	2,27,200	-	6,400	4,06,800	2,44,400	3,64,800	-	**12,49,600**

5) Allotment to Anchor Investors (After Technical Rejections):
The Company in consultation with the BRLM has allocated 18,74,000 Equity Shares to 26 Anchor Investors at the Anchor Investor Offer Price of ₹283 per Equity Shares in accordance with the SEBI (ICDR) Regulations. This represents 60% of the QIB Category.

CATEGORY	FIS/BANKS	MF'S	IC'S	NBFC'S	AIF	FPI	OTHERS	TOTAL
Allotment	35,600	-	-	5,40,000	7,89,600	5,08,800	-	**18,74,000**

The Board of Directors of our Company at its meeting held on October 01, 2024 has taken on record the basis of allotment of Equity Shares approved by the Designated Stock Exchange, being NSE and has allotted the Equity Shares to various successful applicants. The Allotment Advice Cum Refund Intimation will be dispatched to the address of the investors as registered with the depositories. Further, instructions to the SCSBs have been dispatched/ mailed for unblocking of funds and transfer to the Public Offer Account on or before October 03, 2024. In case the same is not received within ten days, Investors may contact the Registrar to the Offer at the address given below. The Equity Shares allotted to the successful allottees shall be uploaded on or before October 03, 2024 for credit into the respective beneficiary accounts subject to validation of the account details with the depositories concerned. The Company is in the process of obtaining the listing and trading approval from NSE and the trading of the Equity Shares is expected to commence trading on Friday, October 04, 2024.

Note: All capitalized terms used and not defined herein shall have the respective meanings assigned to them in the Prospectus dated September 30, 2024 filed with the Registrar of Companies, Delhi ("RoC").

INVESTORS, PLEASE NOTE

The details of the allotment made has been hosted on the website of the Registrar to the Offer Bigshare Services Private Limited at website: www.bigshareonline.com
TRACK RECORD OF BOOK RUNNING LEAD MANAGERS: The BRLM associated with the Issue has handled 60 Public Issues in the past three years, out of which 1 issue was closed below the Issue/ Offer Price on listing date:

Name of BRLM	Total Issue		Issue closed below IPO Price on listing date
	Mainboard	SME	
Hem Securities Limited	1	59	1

All future correspondence in this regard may kindly be addressed to the Registrar to the Offer quoting full name of the First/ Sole Bidder Serial number of the ASBA form, number of Equity Shares bid for, Bidder DP ID, Client ID, PAN, date of submission of the Bid cum Application Form, address of the Bidder, the name and address of the Designated Intermediary where the Bid cum Application Form was submitted by the Bidder and copy of the Acknowledgment Slip received from the Designated Intermediary and payment details at the address given below:

BIGSHARE SERVICES PRIVATE LIMITED
Address: S6-2, 6th Floor, Pinnacle Business Park, next to Ahura Centre, Mahakali Caves Road, Andheri (East) Mumbai – 400093, Maharashtra India.
Telephone: +91 22 6263 8200; **Facsimile:** +91 22 6263 8299;
Email: ipo@bigshareonline.com; **Investor Grievance Email:** investor@bigshareonline.com
Website: www.bigshareonline.com
Contact Person: Vinayak Morbale
SEBI Registration Number: INR000001385

On behalf of Board of Directors
Sahasra Electronic Solutions Limited
Sd/-
Neha Tahir
Company Secretary and Compliance Officer

Place: New Delhi
Date: October 03, 2024

THE LEVEL OF SUBSCRIPTION SHOULD NOT BE TAKEN TO BE INDICATIVE OF EITHER THE MARKET PRICE OF THE EQUITY SHARES ON LISTING OR THE BUSINESS PROSPECTS OF SAHASRA ELECTRONIC SOLUTIONS LIMITED

Disclaimer: *Sahasra Electronic Solutions Limited has filed the Prospectus with the RoC on September 30, 2024 and thereafter with SEBI and the Stock Exchange. The Prospectus is available on the website of the BRLMs, Hem Securities Limited at www.hemsecurities.com and the Company at: https://www.seslimited.in/, and shall also be available on the website of the NSE and SEBI. Investors should note that investment in Equity Shares involves a high degree of risk and for details relating to the same, please see* ***"Risk Factors"*** *beginning on page 24 of the Prospectus.*
The Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act of 1933, as amended (the ***"Securities Act"****) or any state securities laws in the United States, and unless so registered, and may not be issued or sold within the United States, except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the Securities Act and in accordance with any applicable U.S. state securities laws. The Equity Shares are being Issued and sold outside the United States in 'offshore transactions' in reliance on Regulation under the Securities Act and the applicable laws of each jurisdiction where such Issues and sales are made. There will be no public Issuing in the United States.*

भाजपा न ले यू-टर्न और एलजी साहब बस मार्शलों को बहाल कर दें दिवाली का तोहफा:दिलीप पांडे

बस मार्शलों की बहाली के मसले पर भाजपा भी आप के साथ एलजी साहब से मिलने के लिए सहमत हुई थी

- मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बस मार्शलों को लेकर एलजी साहब को पत्र लिखकर मिलने का समय मांगा, लेकिन अभी तक समय नहीं मिला- दिलीप पांडे

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी ने भाजपा और एलजी साहब से 10 हजार दिल्ली सिविल डिफेंस वालेंटियर्स की नौकरी बहाली में सहयोग करने का अनुरोध किया है। वरिष्ठ नेता दिलीप पांडे ने कहा कि बस मार्शलों के मुद्दे पर भाजपा अपने वादे से यू-टर्न न ले और एलजी साहब से अपील है कि वह इनकी नौकरी बहाल कर दिवाली का तोहफा दें। उन्होंने कहा कि बस मार्शलों की बहाली को लेकर भाजपा ने भी आप विधायकों के साथ एलजी साहब से मिलने पर सहमत जताई थी। हमें बुधवार (3 अक्टूबर) को एलजी साहब से मिलना था, लेकिन एलजी ऑफिस से मिलने का समय नहीं मिला। इसलिए बुधवार को सुबह मंत्री सौरभ भारद्वाज ने उनको पत्र लिखकर समय मांगा है, ताकि बस मार्शलों के मुद्दे का हमेशा के लिए समाधान हो सके, लेकिन अभी तक मिलने का समय नहीं मिला है।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधायक दिलीप पांडे ने बस मार्शलों के संबंध में पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता की। इस दौरान पार्टी के विधायक संजीव झा और कुलदीप कुमार भी मौजूद रहे। दिलीप पांडे ने कहा कि भाजपा अब धोखा, यू-टर्न और वादाखिलाफी की पहचान बन गई है। विधानसभा सत्र के दौरान भाजपा को सद्बुद्धि आई थी और आम आदमी पार्टी के प्रस्ताव से सहमत होकर 3 अक्टूबर को एलजी साहब से मुलाकात कर बस मार्शलों के संघर्ष पर पूर्ण विराम लगाने पर सहमति बनी। बुधवार को भी हमने भाजपा और उसके एलजी सूचित किया था कि विधानसभा का प्रस्ताव एलजी कार्यालय पहुंच चुका है, जिसमें 3 अक्टूबर का समय भी निर्धारित है। लिहाजा, एलजी साहब बुधवार को (3 अक्टूबर) को हमें कितने बजे मिलने का समय दे रहे हैं। हम 2 अक्तूबर को भी समय मिलने का इंतजार किए थे। अब कहा जा रहा है आपने अलग से समय नहीं मांगा था।

दिलीप पांडे ने बताया कि बुधवार को दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने पत्र के जरिए एलजी साहब से मुलाकात का समय मांगा है। सौरभ भारद्वाज ने ही पिछली विधानसभा में बस मार्शलों की बहाली की मांग का प्रस्ताव रखा था और भाजपा ने अपनी सहमति दी थी। गुरुवार को सुबह 10:26 बजे मंत्री सौरभ भारद्वाज ने एलजी कार्यालय से पत्र व्यवहार किया। इन लोगों की तरफ से कहा गया कि आपने 3 अक्टूबर का समय तो बताया था, पर कोई निश्चित समय नहीं मांगा। यह बहुत दुखद है कि एक तरफ बस मार्शल परेशान हैं और दूसरी ओर भाजपा के लोग उन्हें भटकाते हैं, हर बार कोई कमी निकालकर उन्हें वापस भेज देते हैं। दिलीप पांडे ने कहा कि हम भाजपा और एलजी साहब से एक बार फिर कहना चाहते हैं कि दस हजार लोग सिर्फ एक आंकड़ा नहीं हैं, बल्कि इन हजारों मार्शलों के पीछे उनका पूरा परिवार खड़ा है। इन परिवारों में मां, बहनें और बच्चे हैं। भाजपा से हम हाथ जोड़कर विनती करते हैं कि वे वादा खिलाफी न करें और यू-टर्न न लें। जिस बात पर सहमति बनी थी, उससे पीछे न हटे। एलजी साहब मिलने समय दें। जहां भाजपा भी आ जाए और जिस कागज पर हमसे हस्ताक्षर कराना है, वह भी करा ले। हम चाहते हैं कि दिवाली से पहले बस मार्शलों और उनके परिवारों को यह तोहफा मिले, ताकि वे भी खुशी-खुशी अपने घरों में दीप जलाकर त्योहार मना सकें। मैं बहुत दुखी मन से कह रहा हूं कि अगर ऐसा नहीं हुआ, तो भाजपा को इन परिवारों की बद्दुआ लगेगी। इस दौरान संजीव झा ने कहा कि भाजपा की झूठ की राजनीति एक बार फिर बेनकाब हो गई है। एक साल से ज्यादा समय हो गया है और बस मार्शल अब तक अपनी जायज मांगों को लेकर सड़क पर बैठे हैं। पहले भाजपा ने एलजी के माध्यम से अधिकारियों पर दबाव डालकर उनकी तनख्वाह रोक दी और फिर उन्हें नौकरी से निकाल दिया।

केजरीवाल शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास खाली करेंगे

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल शुक्रवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री का आधिकारिक आवास खाली कर देंगे और लुटियन की दिल्ली में सांसदों के लिए बने एक बंगले में चले जाएंगे। पार्टी ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। पिछले महीने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले केजरीवाल अपने परिवार के साथ पंजाब से पार्टी के राज्यसभा सदस्य अशोक मित्तल के आधिकारिक आवास पर रहेंगे, जो मंडी हाउस के पास फिरोजशाह रोड पर स्थित है। यह आवास रविशंकर शुक्ला लेन स्थित आप मुख्यालय के समीप है। केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने दिल्ली के लोगों से ह्यह्यईमानदारी का प्रमाण पत्रह्लह्ल लेने के लिए मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया है। उन्होंने कहा कि जब वह लोगों का विश्वास जीत लेंगे, तभी इस पद पर वापस आ जाएंगे। अगले साल फरवरी में दिल्ली विधानसभा चुनाव होने की संभावना है।

5 हजार करोड़ के इंटरनेशनल ड्रग्स केस में बड़ा खुलासा, मास्टरमाइंड के तार कांग्रेस से जुड़े

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 5 हजार करोड़ रुपए के इंटरनेशनल ड्रग्स सिंडिकेट में चौंकाने वाला खुलासा किया। इस खुलासे ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है।

मास्टरमाइंड तुषार गोयल का नाम सामने आया है, जो 2022 तक दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के आरटीआई सेल का चेयरमैन रह चुका है। गोयल की कांग्रेस से जुड़ी पृष्ठभूमि और ड्रग्स सिंडिकेट से जुड़े तार ने इस मामले को और भी संवेदनशील बना दिया है।

स्पेशल सेल की पूछताछ में तुषार गोयल ने यह खुलासा किया कि वह कांग्रेस के आरटीआई सेल का प्रमुख था, और उसने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल पर आरटीआई सेल चेयरमैन, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस लिखा हुआ है। इसके अलावा, गोयल ने डिग्गी गोयल के नाम से भी एक प्रोफाइल बनाई हुई है। जांच के दौरान, कई कांग्रेस नेताओं के साथ गोयल के फोटो भी सामने आए हैं।

इस ड्रग्स सिंडिकेट के तार दुबई से जुड़े हुए पाए गए हैं। स्पेशल सेल की जांच में एक बड़े दुबई कारोबारी का नाम सामने आया है, जो कोकीन का प्रमुख सप्लायर है। यह जानकारी सामने आई है कि दुबई की डी कंपनी ड्रग्स की खरीद-फरोख्त के लिए एक सेफ जोन के रूप में जानी जाती है और एजेंसियों को इस संबंध में पुख्ता जानकारी थी। इस मामले में मुंबई कनेक्शन भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि बड़ी मात्रा में कोकीन की खेप मुंबई भेजी जा रही थी।

स्पेशल सेल की टीम अब इस एंगल पर भी जांच कर रही है कि मुंबई में ड्रग्स यूजर्स कौन थे। इसे किन हाई-प्रोफाइल लोगों को सप्लाई किया जाना था। स्पेशल सेल इस इंटरनेशनल ड्रग्स सिंडिकेट की जड़ तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

बता दें कि बुधवार को दिल्ली पुलिस ने ड्रग्स की अब तक की बड़ी खेप पकड़ी। अधिकारियों के अनुसार, 560 किलोग्राम से अधिक कोकीन और 40 किलोग्राम ह्यहाइड्रोपोनिक मारिजुआनाह्ल जब्त किया गया। जब्त किए गए ड्रग्स की अनुमानित कीमत लगभग 5,620 करोड़ रुपए है। स्पेशल सेल टीम ने महिपालपुर से चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। गोयल इस अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स गिरोह का प्रमुख वितरक बताया जा रहा है। 1 अक्टूबर को महिपालपुर में एक गोदाम के बाहर सबको गिरफ्तार किया गया, जहां 22 कार्टन में 547 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना मिला।

केजरीवाल का नया पता 5, फिरोजशाह रोड होगा, आज होंगे शिफ्ट

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल का नया पता 5, फिरोजशाह रोड होगा। शुक्रवार से वे आप के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल के आवास पर रहेंगे। यह दूसरी बार है जब वे नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में रहेंगे। इससे पहले साल 2014 में उन्हें तिलक लेन में आवास आवंटित हुआ था। इसके बाद वे सिविल लाइन में शिफ्ट हो गए थे। बृहस्पतिवार को आप मुख्यालय में दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया कि केजरीवाल शुक्रवार को आधिकारिक मुख्यमंत्री आवास खाली करेंगे। कई सांसदों, विधायकों और मंत्रियों सहित दिल्लीभर के समर्थकों ने उन्हें अपने घर में रहने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन केजरीवाल ने अपने विधानसभा क्षेत्र नई दिल्ली में ही रहने का फैसला किया है। यहां से उन्हें लोगों ने चुना था। अब वे परिवार के साथ नई दिल्ली में 5, फिरोजशाह रोड पर अशोक मित्तल के आधिकारिक आवास में रहेंगे। जब केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी थी, तो उन पर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने का कोई दबाव नहीं था, लेकिन उन्होंने निजी फैसले के तहत इस्तीफा दिया। आयकर आयुक्त रहते हुए भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) में प्रतिष्ठित कॅरिअर छोड़कर उन्होंने दिल्ली की झुग्गियों में एक दशक से अधिक समय तक काम किया। जमानत मिलने के बाद केजरीवाल ने दिल्ली के लोगों की ओर से दोबारा चुने जाने तक मुख्यमंत्री का पद नहीं संभालने का संकल्प लिया है। उन्होंने जनता की अदालत में जाने का फैसला किया है। मेरे लिए खुशी का पल : सांसद सांसद अशोक मित्तल का कहना है कि केजरीवाल परिवार के साथ उनके घर पर रहेंगे।

दिल्ली में डॉक्टर की गोली मारकर हत्या; आप ने बढ़ते अपराध के लिए केंद्र और एलजी को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

- नीमा अस्पताल के कंपाउंडर आबिद ने बताया कि डॉ. अख्तर के सिर में गोली लगी थी।
- पुलिस ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद जिला अपराध टीम और एफएसएल रोहिणी टीम घटनास्थल पर पहुंची।

नई दिल्ली। दिल्ली के जैतपुर में कालिंदी कुंज इलाके में एक निजी नर्सिंग होम में गुरुवार को एक डॉक्टर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान डॉ. जावेद अख्तर (55) के रूप में हुई है। वह नीमा अस्पताल में यूनानी डॉक्टर थे। पुलिस ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद जिला अपराध टीम और एफएसएल रोहिणी टीम घटनास्थल पर पहुंची। अस्पताल के कर्मचारियों ने पुलिस को बताया कि दो नाबालिग चिकित्सा केंद्र (मेडिकल फैसिलिटी) में आये और रात एक बजे ड्रेसिंग बदलने की मांग की। इन दोनों में से एक का एक दिन पहले पैर की चोट का इलाज हुआ था।

कर्मचारियों ने बताया कि बाद में नाबालिगों ने कहा कि उन्हें दवा की पर्ची चाहिए और वे डॉ. जावेद अख्तर के केबिन में गए, जिसके बाद गोली चलने की आवाज आई। जब वे डॉक्टर के केबिन में पहुंचे तो उन्हें मृत पाया। नीमा अस्पताल के कंपाउंडर आबिद ने बताया कि डॉ. अख्तर के सिर में गोली लगी थी। पुलिस ने कहा कि यह लक्षित हत्या का मामला हो सकता है। संदिग्धों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान शुरू कर दिया गया है।

इस बीच, आम आदमी पार्टी (आप) नेता सौरभ भारद्वाज ने केंद्र सरकार और उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर निशाना साधते हुए कहा, दिल्ली अपराध की राजधानी बन गई है। गैंगस्टर आसानी से काम कर रहे हैं। जबरन वसूली, गोलीबारी और रोजाना हत्याएं हो रही हैं। केंद्र सरकार और उपराज्यपाल दिल्ली के लिए अपने बुनियादी काम में विफल रहे हैं। सौरभ भारद्वाज ने आगे कहा, दिल्ली में हर दिन गोलियां चल रही हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल पूरी तरह से चुप हैं, न तो उन्होंने विधायकों से मिलने का समय दिया और न ही किसी पुलिस स्टेशन का दौरा किया। दिल्ली पुलिस केंद्र को रिपोर्ट करती है, दिल्ली सरकार को नहीं।

नारायणा इलाके के शोरूम में गोलीबारी के आरोप में किक-बॉक्सिंग खिलाड़ी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के नारायणा इलाके में पिछले महीने एक लक्जरी कार शोरूम में हुई गोलीबारी के सिलसिले में पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय किक-बॉक्सिंग खिलाड़ी को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि 26 वर्षीय दीपक ने लगातार तीन वर्षों तक अंतरराष्ट्रीय जूनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) (अपराध) अमित गोयल ने बताया, उसे खेल कोटे में भारतीय सेना में नौकरी मिल गई थी, लेकिन बाद में उसने नौकरी छोड़ दी। वह एक मान्यता प्राप्त वुशु कोच है और हरियाणा के रोहतक शहर में किक-बॉक्सिंग कोचिंग सेंटर संचालित करता है। पुलिस ने बृहस्पतिवार की सुबह गोलीबारी में शामिल एक अन्य व्यक्ति अरमान खान (27) को भी उत्तर-पश्चिम दिल्ली के माजरा डबास से मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। नारायणा इलाके में 27 सितंबर को तीन लोगों ने जबरन वसूली के लिए एक लग्जरी कार शोरूम में गोलीबारी की थी। उनमें से एक आरोपी ने शोरूम के प्रबंधक के सिर पर पिस्तौल तान दी, जबकि बाकी दो ने दुकान के अंदर कई कारों और टीवी स्क्रीन पर ताबड़तोड़ गोलीबारी की। चौथा व्यक्ति दीपक शोरूम के बाहर अपना चेहरा छिपाकर निगरानी कर रहा था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से दीपक की पहचान की और संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद उसे रोहतक शहर से गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ के दौरान दीपक ने बताया कि जब शोरूम मालिक ने रंगदारी देने से मना कर दिया तो उसने और उसके साथियों ने उसे व्यक्तिगत रूप से धमकाने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि 26 सितंबर को वे सभी रोहतक के एक होटल में मिले और हमले के बारे में विस्तार से चर्चा की। डीसीपी ने बताया कि घटना के बाद चारों अलग हो गए और दीपक पंजाब भाग गया। पुलिस ने वह नोटबुक भी बरामद कर ली है जिसका एक पन्ना फाड़कर धमकी भरा संदेश लिखा गया था और जिसे शोरूम में छोड़ दिया गया था।

दिल्ली की बदहाल सड़कों और प्रदूषण के लिए केजरीवाल जिम्मेदार : दुष्यंत गौतम

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम ने गुरुवार को विवेक विहार न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी अंडरपास का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने दिल्ली की सड़कों की दयनीय स्थिति और बाढ़ते प्रदूषण के लिए पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को जिम्मेदार ठहराया। खास बात ये रही कि वो अपने साथ केजरीवाल का कटआउट लेकर पहुंचे। जिसमें लिखा था कट्टर भ्रष्टाचारी।

दुष्यंता कुमार गौतम ने भाजपा कार्यकताओं के साथ मिलकर टूटी हुई सड़कों का निरीक्षण किया और कहा कि यह सब केजरीवाल की नाकामी का परिणाम है।

भाजपा नेता ने कहा, जिस प्रकार से सड़कें टूटी हैं, पॉल्यूशन फैल रहा है, गंदगी फैल रही है, इसके लिए सिर्फ और सिर्फ केजरीवाल जिम्मेदार हैं। अरविंद केजरीवाल ने न तो कोई नया स्कूल बनाया है, न ही अस्पताल, और न ही कोई विकास कार्य किया है। केजरीवाल ने केवल दिल्ली को लूटने का काम किया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे आगामी चुनाव में अपने वोट का सही इस्तेमाल करें और केजरीवाल को हटाकर भाजपा को चुनें। उन्होंने कहा, आज परिवर्तन का समय है। दिल्ली को एक सक्षम और विकासशील सरकार की आवश्यकता है, और भाजपा ही वह पार्टी है जो दिल्ली का विकास सुनिश्चित कर सकती है। इसलिए, मैं लोगों से निवेदन करूंगा कि अपने वोट का इस्तेमाल करके इस भ्रष्टाचारी केजरीवाल को हटाकर भाजपा को चुनने का काम करें। ताकि, दिल्ली में डबल इंजन की सरकार हो और दिल्ली का विकास सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो दिल्ली में विकास की नई गाथा लिखी जाएगी। दिल्ली का विकास भाजपा के साथ ही संभव है, इसलिए केजरीवाल को हटाना आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा ने अच्छी सड़कें और हाईवे देने का काम किया।

बता दें कि दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनों इन दिनों जनता के बीच है। एक तरफ केजरीवाल जनता के बीच जाकर यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि उन्होंने ईमानदारी से दिल्ली की जनता के लिए काम किया है। वहीं दूसरी तरफ भाजपा लोगों के बीच जाकर केजरीवाल की नाकामियों को उजागर कर रही है।

दिल्लीः कार शोरूम में गोलीबारी के संदिग्ध आरोपी को मुठभेड़ के बाद पुलिस ने पकड़ा

नई दिल्ली । दिल्ली के नारायणा में पुरानी कार के शोरूम पर गोलीबारी की घटना में शामिल 27 वर्षीय संदिग्ध व्यक्ति को मुठभेड़ के बाद कंझावला से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि विशेष प्रकोष्ठ की टीम के साथ मुठभेड़ में अरमान खान के पैर में गोली लगने के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। पुलिस उपायुक्त अमित कौशिक ने बताया कि खान की मौजूदगी की सूचना मिलने पर एक टीम को उत्तर-पश्चिम दिल्ली के माजरा डबास में तैनात किया गया था। खान को बृहस्पतिवार की सुबह मोटरसाइकिल पर देखा गया और उसे रुकने का इशारा किया गया, लेकिन उसने पुलिस पर दो गोलियां दाग दीं। कौशिक ने बताया कि पुलिस ने जवाब में गोलीबारी की और भाग रहे खान के पैर में गोली लग गई। खान द्वारा दागी गई गोली बुलेटप्रूफ जैकेट पहने एक पुलिसकर्मी को भी लगी। पुलिस ने खान की पिस्तौल और जिस मोटरसाइकिल पर वह सवार था उसे जब्त कर लिया। कौशिक ने बताया कि हरियाणा के चरखी दादरी निवासी खान ने दो अन्य लोगों के साथ मिलकर 27 सितंबर को नारायणा के कार स्ट्रीट शोरूम में घुसकर जबरन वसूली के लिए गोलीबारी की थी।

मोती नगर में युवक की चाकू मारकर हत्या, दूसरा घायल

पश्चिमी दिल्ली के मोती नगर इलाके में बीती रात एक शख्स की चाकू मारकर हत्या कर दी गई और दूसरा घायल हो गया। यह वारदात देर रात शादीपुर फ्लाई ओवर के पास हुई है। डीसीपी विचित्र वीर के अनुसार मृतक की पहचान शहनवाज उर्फ कालू के रूप में हुई है। उसके बॉडी पर स्टेप इंजरी मिली है, घायल की पहचान नफीस के रूप में की गई है। इस मामले में मोती नगर पुलिस हत्या का मामला दर्ज करके छानबीन कर रही है। आरोपियों के पता लगाने के लिए पुलिस की कई टीम छानबीन के लिए लगा दी गई है। शुरूआती जांच में पुलिस को पता चला कि मृतक और घायल दोनों एक साथ स्कूटी से वहां जा रहे थे। रेलवे लाइन के पास दूसरे लोगों से बहसबाजी हुई थी, जो लोग रेलवे लाइन के किनारे बैठे हुए थे। इस दौरान बात इनकी आपस में बहसबाजी हुई और फिर उन लोगों ने इन दोनों पर जानलेवा हमला कर दिया और सभी फरार हो गए। इसमें एक की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया उसे नजदीक के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

सीएक्यूएम ने पराली जलाने से रोकने के लिए उसके निर्देश लागू करने का प्रयास नहीं किया: न्यायालय

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

उच्चतम न्यायालय ने पराली जलाने की घटनाओं को नियंत्रित करने में विफल रहने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को बृहस्पतिवार को फटकार लगाई और कहा कि उसने ऐसी घटनाओं को रोकने के वास्ते उसके निदेर्शों को लागू करने का कोई प्रयास नहीं किया है।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि सीएक्यूएम ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के इलाकों में पराली जलाने की घटनाओं के खिलाफ एक भी मुकदमा शुरू नहीं किया है। पीठ ने कहा कि इस मुद्दे पर 29 अगस्त को ही बैठक हुई थी। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि बैठक में 11 में से केवल पांच सदस्य ही मौजूद थे, जहां उसके निदेर्शों के क्रियान्वयन पर चर्चा तक नहीं हुई। उच्चतम न्यायालय ने पंजाब और हरियाणा सरकारों को भी फटकार लगाते हुए कहा कि दोनों राज्यों ने पराली जलाने वाले किसानों से नाममात्र का मुआवजा ही लिया है।

न्यायालय ने केंद्र और सीएक्यूएम को इस मामले पर आज से एक सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया और मामले की सुनवाई 16 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी।

एलजी और दिल्ली पुलिस के तुगलकी फरमान को वापस लेना दिल्ली के हिंदुओं की जीत है: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने पार्टी मुख्यालय में हुई एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए, सार्वजनिक सभाओं पर दिल्ली पुलिस के प्रतिबंधों को वापस लेने को लोगों की बड़ी जीत बताया। इस सप्ताह की शुरूआत में, दिल्ली पुलिस, जो उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना के अधिकार क्षेत्र में आती है, ने मनमाने ढंग से राज्य में पांच से अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगाने वाला एक विवादास्पद आदेश जारी किया था। इसके बाद, पुलिस ने आदेश के आधार पर बलपूर्वक कार्रवाई करना शुरू कर दिया, गिरफ्तारियाँ कीं और यहाँ तक कि पहले से स्वीकृत सरकारी कार्यक्रमों को भी रोक दिया। सौरभ भारद्वाज के अनुसार, यह आदेश विशेष रूप से समस्याग्रस्त है, क्योंकि यह नवरात्रि की शुरूआत में आया था। उन्होंने कहा, इस निर्देश ने हिंदू भक्तों में आक्रोश पैदा कर दिया है, क्योंकि यह आदेश नवरात्रि, मंदिर दर्शन, जागरण, माता की चौकी और यहां तक कि रामलीला के आयोजनों में बाधा डालने वाला आदेश है। मीडिया को संबोधित करते हुए सौरभ भारद्वाज ने बताया कि इस आदेश के खिलाफ लोगों में व्याप्त आक्रोश को देखते हुए श्री कालकाजी मंदिर के पुजारी ने इस मामले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने कहा कि आज सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दिल्ली पुलिस के आदेश को वापस लेने की घोषणा की। सौरभ भारद्वाज ने इसे दिल्ली के लोगों की बड़ी जीत और उपराज्यपाल की बड़ी हार बताया। उन्होंने कहा कि भारत जैसे संप्रभु, लोकतांत्रिक देश में इस तरह का तानाशाही आदेश नहीं चल सकता। यह उपराज्यपाल के लिए शर्मनाक हार है, जिसे दिल्ली के लोगों पर थोपा गया था। केंद्र सरकार और उसके वकील जानते थे कि इस तरह के बेतुके आदेश एक संप्रभु, स्वतंत्र देश में लागू नहीं किए जा सकते। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि आप पूरे शहर में कर्फ्यू लगा सकते हैं। अगर कोई समस्या है, तो उसका समाधान खोजें।

सौरभ भारद्वाज यह दिल्ली के लोगों और खासकर हिंदू भक्तों के लिए जीत का क्षण है, जो इस बात को लेकर चिंतित थे कि वे अपने धार्मिक त्योहार कैसे मनाएंगे। उन्होंने कहा कि इस आदेश को वापस लेना लोगों की आवाज की ताकत को दशार्ता है क

उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की चुप्पी की भी निंदा करते हुए कहा कि यह दोनों ही इस आदेश के खिलाफ बोलने में विफल रहे। उन्होंने कहा, इस आदेश को पारित हुए तीन दिन हो चुके हैं, फिर भी हिंदू धर्म की रक्षा करने का दावा करने वाली भाजपा ने इसके खिलाफ एक भी शब्द नहीं कहा, यह बड़ी ही दुर्भाग्यपूर्ण बात है

जैसा कि ज्ञात है कि पूरे देश में त्योहारों का माहौल है और दिल्ली भी नवरात्रि के जीवंत उत्सव और भव्य रामलीला समारोहों के लिए तैयार हो रही है, ऐसे में उपराज्यपाल महोदय की पुलिस द्वारा इस प्रकार का तुगलक्की फरमान जारी करना और इस तुगलक की फरमान के खिलाफ दिल्ली की जनता द्वारा आवाज उठाने पर सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली के नागरिकों को उनके अधिकारों के लिए खड़े होने और उनकी धार्मिक स्वतंत्रता को बरकरार रखने के लिए बधाई दी।

द्वारका से पकड़ा गया वांटेड भगोड़ा

संवादाता

द्वारका साउथ थाना की पुलिस टीम ने एक मामले में भगोड़ा चल रहे हैं वांटेड आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान साद माजीद के रूप में हुई है। यह आरोपी शाहजहानाबाद अपार्टमेंट सेक्टर 11 द्वारका का रहने वाला है। डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि 4 साल पुराने मामले में इसे द्वारका कोर्ट ने भगोड़ा घोषित कर दिया था।

इसकी गिरफ्तारी के लिए द्वारका साउथ थाना की पुलिस टीम छानबीन करके पता लग रही थी। इसी दौरान टेक्निकल सर्विलांस की मदद से इसके बारे में पता लगा और उसके बाद एसएचओ संजीव मंडल की देखरेख में हेड कांस्टेबल प्रवीन दहिया और कांस्टेबल पवन की टीम ने जानकारी कंफर्म करने के बाद छापा मारा और इसे गिरफ्तार किया गया। इसे गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

धोखाधड़ी के मामले एल्विश यादव की बढ़ी मुश्किलें, पुलिस ने भारती समेत 5 लोगों को किया तलब

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

यूट्यूबर एल्विश यादव की मुश्किलें दिन प्रतिदिन बढ़ती हुई नजर आ रही है। कभी रेव पार्टी में सांप के जहर सप्लाई करने के आरोप में तो कभी धोखाधड़ी के मामले में मुश्किलें बढ़ती जा रही है। इस बीच दिल्ली पुलिस ने 500 करोड़ की धोखधड़ी के आरोप में एल्विश यादव और कॉमेडियन भारती सिंह समेत तीन लोगों को तलब किया है। गुरुवार को अधिकारी ने बताया कि पुलिस को 500 से अधिक शिकायतें मिलीं, जिनमें आरोप लगाया गया कि कई सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर और यूट्यूबर ने अपने पेज पर हायबॉक्स मोबाइल ऐप को बढ़ावा दिया और लोगों को ऐप के जरिए निवेश का प्रलोभन दिया। ऐप में 30 हजार से अधिक लोगों ने किया निवेश पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले के मुख्य आरोपी चेन्नई निवासी शिवराम (30) को गिरफ्तार कर लिया गया है। शिकायत के अनुसार, सौरव जोशी, अभिषेक मल्हान, पूरव झा, एल्विश यादव, भारती सिंह, हर्ष लिंबाचिया, लक्ष्य चौधरी, आदर्श सिंह, अमित और दिलराज सिंह रावत सहित सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर और यूट्यूबर ने ऐप को बढ़ावा दिया और लोगों को ऐप के जरिए निवेश करने का प्रलोभन दिया। पुलिस उपायुक्त (आईएफएसओ स्पेशल सेल) हेमंत तिवारी ने बताया, हायबॉक्स एक मोबाइल ऐप है जो एक सुनियोजित धोखाधड़ी का हिस्सा था। डीसीपी ने कहा कि इस ऐप के माध्यम से, आरोपियों ने प्रतिदिन एक से पांच प्रतिशत के गारंटीड रिटर्न का वादा किया था, जो एक महीने में 30 से 90 प्रतिशत तक होता। ऐप को फरवरी 2024 में शुरू किया गया था। ऐप के जरिये 30,000 से अधिक लोगों ने पैसा निवेश किया। इस मामले पर दिल्ली पुलिस ने क्या कहा शुरूआती पांच महीनों के दौरान निवेशकों को उच्च रिटर्न मिला। हालांकि, जुलाई से ऐप ने तकनीकी गड़बड़ियों, कानूनी मुद्दों, जीएसटी मुद्दों का हवाला देते हुए भुगतान रोक दिया। डीसीपी तिवारी ने कहा, कथित कंपनियां उत्तर प्रदेश के नोएडा में अपना कार्यालय बंद करने के बाद गायब हो गईं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घोखाधड़ी के सरगना शिवराम को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके चार अलग-अलग बैंक खातों से 18 करोड़ रुपये जब्त किए गए हैं। पुलिस को 16 अगस्त को इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) में हायबॉक्स ऐप के खिलाफ 29 पीड़ितों की शिकायतें मिलीं। शिकायतकताओं ने आरोप लगाया कि उन्हें उनके निवेश पर उच्च रिटर्न का वादा किया गया था। स्पेशल सेल ने 20 अगस्त को भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की।

संक्षिप्त खबरें

जिला के प्रभारी जिला संचालन समिति की बैठक एवं काकन में शराबबंदी पर निर्धारित कार्यक्रम में होंगे शामिल

जमुई बिहार सरकार के मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के मंत्री सह जिला के प्रभारी मंत्री श्री रत्नेश सदा 04 अक्टूबर शुक्रवार को पूर्वाहन 11:00 बजे समाहरणालय के संवाद कक्ष में मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना एवं मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना की जिला संचालन समिति की बैठक में भाग लेंगे । बिहार सरकार के मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के मंत्री सह जिला के प्रभारी मंत्री श्री रत्नेश सदा संवाद कक्ष में बैठक के बाद जमुई प्रखंड अंतर्गत अपराह्न 1:30 बजे काकन गांव जाएंगे और महादलित बस्ती में शराबबंदी पर कला जत्था एवं जीविका के द्वारा आयोजित जागरूकता अभियान में हिस्सा लेंगे। वे लोगों को शराबबंदी के लाभ को गिनाएंगे और लोगों को इससे दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे।

गिद्धौर के महुली गांव में स्थित आईटीआई कॉलेज का दो मंजिला प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

फीता काटकर उद्घाटन किया विधायक दामोदर रावत व अन्य

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौरः- गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत महुली गांव में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का दो मंजिला प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन गुरुवार को वर्चुअल माध्यम से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा किये जाने के बाद परिसर में उद्घाटन शिलापट्ट लगाया गया। वहीं स्थानीय झाझा विधायक दामोदर रावत के द्वारा फीता काटकर प्रशिक्षण केंद्र का शिलान्यास किया गया। इस ऐतिहासिक पल को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में काफी उत्साह देखा गया। मौके पर संस्थान के प्रिंसिपल श्याम नंदन प्रसाद,मुख्य अनुदेशक मोहम्मद जावेद अहमद एवं राजेंद्र कुमार,नीतीश कुमार,भास्कर भूषण, संदीप कुमार सिंह,हिमांशु शेखर, जदयू नेता शैलेंद्र रावत,जय नंदन सिंह,कृष्णा रावत,हीरा सिंह,प्रमोद मंडल,शिवेंदु कुमार,विक्की कुमार आदि मौजूद रहे। मौके पर विधायक दामोदर रावत ने कहा कि विद्यार्थियों का हाई लेवल स्किल डेवलपमेंट हो पाएगा एवं युवाओं को नौकरी पाने में मददगार साबित होगा। बता दे की इस औधौगिक प्रशिक्षण संस्थान के क्षेत्र व आसपास के छात्रों को अपने इलाके में ही अपना भविष्य संवारने का मौका मिल रहा है। साथ ही इस संस्थान के खुलने से तकनीकी शिक्षा की पढ़ाई करने वाले छात्र का सपना पूरा हो रहा है। और अब उन्हें तकनीकी शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता है। वहीं उक्त प्रशिक्षण केंद्र दो मंजिला होने पर छात्रों को और लाभ मिलेगा।

नल जल योजना की टूटी पाइप से रोजाना बर्बाद हो रहे हैं हजारों लीटर पानी

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौरः जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी समस्या है। जल संरक्षण को लेकर शासन-प्रशासन गंभीर तो है लेकिन जमीनी स्तर पर यह उतर नहीं पाई है। सरकार इसके संरक्षण के लिए जल-जीवन-हरियाली सहित अन्य कई योजनाएं चला रखी है। जबकि प्रत्येक घरों को नल का जल देने के लिए मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना के तहत हर घर नल का जल योजना संचालित है। घरों में सही तरीके से पानी मिल रहा है या नहीं यह देखने वाला कोई नहीं है। नल जल योजना का पानी बेतरतीब तरीके से सड़कों पर बहाया जा रहा है। अनदेखी की वजह से जल की बर्बादी खुलेआम हो रही है। गिद्धौर प्रखंड के अंतर्गत रतनपुर पंचायत की वार्ड संख्या 02 में मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना के तहत हर घर नल का जल योजना पानी की बर्बादी का सबब बना हुआ है। पीएचडी विभाग के द्वारा बिछाई गई नल जल योजना की पाइप जगह-जगह से लीकेज है जिससे प्रतिदिन हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है उक्त वार्ड में करीब 1 साल पहले ही पाइप बिछाया गया था लेकिन गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं होने कारण पाइप कई जगह से लीकेज होने लगी है। कई जगह पर नल जल योजना का पाइप टूटा हुआ है जिसके कारण प्रतिदिन हजारों लीटर पानी सड़के एवं गलियों में बह रहा है जिससे जगह-जगह पर पानी का जल जमाव हो गया है। स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं पीएचडी विभाग के लापरवाही कारण यहां पानी की बर्बादी हो रही है जबकि मामूली खर्च में टूटे हुए पाइप की मरमती करकर प्रतिदिन हजारो लीटर हो रही पानी की बर्बादी को रोका जा सकता है। पाइप लीकेज होने के कारण पानी का प्रेशर भी कम रहता है जिस कारण मोहल्ले में पानी सही से नहीं पहुंचता है। जबकि नियमित पानी भी नहीं आने से लोगों को परेशानी होती है।

खनन टीम के द्वारा अवैध खनन को रोकने के लिए लगातार छापेमारी जारी

प्रात : किरण संवाददाता

जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा के निदेर्शानुसार खनन टीम द्वारा अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण को रोकने के लिए लगातार छापमारी अभियान चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा द्वारा बताया गया कि सितंबर माह में खनन टीम द्वारा कुल 79 छापामारी, 7 प्राथमिकी एवं 2 गिरफ्तारी की गई और अवैध खनन तथा परिवहन में प्रयुक्त कुल 11 वाहनों को जप्त कर लिया गया। जप्त वाहनों में से पांच गाड़ियां कोयले की हैं, जिन्हें जिला स्तरीय संयुक्त छापेमारी दल के द्वारा जप्त किया गया । इस माह में अब तक कुल 36.15 लाख रुपए का दंड की राशि वसूल की गई है। जिले के सभी बालू भंडारणों की सघन जांच की जा रही है, अभी तक कुल 9 बालू भंडारणों की जांच ड्रोन के माध्यम से करवाई गई है तथा बालू भंडारणों में विसंगति पाए जाने पर कुल 1654690.00 रुपए का दंड अधिरोपित किया गया है। बालू के शेष भंडारणों की सघन जांच तथा अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर त्वरित कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

चोरों का आतंक जारी तीन दुकानों के ताले तोड़ लाखों की चोरी, एक दुकान की ताला तोड़ने में चोर नाकाम

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई०अलीगंजः- चंद्रदीप थाना क्षेत्र के झप्पू मोड़ के समीप इन दिनों चोरों का आतंक फैला हुआ है। चोरों ने जमकर धमा-चौकड़ी मचाई। चंद्रदीप झप्पू मोड़ दरावां सड़क मार्ग पर बीते बुधवार रात्रि में अज्ञात चोरों ने तीन दुकानों को निशाना बनाते हुए एक साईकल पाट्र्स की गूंगटी एक जेन्स पार्लर, और एक जेनरल स्टोर की ताले तोड़कर नगद सहित लाखों की सामान चोरी कर लिया । चौथा दुकान का ताला तोड़ने में चोर नाकाम रहा,दुकानदारों को घटना की सूचना सुबह मिलने पर सभी दुकानदारों में अफरातफरी मच गया। वहीं दुकानदार सुधीर ठाकुर , प्रमोद कुमार, रिशुल रविदास,प्रवीण कुमार ने जानकारी देते हुए बताया की हमलोग रोज की तरह शाम मे अपना अपना दुकान बंदकर घर गए थे। लेकिन बुधवार की रात्रि मे कई दुकान की ताला तोड़ नगद सहित लाखो का सामान चुरा लिया वहीं रिशुल रविदास ने कहा की मै विगत दस वर्षो से गूंगटी मे साईकल पाट्र्स एव मरम्मती दुकान चला कर अपना परिवार का भरण पोषण कर रहा था। अपने परिवार का जीवन यापन का मात्र यही गूंगटी सहारा था,जिसे रात्रि मे चोरो ने गूंगटी मे रखा हावा भरने वाली बडी मशीन एवं सारा सामान के साथ पचीस सौ नगदी भी ले भागा। चार दिन पहले भी एक दुकान मे चोरी हुई थी, चारो दुकान मिलाकर लाखो रुपए की सामान चोरो ने चुराई,सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची, और जानकारी ली। इस घटना के बाद दुकानदारों में रोष व्याप्त है जिसको लेकर दुकानदारो ने थाने मे आवेदन देकर,ठोस कदम उठाने एवं गस्ती करने का निवेदन किया, वहीं इस सम्बन्ध मे थाना अध्यक्ष राजेंद्र सह ने बताया की झप्पू मोड़ स्थित तीन दुकानों मे चोरी की घटना हुई,इसको लेकर झप्पू मोड़ पे चौकीदार की तैयनाती किया जायेगा,और इस मामले मे पुलिस छानबीन में जुट गई।

प्रारंभ हुआ शारदीय नवरात्र कलश स्थापना के साथ प्रखंड क्षेत्र का वातावरण बना भक्तिमय

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] प्रखंड क्षेत्र में सभी दुगार्मंदिर में बड़ी संख्या में कलश स्थापना करने वाले श्रद्धालुओं की भीड लगी रही। रेलवे इंडियन इंस्टीच्यूट, बड़ी दुर्गा मंदिर, बारोवारी दुर्गा मंदिर, सार्वजनिक दुगार्मंदिर सहित प्रखंड क्षेत्र के अन्य दुर्गा मंदिर के अलावे घरों में भी कलश की स्थापना कर पूजा अर्चना करते हुए श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा विधि विधान के साथ करते हुए सुखमय जीवन की कामना किया। तक का पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है और हर जगह मईया दुर्गा की भक्ति भजनों से मंत्रमुंग्ध हो रहे है। या देवी सर्वभूतेषु शक्ति रूपेण संस्थिता, नमस्तस्ए नमस्तस्ए नमस्तस्ए नमों नमः के मंत्रोच्चारण के साथ नगर क्षेत्र के अलावे पूरे प्रखंड क्षेत्र में कलश व घट स्थापना कर शारदीय नवरात्र को श्रद्धालुओं के द्वारा विधि विधान के साथ प्रारंभ किया गया। रेलवे इंडियन इंस्टीच्यूट, बड़ी दुर्गा मंदिर, बारोवारी दुर्गा मंदिर, सार्वजनिक दुगार्मंदिर सहित प्रखंड क्षेत्र के अन्य दुर्गा मंदिर के अलावे घरों में भी कलश की स्थापना कर पूजा अर्चना करते हुए श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा विधि विधान के साथ करते हुए सुखमय जीवन की कामना किया।

विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वाधान में स्वच्छता सेवा 2024 अभियान चलाया गया

मुंगेर। पटना उच्च न्यायालय पटना के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार मुंगेर के तत्वाधान में व्यवहार न्यायालय एवं एडीआर भवन मुंगेर परिसर में स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान चलाया गया इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आलोक गुप्ता जिला एवं सत्र न्यायाधीश व्यवहार न्यायालय मुंगेर के द्वारा की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि स्वच्छता ही सेवा अभियान कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा चलाया गया है जिसे हम लोगों को अपने में उतरने की आवश्यकता है। व्यक्तिगत स्तर पर स्वच्छता को अपना कर ही इस अभियान को सफल बनाया जा सकता है इस अवसर पर अरविंद कुमार शर्मा प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय अवनीश कुमार द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम प्रवाल दत्ता अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय श्रीमती रूम्पा कुमारी अपर मोजूद थे।

खेत में मिला एक युवक का शव, पुलिस जुटी छानबीन में

- मृतक बुधवार की शाम को अपने घर से निकला था बाहर

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] गुरूवार की सुबह एक युवक का शव मिला । जिससे आसपास के क्षेत्रों में लोगों के बीच शव मिलने की सूचना आग की तरह फैल गई । बुधवार की शाम को अपने घर से निकले एक युवक का शव घर से महज एक किलोमीटर दूर स्थित एक खेत में मिला। मृतक के एक कान के पास जख्म का निशान भी पाया गया। शव की शिनाख्त के बाद पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ किया लेकिन ग्रामीणों के द्वारा बताया कि सुबह में कुछ लोगों की नजर शव पर पड़ा तो हो हल्ला हुआ। जिसके बाद आसपास के ग्रामीणों की भीड़ घटना स्थल पर लग गई और लोगों ने शव मिलने की सूचना पुलिस को दिया। सूचना मिलने के बाद एसडीपीओ राजेश कुमार, एसएचओ संजय सिंह, पुअनि नंदन राय दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जें में लेकर शव की शिनाख्त कि तो मृतक की पहचान गोंगाकुरा मांझी टोला के वार्ड संख्या एक के रहने दौरिक मांझी का 35 वर्षीय पुत्र संजय मांझी के रूप में हुई। घटना स्थल पर एफएसएल टीम भी पहुंची और घटना स्थल पर साक्ष्य जुटाया। एसडीपीओ ने बताया कि खेत में शव मिलने की सूचना पर पुलिस पहुंची तो पहले अज्ञात लगा लेकिन आसपास के लोगों से पूछताछ में शव की शिनाख्त हुआ। एसडीपीओ ने बताया कि प्रथम दृष्टी से ऐसा प्रतित होता है कि तेजधार हथियार से सिर पर प्रहार कर हत्या किया गया। फिलहाल पुलिस हत्या का क्या कारण सहित अन्य बिंदुओं पर पुलिस अनुसंधान करने में जुटी हुई है ताकि हत्या का कारण और घटना को अंजाम देने वाले आरोपी की पहचान कर पूरी सच्चाई सामने आए। घटना सुनकर मृतक की बहन मौके स्थल पर पहुंची जिससे पुलिस ने उनसे हर बिंदुओं पर पूछताछ किया। मृतक की बहन ने बताया कि संजय बुधवार की शाम लगभग सात बजे घर से निकला था जिसके बाद घरवालों को लगा कि संजय कहीं गया हो गया लेकिन रात्रि में संजय के घर नही आने पर घरवालों ने खोजबीन भी किया। वही गुरूवार की सुबह हमलोगों को संजय का शव मिलने की जानकारी मिली।

वृद्ध जन सम्मान समारोह का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर नगर पंचायत संग्रामपुर के कार्यालय में वृद्धजन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कार्यपालक पदाधिकारी मनीला राज ने किया। कार्यक्रम के मौके पर उपस्थित नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न जगहों से आए वृद्ध जन को नगर पंचायत संग्रामपुर के कार्यपालक पदाधिकारी सहित नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के द्वारा अंग वस्त्र देकर उन्हें सम्मानित किया गया। वृद्ध जनों को सम्मानित करते हुए कार्यपालक पदाधिकारी मनीला राज ने कहा कि वर्तमान दौर में हमारे परिवार व समाज के बाद संस्कृति तेजी से हावी होती जा रही है । लिहाजा हमारे बुजुर्ग उत्पीड़न,उपेक्षा व हिंसा के शिकार हो रहें हैं । बुजुर्गों के हित में काम करना सरकार के साथ साथ समाज की भी नैतिक जिम्मेवारी है। उन्होंने कहा कि वृद्ध जनों को सम्मानित कर अपने वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक सहायक और समावेशी समाज बनाने का संकल्प लेने की जरूरत है। जिससे वह सम्मान और प्यार के साथ-साथ गरिमामई जीवन व्यतीत कर सके। नगर पंचायत संग्रामपुर प्रशासन लगातार वृद्ध जनों के लिए सरकार के तरफ से दिए जाने वाले सुविधाओं को धरातल पर लाने का काम करेगी और समाज के सभी वृद्ध जनों को सरकारी सेवाओं का लाभ मिले इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा वही इस मौके पर समाजसेवी नंदकिशोर यादव, वार्ड पार्षद मुकेश कुमार राजेश केसरी सहित क्षेत्र से आए वृद्ध जन नगर पंचायत कर्मी उपस्थित थे।

युवक के खाते से साइबर अपराधियों ने 3 लाख 43 हजार का किया लेनदेन

प्रात : किरण संवाददाता

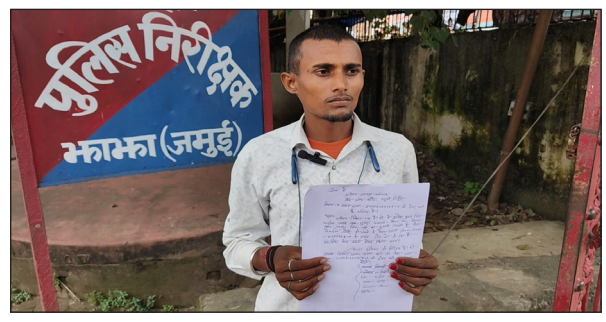

जमुई [झाझा] थानाक्षेत्र के बैजला पंचायत के जुगड़ा गांव के रहने वाले कमलेश कुमार ने थाना में आवेदन दिया। एक युवक का मोबाइल चोरी होने के बाद उसके मोबाइल नंबर का उपयोग करते हुए साइबर अपराधी ने उसके खाते से रूपए का लेन देन किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक ने बताया कि मै बर्द्धमान में वाहन चलाने का काम करता हूं और बीते 5 अगस्त को मिथिला एक्सप्रेस से झाझा आ रहा था कि तभी झाझा रेलवे स्टेशन के गाड़ी घुसतें ही दो-तीन युवक मेरा मोबाइल छिनकर भाग निकला जिसकी शिकायत जीआरपी थाना में किया गया। युवक ने बताया कि मैने सीम को बंद करवा दिया था लेकिन मेरे खाते से साईबर अपराधियों ने लेन देन का कार्य जारी रखा था। थानाध्यक्ष संजय सिंह ने युवक का आवेदन लेते हुए साइबर थाना में इसकी जानकारी युवक को देने के लिए कहा। उसके बाद 6 अगस्त को पहली बार मेरे खाते में 1 रूपए का लेन देन हुआ जिसका मैसेज मेरे ईमेल पर आया और उसके बाद अलग अलग तिथियों में मेरे मोबाइल का उपयोग करते हुए साइबर अपराधियों ने मोटी रकम का लेनदेन जारी रखा जिसका मैसेज लगातार ईमेल पर आ रहा था उसके बाद ईमेल के माध्यम से चार सितंबर तक मेरे खाते पर कुल 343803 रूपए का लेन देन हुआ है। युवक ने बताया कि मेरा खाता एसबीआई झाझा शाखा का है जिसका आधार कार्ड और मेरे ईमेल, मोबाइल नंबर से जुड़ा हुआ ह। फिलहाल झाझा पुलिस मामले की छानबीन प्रक्रिया में जुट चुकी है।

शारदीय नवरात्र को ले 501 कन्याओं द्वारा निकाली गई भव्य कलश शोभायात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई०अलीगंजः- प्रखंड के विभिन्न गाँवों में दुर्गा मां की हर वर्ष प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना बड़े हर्षोल्लास के साथ की जाती है नवरात्रा का पर्व भक्ति, उमंग और श्रद्धा का प्रमुख प्रतीक है। यह नौ दिनों का त्योहार देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा और आराधना के रूप में मनाया जाता है। नवरात्रा को लेकर गुरुवार को पूरे प्रखंड क्षेत्र में शारदीय नवरात्र को लेकर श्रद्धालुओं ने कलश स्थापना कर मां दुर्गा की पूजा अर्चना की। इस दौरान अलीगंज अंदर बाजार स्थित बड़ी दुर्गा मंदिर एवं सोनखार गांव स्थित दुर्गा महारानी मंदिर के पूजा समिति के द्वारा भव्य कलश शोभा यात्रा 501 कन्याओं द्वारा निकाली गई। इससे पहले पुजारियों के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मंदिर परिसर से भ्रमण करते हुए अलीगंज बाजार होते हुए मानपुर कैलाश धाम पहुंचकर 501 महिलाएं एवं कुमारी कन्याओं ने जल भरा, इस दौरान गाजे-बाजे के साथ निकले कलश यात्रा में महिलाएं व युवतियों ने पूरे आस्था के साथ सिर पर कलश लिए निकली। भक्तों के जयकारों के साथ नवरात्र के प्रसिद्ध भजनों से पूरा अलीगंज बाजार गुंजायमान होता रहा। और युवतियों द्वारा डांडिया खेलती नजर आई वहीं कलश शोभा यात्रा में शामिल युवाओं की भीड़ जय दुर्गे, जय भवानी उद्घोष करते चल रहे थे। वहीं युवाओं ने भगवान के रूप धारण कर झूमते नजर आये,मां आदि शक्ति के प्रति मन मे श्रद्धाभाव लेकर निकले कलश यात्रा में भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। पारंपरिक रूप से नवरात्र को लेकर निकले कलश यात्रा का दृश्य अलौकिक छटा बिखेरता दिखा। कलश यात्रा जिस-जिस रास्ते से गुजरी उन रास्तों पर भक्तों के जयकारे से माहौल भक्तिमय रहा। घर मे रह रही महिलाएं व बच्चे कलश यात्रा को देखने बाहर खड़े नजर आए। सिर पर कलश मुख में मां भगवती का जयकारा, महिलाएं व युवतियों ने मौके पर पूरे अलीगंज बाजार का भ्रमण कर अंदर बाजार पुरानी दुर्गा मंदिर व सोनखार दुर्गा मंदिर पहुंची। नवरात्र के पहले दिन श्रद्धालुओं ने दुर्गा मां के प्रथम स्वरूप शैलदेवी की पूजा अर्चना की। इसके साथ हीं पूजा पंडालों, मंदिरों व घरों में दुर्गा सप्तशती के मंत्र गूंजने लगे हैं। जिससे संपूर्ण क्षेत्र में वातावरण भक्तिमय हो चला है। इस दौरान प्रखंड के इस्लामनगर,अवगिला चौरासा,नोनी,मैनाचातार,ताजपुर, कैयार सहित अन्य कई गांवों में भी पूजा समिति के द्वारा कलश यात्रा निकालकर मां दुर्गा की पूजा आराधना प्रारंभ की गई। वहीं पूजा समिति अध्यक्ष मनोज मेहता, रुद्रनारायण सिंह ने कहा की अलीगंज मे बड़े हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ कई वर्षो से माँ दुर्गा की भव्य मूर्तियाँ स्थापित की जाती हैं।और भव्य मेले का आयोजन होता है,भक्त नौ दिनों तक व्रत रखते हैं, मां दुर्गा के विभिन्न रूपों का पूजन करते हैं, और देवी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं। इसके साथ ही भजन, कीर्तन और दुर्गाऔर पूरे समाज में उत्सव का माहौल रहता है। सप्तशती का पाठ भी होता है। नवरात्रि के अंतिम दिन को ह्यविजयादशमीह्न या ह्यदशहराह्न के रूप में मनाया जाता है, जो अच्छाई की बुराई पर जीत का प्रतीक है। इस अवसर पर रावण दहन किया जाता है, जो राम की रावण पर विजय का प्रतीक होता है।नवरात्रि का यह पर्व न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि समाज में उत्साह, एकता और सामूहिकता का भी प्रतीक है।

मां पतसंडा वाली दुर्गा को दंडवत देने से भक्तों का होता है कल्याण

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। गिद्धौर के ऐतिहासिक मां दुर्गा मंदिर परिसर में मां के अराधना को लेकर बिहार व झारखंड के श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया है। नवरात्र के अवसर पर कलश स्थापना से महानवमी तक पौराणिक काल से चली आ रही है। दंडवत देने की प्रथा व मां भगवती के प्रति असीम आस्था के साथ प्रथम पूजा को दंडवत देने आए श्रद्धालुओं ने मां दुर्गे की भक्ति में लीन हो उन्हें नमन कर कंचन काया व अपने स्वजनों के लिए कुशल व मंगल जीवन की कामना की। सदियों से चली आ रही इस दंडवत देने की प्रथा को लेकर इस इलाके में एक ही कहावत प्रचलित है गिद्धौर के पावन उलाय नदी तट पर स्नान ध्यान कर मां को दंड प्रणाम करने से मां परसंडा अपने भक्तों के सारे कष्टो को हर लेती है। और सच्ची मन से भक्तों द्वारा मांगी हर मुराद को मां पुरी करती है। दशहरे में दंडवत देने के लिये दूरदराज से आ रहे श्रद्धालुओं में बच्चे, जवान व बुढे सभी एकाग्रचित होकर मां परसंडा की भक्ति में लीन हो जाते है। ऐसा माना जाता है कि जैन धर्म में वर्णित उज्वलिया नदी वर्तमान में उलाय नदी व नाग्नी नदी के संगम जल में स्नान कर जो दंपति मां को दंड प्रणाम करते है उन्हें गुणवान पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है। इस तरह से पौराणिक काल से ही कई धार्मिक ग्रंथों में भी गिद्धौर के मां दुर्गा मंदिर की ऐतिहासिकता का भी वर्णन है। दंडवत देने आनेवाले श्रद्धालुओं द्वारा दंडवत देने के उपरांत फुल, बेलपत्र सहित कई तरह के नवैद्यो को अर्पण कर मां परसंडा की पुजा अर्चना करते है। दंडवत देने की यह प्रथा प्रथम पूजा से लेकर महानवमी तक अनवरत चलती रहती है।

महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्मदिवस मनाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। 02 अक्टूबर को किला क्षेत्र स्थित शहीद स्मारक भवन मुंगेर में राष्ट्र के दो महान विभूति राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का 155वां एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वतंत्रता सेनानी लाल बहादुर शास्त्री जी का 120 वां जयंती के अवसर पर प्रमंडलीय विकास संघर्ष मोर्चा मुंगेर की तरफ से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमंडलीय विकास संघर्ष मोर्चा के संयोजक प्रोफेसर विनय कुमार सुमन एवं संचालन मोर्चा के सहसंयोजक मोहम्मद शकील अहमद ने किया। इस अवसर पर गांधी जी एवं शास्त्री जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए मोर्चा के संरक्षक नरेश सिंह यादव ने कहा यूं तो देश की आजादी में हजारों लोगों ने अपना प्राण निछावर किया तथा बहुतों ने अंग्रेजों के अत्याचार के विरुद्ध की देश की आजादी में अपनी अहम भूमिका निभाई। पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी स्वतंत्रता संग्राम के महानायक थे। इस अवसर पर पूर्व वार्ड पार्षद प्रकाश नारायण सिंह ने कहा कि हमें गर्व है कि हमारे माता-पिता दोनों स्वतंत्रता सेनानी थे अतः आजादी की लड़ाई को हमने नजदीक से देखा। लाल बहादुर शास्त्री अत्यंत निर्धन थे इसके बावजूद भी उन्होंने गांधी जी के आह्वाहन पर देश की आजादी की लड़ाई में अपनी पढ़ाई को अधूरी छोड़कर कूद परे। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता राम बहादुर यादव ने कहा गांधी जी जब पश्चिमी चंपारण की यात्रा पर आए हुए थे तो उनसे मिलने जो लोग आ रहे थे उनके पास मात्र एक धोती था परिणाम स्वरूप एक मिलकर जाता तो इस धोती को दूसरा पहनकर गांधी जी से मिलने आता इस बात की भनक जब गांधी जी को हुई तो उन्होंने उसी वक्त यह संकल्प लिया कि जब तक भारत के प्रत्येक नागरिक के तन को ढकने के लिए वस्त्र नहीं मिल जाता तब तक मैं एक धोती से ही अपना काम चलाऊंगा। इस अवसर पर बोलते हुए शिक्षक संघ के जिला सचिव वकील राम एवं शंकर दास ने कहा गांधी जी स्वदेशी वस्तुओं का वकालत करते थे तथा विदेशी निर्मित सामानों का बहिष्कार करते थे। इस अवसर पर राजद विधि प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अधिवक्ता अनिल भूषण ने कहा कि साबरमती आश्रम में गांधी जी खुद अपने हाथों से सुत काटकर उससे बने कपड़े को धारण करते थे ताकि भारत के आम आवाम में देसी कपड़े के प्रति प्रेम बढ़े और लोग स्वावलंबी बने। उन्होंने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री ने जय जवान जय किसान का नारा दिया था पर आज देश का नेतृत्व गलत हाथों में चले जाने के कारण जवान एवं किसान दोनों परेशान हैं। अंत में श्रद्धांजलि सभा का अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर विनय कुमार सुमन ने कहा महात्मा गांधी के बगैर हम स्वतंत्र भारत की कल्पना भी नहीं कर सकते थे। लाल बहादुर शास्त्री ने आजाद भारत में देश की सुरक्षा एवं खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भरता के लिए जय जवान जय किसान का नारा दिए थे। इस अवसर पर अशोक रजक, विजय कुमार गुप्ता, मोहम्मद कौसर फैयाज, अशोक चौधरी, नवल किशोर यादव, मंटू कुमार यादव, प्रकाश चंद्र, प्रशांत कुमार चौधरी, नवल यादव, छोटू कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इसलिए जरूरी है एक देश, एक चुनाव का विचार

तो आप कह सकते हैं कि एक देश, एक चुनाव से कई मसलों का हल हो जाएगा। चुनावों की अवधि कम हो जाने से, शासन और विकास कार्यक्रमों पर ध्यान बेहतर ढंग से केंद्रित किया जा सकेगा। यह जानना जरूरी है कि भारत में साल 1967 तक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए चुनाव एक साथ ही होते थे। साल 1947 में आजादी के बाद भारत में नए संविधान के तहत देश में पहला आम चुनाव साल 1952 में हुआ था। उस समय राज्य विधानसभाओं के लिए भी चुनाव साथ ही कराए गए थे, क्योंकि आजादी के बाद विधानसभा के लिए भी पहली बार ही चुनाव हो रहे थे।

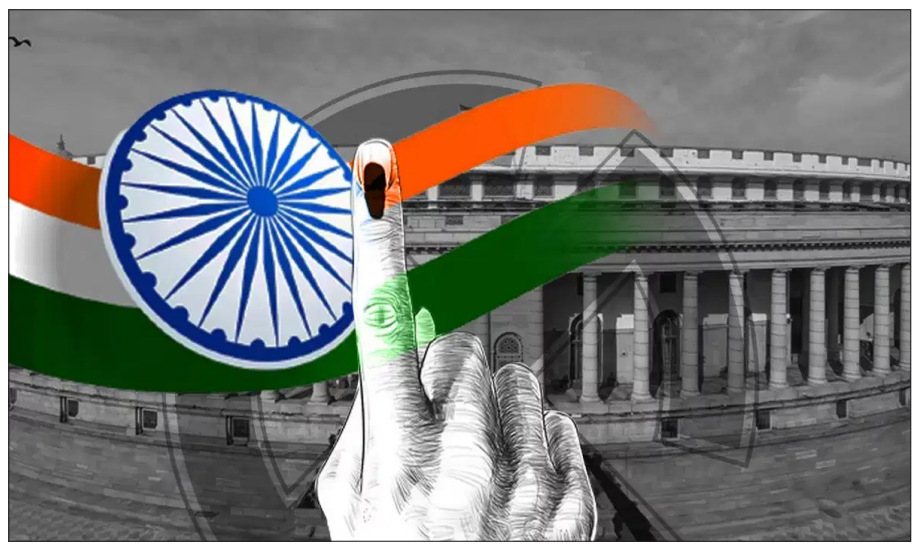

आर.के. सिन्हा

लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं

एक देश, एक चुनाव का सपना अब तो साकार होता नजर आ रहा है। केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने देश में सभी चुनाव एक साथ करवाने के लिए बनी पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद कमिटी की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया। मतलब यह कि अब देश में ह्यएक देश, एक चुनावह्ल की राह का सारा व्यवधान सारा सस्पेंस दूर हो गया है। पिछले दिनों गृह मंत्री अमित शाह ने भी अपने एक वक्तव्य में साफ किया था कि मोदी सरकार के इसी कार्यकाल में देश का यह सबसे बड़ा चुनाव सुधार लागू हो जाएगा। जैसे कि आपको ज्ञात ही होगा कि केंद्र सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में ह्यएक देश, एक चुनावह्ल पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के अध्यक्षता में एक समिति बनाई थी। रामनाथ कोविंद कमिटी को जिम्मेदारी दी गई थी कि वह देश मे एक साथ चुनाव करवाने की संभावनाओं पर रिपोर्ट दे। अब कमिटी की सिफारिशों पर देश की सभी राजनीतिक मंचों पर इस पर चर्चा की जाएगी। सभी नौजवानों, कारोबारियों, पत्रकारों समेत सभी संगठनों से इस पर बात होगी। इसके बाद इसे लागू करने के लिए ग्रुप बनाया जाएगा। फिर कानूनी प्रक्रिया पूरी कर इसे लागू किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल 15 अगस्त को स्वाधीनता दिवस समारोह के दौरान लाल किले से अपने भाषण में भी एक देश एक चुनाव की वकालत की थी। उनका कहना था कि देश में बार-बार चुनाव से विकास कार्य में बाधा आती है। किसी भी चुनाव की घोषणा होते ही अंतिम रिजल्ट नहीं आने तक कोई नया विकास कार्य शुरू ही नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा था कि ह्यएक देश, एक चुनावह्ल के लिए देश को आगे आना होगा। उन्होंने देश के सभी राजनीतिक दलों से भी आग्रह किया था कि देश की प्रगति के लिए इस दिशा में आगे बढ़े। यहां तक कि इसी साल हुए लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने इसे अपने चुनावी घोषणा पत्र में भी प्रमुखता से शामिल किया था। बेशक, एक साथ चुनाव कराने से चुनाव प्रक्रिया की चुनाव पर होने वाले खर्च में कमी आएगी, क्योंकि कई चुनावों के लिए बार-बार तैयारी और कार्यान्वयन करने की आवश्यकता नहीं होगी। क्या आपको पता है कि कुछ माह पहले देश में हुए लोकसभा चुनाव में कितना खर्चा हुआ? 2024 के लोकसभा चुनाव पर 2019 के लोकसभा चुनाव के मुकाबले करीब दोगुना से भी ज्यादा खर्चा आया। चुनावी खर्च पर रिपोर्ट जारी करने वाली गैर लाभकारी संस्था सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज ने अनुमान लगाया है कि इस बार लोकसभा चुनाव में करीब 1.35 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में कुल खर्च 55 से 60 हजार करोड़ रुपये खर्च हुए थे। इस तरह देखा जाए तो इस बार दोगुने से भी ज्यादा पैसा चुनाव में खर्च किया गया है। अमेरिका ने भी साल 2020 में हुए राष्ट्रसपति चुनाव में करीब 1.20 लाख करोड़ रुपये ही खर्च किए थे। क्या आपको पता है कि 1951-52 में भारत के पहले चुनाव के दौरान महज 10.5 करोड़ रुपये था? चुनाव खर्च का एक बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया प्रचार पर खर्च किया जाता है। भारतीय राजनेता मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए असाधारण और नए-नए तरीके अपना रहे हैं। यह सबको पता है कि देश में बार-बार चुनाव होने से जनता और सरकारी अधिकारियों का समय और संसाधन बर्बाद होता है। एक साथ चुनाव कराने से यह सब नहीं होगा। एक साथ चुनाव होने से राजनीतिक स्थिरता में सुधार आएगा। क्योंकि, सरकार को बार-बार चुनावों की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। इसके साथ ही एक साथ चुनाव होने से प्रशासन पर भी काम का दबाव कम होगा और वे अपने काम पर अधिक ध्यान केंद्रित कर पाएंगे। तो आप कह सकते हैं कि एक देश, एक चुनावह्ल से कई मसलों का हल हो जाएगा। चुनावों की अवधि कम हो जाने से, शासन और विकास कार्यक्रमों पर ध्यान बेहतर ढंग से केंद्रित किया जा सकेगा। यह जानना जरूरी है कि भारत में साल 1967 तक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए चुनाव एक साथ ही होते थे। साल 1947 में आजादी के बाद भारत में नए संविधान के तहत देश में पहला आम चुनाव साल 1952 में हुआ था। उस समय राज्य विधानसभाओं के लिए भी चुनाव साथ ही कराए गए थे, क्योंकि आजादी के बाद विधानसभा के लिए भी पहली बार ही चुनाव हो रहे थे। उसके बाद साल 1957, 1962 और 1967 में भी लोकसभा और विधानसभा के चुनाव साथ ही हुए थे। यह सिलसिला पहली बार उस वक़्त टूटा था जब केरल में साल 1957 के चुनाव में ईएमएस नंबूदरीबाद की वामपंथी सरकार बनी। साल 1967 के बाद कुछ राज्यों की विधानसभा जल्दी भंग हो गई और वहां प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी ने मनमाने ढ़ंग से राष्ट्रपति शासन लगा दिया। इसके अलावा साल 1972 में होनेवाले लोकसभा चुनाव भी समय से पहले कराए गए थे। साल 1967 के चुनावों में कांग्रेस को कई राज्यों में विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा था। बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, पश्चिम बंगाल और ओडिशा जैसे कई राज्यों में विरोधी दलों या गठबंधन की सरकार बनी थी। इनमें से कई सरकारें अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाईं और विधानसभा समय से पहले भंग कर दी गई। वैसे यह बात भी है कि अगर लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ कराए जाएं तो इसके लिए मौजूदा संख्या से तीन गुना ज्यादा ईवीएम की जरूरत पड़ेगी। लेकिन, वह तो एक बार ही होने वाला खर्च होगा। क्या बाकी देशों में भी ह्यएक देश, एक चुनावह्ल वाली व्यवस्था लागू है? अमेरिका, फ्रांस, स्वीडन, कनाडा आदि में ह्यएक देश, एक चुनावह्ल वाली स्थिति हैं। अमेरिका में हर चार साल में एक निश्चित तारीख को ही राष्ट्रपति, कांग्रेस और सीनेट के चुनाव कराए जाते हैं। भारत की ही तरह फ्रांस में संसद का निचला सदन यानी नेशनल असेंबली है। वहां नेशनल असेंबली के साथ ही संघीय सरकार के प्रमुख राष्ट्रपति के साथ ही राज्यों के प्रमुख और प्रतिनिधियों का चुनाव हर पांच साल में एक साथ कराया जाता है। स्वीडन की संसद और स्थानीय सरकार के चुनाव हर चार साल में एक साथ होते हैं। यहां तक कि नगरपालिका के चुनाव भी इन्हीं चुनावों के साथ होते हैं। वैसे तो कनाडा में हाउस ऑफ कॉमंस के चुनाव हर चार साल में कराए जाते हैं, जिसके साथ कुछ ही प्रांत स्थानीय चुनाव को संघीय चुनाव के साथ कराते हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि भारत जैस देश के लिए ह्यएक देश, एक चुनावह्ल का विचार बहुत ही उपयुक्त और आदर्श है। पर दिक्कत यह है कि हमारे विपक्षी दल इतने शानदार विचार की बिना सोचे समझे राजनीतिक स्वार्थ साधने के चक्कर में निंदा करने लगे हैं। उम्मीद कीजिए कि वे भी अंत में सरकार का ही साथ देंगे।

रेल मंत्रालय ने 10,000 इंजनों पर कवच 4.0 लगाने को मंजूरी दी

भारतीय रेलवे द्वारा 16 जून, 2024 को कवच 4.0 संस्करण को मंजूरी दी गयी थी और कोटा और सवाई माधोपुर के बीच 108 किमी सेक्शन को दो महीने के भीतर यानी 26 सितंबर 2024 तक स्थापित और चालू कर दिया है। कवच 4.0 को अंतिम रूप दिए जाने के साथ ही भारतीय रेलवे की विशाल विविधता (रेगिस्तान से पहाड़ों तक; जंगलों से तटों तक; शहरों से गांवों तक) को डिजाइन में शामिल किया गया है। रेल मंत्री ने 24 सितंबर, 2024 को इसी खंड में कवच 4.0 के 7 भी किए। कम समय में हासिल की गई इस बड़ी उपलब्धि के साथ, रेलवे अब पूरे देश में मिशन मोड में कवच लगाना शुरू कर देगा। ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम (एटीपी) एक सुरक्षा प्रणाली है जिसका उपयोग रेल परिवहन में ट्रेनों को सुरक्षित गति से अधिक या खतरे में सिग्नल पास करने से रोकने के लिए किया जाता है। यह स्वचालित रूप से ट्रेन की गति को नियंत्रित करता है और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यदि आवश्यक हो तो ब्रेक लगा सकता है। एटीपी प्रणाली आधुनिक रेलवे सिग्नलिंग सिस्टम का एक महत्वपूर्ण घटक है, जो मानवीय त्रुटि के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करता है और ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करता है। दुनिया भर में ट्रेनों के संरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने हेतु इस प्रकार की सुरक्षा प्रणाली का विकास विभिन्न देशों में चरणबद्ध तरीके से की गयी है । उदाहरणस्वरूप यूएसए में पॉजिटिव ट्रेन कंट्रोल (पीटीसी) और अन्य कैब सिग्नलिंग सिस्टम 1980 में शुरू हुआ तथा 1990 के दशक में कई रेलमार्गों पर लगाया गया । वर्ष 2010 में, फेडरल रेल रोड प्रशासन द्वारा पीटीसी की तैनाती के लिए अंतिम नियम जारी किए गए। इसी तरह यूरोप ने अपने रेलवे में कई तरह की एटीपी प्रणालियों का इस्तेमाल किया गया। ये सभी प्रभावी थीं। लगभग सभी रेलवे प्रणालियों में 1980 और 1990 के दशक में एटीपी प्रणालियाँ स्थापित की गई थीं। हालाँकि, जब ट्रेनें एक देश से दूसरे देश की सीमा पार करती थीं, तो ड्राइवरों को एक एटीपी को बंद करके दूसरी एटीपी प्रणाली को चालू करना पड़ता था। इसलिए सभी देशों ने एटीपी प्रणालियों में सामंजस्य स्थापित करने का फैसला किया। तदनुसार, 21वीं सदी में यूरोपीय ट्रेन नियंत्रण प्रणाली विकसित की गई। ऑस्ट्रेलिया में 1990 के दशक में एटीपी प्रणाली लागू की गई तो जापान में 1964 में शिंकानसेन एटीपी लागू किया गया। इसी तरह रूस में (एकीकृत ट्रेन नियंत्रण प्रणाली) 1988 में शुरू किया गया। भारत में सहायक चेतावनी प्रणाली (अहर) 1986 से मुंबई उपनगरीय क्षेत्र में चालू की गई जो एक अल्पविकसित प्रणाली थी । यह एटीपी प्रणाली नहीं थी । इसके उपरांत जुलाई 2006 में पश्चिम बंगाल में अउऊ(टकराव रोधी उपकरण) प्रणाली चालू किया गया। यह ढर पर आधारित प्रणाली थी जिसमें गति नियंत्रण नहीं है। चालक के केबिन में सिग्नल प्रदर्शित नहीं होता। एसीडी के लिए कोई सुरक्षा प्रमाणन नहीं था। अंत में एसीडी विफल हो गई और 2012 में इसे छोड़ दिया गया। इसके उपरांत दिल्ली-आगरा रूट पर ट्रेन सुरक्षा और चेतावनी प्रणाली (ळढहर) 2010 में शुरू हुआ तथा 2016 में पूरा हुआ जबकि चेन्नई उपनगरीय पर (2012 में शुरू, 2016 में पूरा हुआ) और कोलकाता मेट्रो पर उपलब्ध है। परंतु रेडियो आधारित प्रणाली नहीं होने के कारण परिचालन प्रभावित होता है, लाइन क्षमता कम हो जाती है और केबल बिछाने की बहुत आवश्यकता होती है और प्रति किमी लागत भी काफी अधिक होती है। फरवरी 2012 काकोडकर समिति द्वारा सिफारिश की गई कि भारतीय रेलवे को अत्याधुनिक डिजिटल रेडियो आधारित सिग्नलिंग और सुरक्षा प्रणाली का लक्ष्य रखना चाहिए, जो कम से कम ईटीसीएस एल-2 की कार्यक्षमताओं के बराबर हो और पूरे भारतीय रेलवे में लागू हो। इस प्रकार एक वैकल्पिक, रेडियो आधारित, ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली (टीसीएएस अब कवच) के विकास की परिकल्पना एक स्वदेशी, बहु-विक्रेता, अंतर-संचालन योग्य, विफलता-सुरक्षित प्रणाली के रूप में की गई थी। इसके उपरांत 2014-15 में साउथ सेंट्रल रेलवे पर 250 किमी रेलखंड पर पायलट परियोजना की योजना बनाई गई तथा 2015-16 में यात्री ट्रेनों पर क्षेत्र परीक्षण किया गया और 2017-18 में कवच संस्करण 3.2 को अंतिम रूप दिया गया। वर्ष 2018-19 आईएसए के आधार पर आरडीएसओ द्वारा तीन फर्मों को मंजूरी दी गई तथा जुलाई 2020 में कवच को राष्ट्रीय एटीपी प्रणाली घोषित किया गया। मार्च 2022 तक 1200 रूट किलोमीटर रेलखंड पर कवच की स्थापना के साथ ही भारतीय रेल पर कुल 1,465 रूट किमी पर कवच स्थापित किया गया है। अलग-अलग अनुभवों के आधार पर, मार्च, 2022 में बेहतर विश्वसनीयता और कार्यक्षमता के लिए कवच संस्करण 4.0 लागू किये जाने का निर्णय लिया गया। इसके उपरांत इतनी कम अवधि में, मिश्रित यातायात, गति अंतर, लोको की विविधता, भारतीय रेलवे पर कोचिंग और वैगन स्टॉक की विभिन्न चुनौतियों पर विचार करते हुए दिनांक 16.07.24 को कवच संस्करण 4.0 को मंजूरी दी गई ।

नवरात्र के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा होती है

भगवान चंद्रमौलि शिवजी तुम्हे पति के रूप में प्राप्त अवश्य होंगे। अब तुम तपस्या से विरत होकर घर लौट जाओ, शीघ्र ही तुम्हारे पिता तुम्हें बुलाने आ रहे हैं। इसके बाद माता घर लौट आई और कुछ दिनों बाद उनका विवाह महादेव शिव के साथ हो गया। मां ब्रह्मचारिणी का रूप काफी शांत और मोहक है। माना जाता है कि जो भक्त मां के इस रूप की पूजा करता है, उसकी हर मनोकामना पूरी होती है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा,

लेखक

शारदीय नवरात्र नौ दिन का त्योहार है और प्रत्येक दिन मां दुर्गा के अलग- अलग रूप की स्तुति की जाती है। मां का प्रत्येक रूप अद्भुत और अद्वितीय शक्ति है। नवरात्र के पहले तीन दिन देवी दुर्गा के शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी और चन्द्रघंटा की पूजा होती है। फिर अगले तीन दिन माता की कोमल रूप का पूजा यानि मां कूष्मांडा, मां स्कंदमाता और मां कात्यायनी की पूजा होती है। उसके बाद अंतिम तीन दिन मां कालरात्रि, मां महागौरी और मां सिद्धिदात्री की दिव्य रूप की पूजा होती है। शारदीय नवरात्र का दूसरा दिन मां ब्रह्मचारिणी को समर्पित है। मां ब्रह्मचारिणी का रूप तपस्विनी का है। ब्रह्मचारिणी का अर्थ होता है, तप का आचरण करने वाली। इनका स्वरूप अत्यंत तेजमय और भव्य है। मां ब्रह्मचारिणी अपने दाहिने हाथ में जप की माला और बाएं हाथ में कमंडल धारण करती हैं और श्वेत वस्त्र पहनती है। इनकी पूजा के दिन साधक का मन स्वाधिष्ठान चक्र में स्थित होता है। मां ब्रह्मचारिणी ने अपने पूर्व जन्म में राजा हिमालय के घर में पुत्री के रूप में जन्म ली थी और देवर्षि नारद के उपदेश से इन्होंने भगवान शंकर को अपने पति रूप में प्राप्त करने के लिए अत्यंत कठिन तपस्या की थी। एक हजार वर्ष उन्होंने केवल फल-मूल खाकर जीवन व्यतीत की थी और सौ वर्षों तक केवल शाक पर निर्वाह की थी। कुछ दिनों तक कठिन उपवास रहते हुए खुले आकाश के नीचे वर्षा और धूप के भयानक कष्ट भी सही थी। वर्षों की इस कठिन तपस्या के कारण मां ब्रह्मचारिणी का शरीर एकदम क्षीण हो गया था, उनकी यह दशा देखकर उनकी माता मैना अत्यंत दुखी हुई और उन्होंने उन्हें इस कठिन तपस्या से विरक्त करने के लिए आवाज दी उ...मां तब से मां ब्रह्मचारिणी का एक नाम उमा भी हो गया। उनकी इस तपस्या से तीनों लोकों में हाहाकार मच गया था। देवता, ऋषि, सिद्धगण, मुनि सभी मां ब्रह्मचारिणी की इस तपस्या को अभूतपूर्व पुण्यकृत्य बताते हुए उनकी सराहना करने लगे थे। ब्रह्मा जी ने आकाशवाणी के द्वारा उन्हें संबोधित करते हुए प्रसन्न स्वर में कहा था ह्ल देवी! आज तक किसी ने ऐसी कठोर तपस्या नहीं की जैसी तुमने की है। तुम्हारे इस कृत्य की चारों ओर सराहना हो रही हैं। तुम्हारी मनोकामना सर्वतोभावेन परिपूर्ण होगी। भगवान चंद्रमौलि शिवजी तुम्हे पति के रूप में प्राप्त अवश्य होंगे। अब तुम तपस्या से विरत होकर घर लौट जाओ, शीघ्र ही तुम्हारे पिता तुम्हें बुलाने आ रहे हैं ह्ल इसके बाद माता घर लौट आई और कुछ दिनों बाद उनका विवाह महादेव शिव के साथ हो गया। मां ब्रह्मचारिणी का रूप काफी शांत और मोहक है। माना जाता है कि जो भक्त मां के इस रूप की पूजा करता है, उसकी हर मनोकामना पूरी होती है। मां का यह स्वरूप ब्रह्मचर्य का पालन करने के लिए प्रेरित करता है। मां ब्रह्मचारिणी को शक्कर या शक्कर से बनी चीजों का भोग चढ़ाया जाता है। शक्कर से कई तरह के व्यंजन बनाए जाते हैं। मां ब्रह्मचारिणी को शक्कर से बनी खीर का भोग लगा जाता हैं। भोग में साबूदाना का खीर का भी भोग लगाया जाता हैं। मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करने के लिए सुबह उठकर स्नान कर साफ कपड़े पहनने के बाद मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करते समय सबसे पहले हाथों में एक फूल लेकर उनका ध्यान कर और प्रार्थना कर, पंचामृत स्नान कराया जाता है। फिर अलग-अलग तरह के फूल,अक्षत, कुमकुम, सिन्दुर, अर्पित कर मां को सफेद और सुगंधित फूल चढ़ाया जाता है। इसके मां ब्रह्मचारिणी के इस मंत्र के साथ पूजा करना चाहिए :-

या देवी सर्वभेतेषु मां ब्रह्मचारिणी रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
दधाना कर मद्माभ्याम अक्षमाला कमण्डलू।
देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।।

नवरात्र में भोजन के रूप में केवल गंगा जल और दूध का सेवन करना अति उत्तम माना जाता है, कागजी नींबू का भी प्रयोग किया जा सकता है। फलाहार पर रहना भी उत्तम माना जाता है। यदि फलाहार पर रहने में कठिनाई हो तो एक शाम अरवा भोजन में अरवा चावल, सेंधा नमक, चने की दाल, और घी से बनी सब्जी का उपयोग किया जाता है।

अब ईरान दोहरे निशाने पर

अंततः ईरान ने पलटवार किया और इजरायल पर बैलेस्टिक मिसाइलों की बौछार कर दी। करीब 180 मिसाइलों का आक्रमण इजरायल पर किया गया, लेकिन उसकी वायु रक्षा प्रणाली आयरन डोम ने अधिकांश मिसाइलों का हमला नाकाम कर दिया। इसके बावजूद मध्य और दक्षिण इजरायल में कुछ मिसाइलें गिरीं, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ईरान का हमला आकस्मिक नहीं था। अमरीका इजरायल को सचेत कर चुका था और खुफिया एजेंसी ह्यमोसादह्ल की भी लीड्स मिल रही थीं कि ईरान बहुत जल्द हमला कर सकता है। चूंकि ईरान-इजरायल के दरमियान करीब 2000 किलोमीटर की दूरी है, लिहाजा इजरायल ने यथासमय रणनीति बना ली थी कि आक्रमण को किस तरह ध्वस्त करना है। इजरायल ने यथासमय अपने नागरिकों और निवासियों को भी बंकरों में चले जाने की सूचना दे दी थी। येरुशलम और तेल अवीव जैसे महत्वपूर्ण शहरों में सायरन गूंज रहे थे। भीषण विस्फोटों की आवाजें भी सुनी जा रही थीं। इजरायल छोटा-सा देश है, लेकिन उसका सुरक्षा-कवच वाकई अभेद्य है। आक्रमण कर ईरान ने अपनी कुंठा पूरी कर ली थी कि उसने हमास के मुखिया इस्माइल हनियेह, हिजबुल्लाह के सरगना नसरल्लाह और ईरान के एक कमांडर की हत्याओं का बदला ले लिया, लेकिन इजरायल की ताकत और लडे की क्षमता जस की तस बरकरार है। यही नहीं, इजरायल ने अपनी उत्तरी सीमा से सटे लेबनान में जमीनी ऑपरेशन शुरू कर हिजबुल्लाह के लड़ाई के कई ठिकानों को मिट्टी-मलबा भी कर दिया है। बीते 7 अक्तूबर, 2023 को हमास हमले के बाद उत्तरी इजरायल से 60, 000 से अधिक इजरायली नागरिकों ने पलायन किया था। अब इजरायल उस इलाके को हिजबुल्लाह-मुक्त कर अपने नागरिकों की वापसी तय करना चाहता है। आश्चर्य है कि लेबनान की सेना ने इजरायली ऑपरेशन के लिए रास्ता ही छोड़ दिया। आत्मसमर्पण कर दिया। इजरायल इस जमीनी ऑपरेशन के जरिए लेबनान में हिजबुल्लाह को नेस्तनाबूद कर देना चाहता है। बेशक ईरान का हमला स्वाभाविक था, क्योंकि पश्चिम एशिया में उसकी पुरानी धाक का सवाल था। प्रमुख इस्लामी देश भी इजरायल के खिलाफ, ईरान के साथ, नहीं हैं। बहरहाल हमला इतना सिलसिलेवार और जबरदस्त था कि अमरीका के व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति बाइडेन को तुरंत अपनी सुरक्षा-टीम को तलब करना पड़ा। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और रक्षा मंत्री से विमर्श कर तुरंत रणनीतियां तय की गईं और सेना को निर्देश दिया गया कि वह इजरायल की तरफ जाने वाली मिसाइलों, ड्रोन्स और अन्य विस्फोटकों को बेअसर करे, मार गिराए और इजरायल के अस्तित्व की रक्षा करे। इस हमले से पहले 14 अप्रैल, 2024 को भी ईरान ने 300 से अधिक मिसाइलों और ड्रोन से इजरायल पर हमला किया था। तब भी अमरीका ने उसकी सुरक्षा की थी। इस तरह ईरान-इजरायल टकराव में अमरीका का भी प्रवेश हो गया। इजरायली हमले की योजनाएं बनाई जा चुकी हैं। इजरायली सेना ने समय और स्थान की बात करते हुए कहा है कि ईरान पर पलटवार किया जाएगा। सवाल है कि क्या अब ईरान अमरीका और इजरायल के दोहरे निशाने पर आ गया है? क्या यहां से कथित युद्ध का विस्तार होगा और नए यौद्धिक समीकरण सामने आएंगे? अमरीका को ईरान का परमाणु कार्यक्रम चुभता रहा है। उसके सभी नक्शे अमरीका के पास हैं।

महाराष्ट्र की राजनीति में राजमाता बनी गौमाता

राकेश अचल

आप मानें या न मानें लेकिन मुझे ये लग रहा है कि देश के तमाम चौपाये गाय की किस्मत से जल-भुन रहे होंगे, क्योंकि उसे महाराष्ट्र की सरकार ने राजमाता घोषित कर दिया है। राजमाता कहिये या राज्य माता अर्थ एक ही है। ये सम्मान पाने के लिए पुराने सामंतों परिवारों की महिलाएं तरस जाया करतीं थीं। पशुओं में तो किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि कलिकाल में जाकर गाय किसी राज्य की राजमाता बन जाएगी। मैं देश-दुनिया के तमाम चौपाया परिवार की ओर से गाय को इस सम्मान के लिए दिल से बधाई देता हूँ। गाय देश का सबसे निरीह चौपाया है, लेकिन भारतीय समाज में ह्यगायह्ल को माता का दर्जा हासिल है तो एक बड़े हिस्से में उसके मांस को बड़ी लज्जत के साथ भक्षण भी किया जाता है। सनातनी तो गाय की पूंछ पकड़ कर वैतरणी पार करने का यकीन रखते हैं। पहले ये विश्वास मनुष्यों तक सीमित था लेकिन अब सियासत में भी सियासी दल चुनावी वैतरणी पार करने के लिए ह्यगायह्ल को ठीक उसी तरह राजमाता बना रहे हैं जैसे की ह्यगधेह्ल को वक्त पड़ने पर बाप बनाया जाता है। वैसे ह्यगायह्ल और ह्यगधे कीह्ल राशि एक ही है किन्तु दोनों के बीच कोई तुलना, कोई बराबरी नहीं है। गाय को माता बनाया जाता है और गधे को बाप। ये सिद्धांत मेरे या आपके नहीं बल्कि भारतीय समाज के हैं। ये मान्यताएं भी सनातन ही समझिये। जबसे मनुष्य ने गाय और गधे को अपना सहचर बनाया है शायद तभी से ये मान्यताएं, ये कहावतें समाज में प्रचलित हैं। अब यदि ये प्रचलित हैं तो निश्चित ही इनका कोई आधार भी रहा होगा। फिलहाल बात गाय की हो रही है। गाय और गधे में केवल एक ही समानता है कि दोनों बड़े ही धैर्यवान हैं। हालाँकि दोनों को लात मारना आता है। गाय पर हमारे पुरखा पत्रकार स्वर्गीय राजेंद्र माथुर ने भी लिखा और साथी गिरीश पंकज ने भी। महात्मा गाँधी ने गाय के बजाय बकरी को प्राथमिकता दी, लेकिन उनकी कांग्रेस ने गाय को ही नहीं उसके बछड़े को और उसके पति बैल को भी सम्मान दिया। एक जमाना था जब कांग्रेस का चुनाव चिन्ह दो बैलों की जोड़ी होता था और बाद में ये गाय-बछड़ा भी बना। इस सात्विक चौपाये ने कांग्रेस की हमेशा मदद की। कांग्रेस को अनेक बार चुनावी वैतरणी पार करायीं। कांग्रेस को हुए फायदे को देखकर अब महाराष्ट्र सरकार ने गाय को अपने सूबे की राजमाता घोषित कर दिया। ये इसलिए हुआ क्योंकि महाराष्ट्र नवंबर में विधानसभा के चुनाव होना हैं। गाय सबका सहारा होती है। जब हम सब छात्र हुआ करते थे तब गाय हमारा भी सहारा थी। परीक्षा में हर बार गाय पर निबंध लिखने का विकल्प होता था और हम बच्चे किसी और विषय पर निबंध लिखने के बजाय गाय पर निबंध लिखना पसंद करते थे। गाय केवल एक पशु ही नहीं बल्कि हमारी मान्यता भी है। हमारे समाज में गाय को सबसे सीधा चौपाया माना जाता है। उसके इसी स्वभाव की वजह से कहावत तक बन गयी। हमारे यहां अक्सर सीधे पुरुष और महिला को गाय ही कहा जाता है। कृषि प्रधान देश में एक जमाने में गाय को सचमुच राजमाताओं जैसा सम्मान मिलता था, क्योंकि वे कृषि के लिए बैल जनती थीं। उस जमाने में जिस किसान के घर जितनी ज्यादा गायें और जितनी ज्यादा बैल जोड़ियां होतीं थीं, उसे उतना समृद्ध माना जाता था। घर-घर में गौशालाएं थीं। तब गायों को सड़कों पर गलियों में आवारगी करने की न छूट थी और न मजबूरी। कालांतर में भारत कृषि प्रधान देश तो है किन्तु आज न किसानों का सम्मान है और न गायों का। अब खेती बैलों की जोड़ियों से नहीं मशीनों से होती है। बैलों की जगह ट्रेक्टरों ने ले ली है। कटाई मजदूरों के पेट पर हार्वेस्टर लात मार चुके हैं। ऐसे में गायों और बैलों का बेरोजगार और महत्वहीन होना स्वाभाविक है। अब गाय और बैल पाले कौन? आज के समय में तो आदमी के लिए अपना पेट पालना ही मुश्किल हो रहा है। 85 करोड़ लोग पेट पालने के लिए सरकार पर निर्भर हैं। सरकार अपने वोटर पाले या गाय? यहां तक कि गाय को राजमाता का सम्मान देने वाले भाजपा के कार्यकर्ता और नेता तक गाय या बैल नहीं पालते। उन्हें या तो सड़कों पर छोड़ दिया जाता है, या वे कत्लगाहों के काम आते है। जहाँ उनके मांस को डिब्बों में बंद कर बाजारों में बेच दिया जाता है। आप हैरान होंगे कि गाय-बैल का मांस बेचने वाले विधर्मी नहीं बल्कि सनातन धर्म के मानने वाले ही हैं। महाराष्ट्र सरकार ने गाय को राज्यमाता का दर्जा दे दिया है। यह बड़ा कदम चुनाव से पहले उठाया गया है। सरकार ने कैबिनेट बैठक में यह फैसला सुनाते हुए कहा कि वैदिक काल से भारतीय संस्कृति में देशी गाय की स्थिति, मानव आहार में देशी गाय के दूध की उपयोगिता रही है। यह फैसला जारी करते हुए कहा गया कि वैदिक काल से भारतीय संस्कृति में देशी गाय की स्थिति, मानव आहार में देशी गाय के दूध की उपयोगिता, आयुर्वेद चिकित्सा, पंचगव्य उपचार पद्धति तथा जैविक कृषि प्रणालियों में देशी गाय के गोबर एवं गोमूत्र के महत्वपूर्ण स्थान को ध्यान में रखते हुए देशी गायों को अब से ह्यराज्यमाता गोमाताह्ल घोषित करने की मंजूरी दी गई है। हम महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को इस फैसले कि लिए बधाई देते हैं। हमें उम्मीद है कि अब महाराष्ट्र में तो गाय बच ही जाएगी। देश के जिन राज्यों में डबल इंजिन की सरकारें हैं वे भी आज नहीं तो कल गाय को राजमाता का दर्जा दे ही देंगीं।

संक्षिप्त खबरें

दुर्गा पूजा को ले पंडालों में की गई कलश स्थापना

प्रातः किरण संवाददाता

लहलादपुर। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत स्थित नदियापार, जनता बाजार, बसहीं, ताजपुर, दयालपुर आदि बाजारों में निर्मित लगभग 20 पंडालों के अलावे ग्रामीण इलाके में भी कुछ गृहस्थों के घर में भी माँ शक्ति दुर्गा पूजा के लिये कलश स्थापना किया गया. या देवी सर्वभुतेषु शैलपुत्री रूपेण संस्थिता...... वैदिक मन्त्रोंचारण के साथ दशहरा का नवरात्रि व्रत आरम्भ हो गया. कलश स्थापित करने वालों की बढ़ती संख्या के कारण पूजा कराने वाले पंडित जी की खिंचा-तानी होने लगी. नतीजा यह रहा कि बहुत घरों में शामतक कलश स्थापना हुआ. नवरात्रि के अवसर पर बाजारों में पूजा सामग्रीयां खरीदने वालों की भीड़ रही।

सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का लिया जायजा, सामग्री बांटा

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय।सारण जिला के परसा प्रखंड के बाढ़ प्रभावित इलाके का दौरा कर प्रदेश कार्य समिति सदस्य एवं सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने जायजा लिया और बालिगाँव पंचायत के बहलोलपुर दियारा मे जाकर पीड़ित परिवार के बीच चुरा मीठा और बिस्किट का लगभग 250 परिवारों के बीच वितरण किया गया और प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने अधिकारी से भी बात कर लोगो को उचित लाभ पहुंचाने और मदद करने की बात कही और कहा की यह प्रेरणा हमें सांसद राजीव प्रताप रूडी मिली और रूडी जी बाढ़ क्षेत्र मे हर संभव मदद पहुंचे। इसके लिए लगातार मॉनिटरिंग कर रहे है अधिकारी से बात कर पल पल की रिपोर्ट ले रहे है कि सभी बाढ़ पीड़ितो को सहायता मिले।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अजय नाथ पूरी, महामंत्री संतोष शर्मा ,आईटी सेल मोनू सिंह, भाजपा नेता गया सिंह, चंदन सिंह, बच्चा सिंह, पप्पू गुप्ता ,सुमंत तिवारी, धूमल सिंह ,विक्रम साह ,वार्ड त्रिभुवन मांझी, बच्चा मांझी ,आफताब आलम, बच्ची देवी, मोहन हजरा ,प्रमिला देवी आदि थे।

दुर्गापूजा पर विधि व्यवस्था को ले डीएम और एसपी ने की बैठक

असामाजिक तत्वों के विरूद्ध निरोधात्मक कार्रवाई का निर्देश

- सभी प्रतिमाओं का विसर्जन व शोभा यात्रा के लिये लाइसेंस होगा अनिवार्य

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। दुर्गापूजा के अवसर पर सामान्य विधि व्यवस्था बनाये रखने को लेकर आज समाहरणालय सभागार में बैठक की गई। इस बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी अनुमंडल, प्रखंड एवं थाना स्तर के पदाधिकारी भी जुड़े थे।सभी थाना प्रभारी से एक एक कर उनके क्षेत्र अंतर्गत स्थापित की जाने वाली दुर्गा प्रतिमाओं के बारे में जानकारी ली गई।सभी प्रतिमा स्थापना एवं विसर्जन शोभा यात्रा के लिये लाइसेन्स लेना अनिवार्य है। इस संबंध में सभी थाना प्रभारी को सभी आयोजकों से आवेदन प्राप्त कर लाइसेंस की प्रक्रिया पूर्ण करने का निदेश दिया गया। सभी थाना क्षेत्र में आयोजित होने वाले रावण पुतला दहन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी ली गई। इन सभी आयोजकों के साथ पहले ही बैठक कर आवश्यक दिशानिर्देश जारी करने को कहा गया। इन आयोजन स्थलों पर भीड़ प्रबंधन को लेकर विशेष सतर्कता एवं समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया। सभी थाना स्तर पर स्थानीय शांति समिति की बैठक सुनिश्चित करने को कहा गया। त्योहारों में डीजे का उपयोग वर्जित है। इस संबंध में सभी डीजे संचालकों के साथ बैठक कर इस आशय की पूर्व जानकारी देने को कहा गया। इसका उल्लंघन करने वाले का डीजे उपकरणों को जप्त कर किया जायेगा। सभी विसर्जन मार्गों का भौतिक रूप से अनिवार्य सत्यापन करने को कहा गया। मार्ग में संवेदनशील स्थलों को पहले से ही चिन्हित कर वहाँ के लिए विशेष सतर्कता बरतने का निदेश दिया गया। पूजा के दौरान शहरी क्षेत्र, विशेष रूप से छपरा शहर के लिये विशेष ट्रैफिक प्लान की व्यवस्था की जा रही है। इसकी पूर्व जानकारी सभी लोगों को दी जायेगी।असामाजिक तत्वों के विरुद्ध बीएनएसएस के तहत निरोधात्मक कार्रवाई करने तथा उपयुक्त मामलों में सीसीए के तहत प्रस्ताव भेजने का निदेश दिया गया। भीड़ प्रबंधन के लिये सभी महत्वपूर्ण स्थलों पर ड्रोन कैमरे के माध्यम से निगरानी की जायेगी। आयोजकों के माध्यम से पूजा पंडाल में सीसीटीवी लगाने हेतु प्रयास किया जाय। सभी विसर्जन जुलुस की वीडियोग्राफी प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की जायेगी। सभी महत्वपूर्ण स्थलों पर सादे लिबास में पुलिस बल भी प्रतिनियुक्त रहेंगे। सभी महत्वपूर्ण स्थलों पर स्थित पूजा पंडालों में कारगर पब्लिक एड्रेस सिस्टम को व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। स्वास्थ्य विभाग को सभी अस्पतालों को अलर्ट मोड में रखने को कहा गया। छपरा शहर में साफ-सफाई हेतु विशेष अभियान चलाने का निदेश नगर निगम को दिया गया। सभी आवश्यक जगहों पर नये स्ट्रीट लाइट लगाने एवं खराब पड़े पुराने लाइट को तत्काल बदलने हेतु कार्रवाई को कहा गया। सभी पूजा पंडालों की सेफ्टी ऑडिट भवन प्रमण्डल, विद्युत विभाग एवं अग्निशमन विभाग को सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया। सभी विसर्जन मार्ग में बिजली के तारों की सेफ्टी ऑडिट विद्युत विभाग के अभियंता को सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया।

कैंसर लाइलाज बीमारी नहीं: डॉ. जगजीत

पिपरहियां बाजार स्थित सत्संग भवन में कैंसर जागरूकता अभियान आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

इसुआपुर । कैंसर लाइलाज बीमारी नहीं है। इसका इलाज संभव है। बशर्ते समय रहते बीमारी की पहचान कर उसका इलाज शुरू कर दिया जाय। ये बातें पटना एम्स के कैंसर सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर जगजीत कुमार पांडेय ने प्रखंड के पिपरहियां बाजार स्थित सत्संग भवन में कैंसर जागरूकता अभियान कार्यक्रम के मौके पर बतौर मुख्य अतिथि कही। पूर्व में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जयंती के मौके पर नेताद्वय के तैल चित्र पर माल्यार्पण के साथ उन्हें नमन कर किया गया। उन्होंने कहा कि कैंसर के शुरूआती स्टेज वन, टू और थ्री में अगर बीमारी की पहचान कर ली गई तथा समय रहते उसका इलाज शुरू हो गया, तो मरीज की जान बचाई जा सकती है। वहीं चौथे तथा लास्ट स्टेज में मरीज को बचना मुश्किल हो जाता है ।स्तन कैंसर के मामले में उन्होंने कहा कि यह महिलाओं में ही नहीं, पुरुषों के स्तन में भी हो सकता है। स्तन कैंसर के मामले में दावा करते हुए कहा कि इलाज से मरीज को कम से कम 20 वर्षों तक जीवित रखा जा सकता है। साथ ही कहा कि कैंसर किसी भी उम्र के व्यक्ति को शरीर के किसी भी भाग में हो सकता है। हमारी बदलती जीवन शैली में यह बीमारी तेजी से फैल रही है। जिससे हमें सजग और जागरूक रहने की जरूरत है। इस बीमारी के लक्षणों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि शरीर के किसी भी भाग में सुजन, गांठ या अधिक दिनों तक शरीर के किसी भी भाग में घाव, मवाद या खून आने पर इसकी जांच करा लेनी चाहिए।

चारो ओर से पानी से घिरे वार्ड में एसडीआरएफ की मदद से पहुंचाया गया भोजन का पैकेट

प्रातः किरण संवाददाता

बाढ़ प्रभावितों के बीच सूखा राशन, पॉलीथिन शीट्स का लगातार किया जा रहा है वितरण (बेतिया(घनश्याम)। जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रभावितों के बीच राहत सामग्री पहुंचाने का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। इसी कड़ी में चनपटिया प्रखंड के खर्ग पोखरिया पंचायत के अंतर्गत चारो ओर से पानी से घिरे हुए वार्ड नंबर-01 में एसडीआरएफ की टीम ने मोटरबोट के माध्यम से भोजन का पैकेट आदि पहुंचाया।वहीं सिकटा प्रखंड के कठिया मठिया पंचायत में बाढ़ प्रभावितों के बीच सूखा राशन का वितरण किया गया। ठकराहां प्रखंड के हरपुर पंचायत में बाढ़ प्रभावितों लोगों के बीच सूखा अनाज का वितरण किया गया। सोहगी बरवा में अंचलाधिकारी द्वारा बाढ़ प्रभावितों के बीच पॉलीथिन शीट्स का वितरण भी किया गया।इसके अतिरिक्त अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भी अधिकारियों द्वारा पॉलिथीन शीट्स, सूखा राशन आदि का वितरण कर प्रभावितों को राहत पहुँचाया गया। कई स्थानों पर कम्युनिटी किचेन का भी संचालन कर बाढ़ पीड़ितों को भोजन, पानी उपलब्ध कराया गया।

बीडीओ ने कचरा उठाओ को ले ई रिक्शा को हरी झंडी दिखा कर किया शुभारंभ

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा ।लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत बुधवार को सदर प्रखंड के फकुली पंचायत के मुखिया सुमित कुमार सिंह एवं सदर वीडीओ विनोद आनंद ने ठेला व ई रिक्शा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने बताया कि पंचायत में डोर टू डोर कचरा का उठाव स्वच्छता कर्मी करेंगे। पंचायत के कुल चौदह वार्डों में एक-एक ठेला और एक ई रिक्शा का वितरण किया गया है। जिसके माध्यम से सभी घरों से निकले ठोस व तरल कचरा का रोज उठाव किया जायेगा। जबकि स्वच्छता कर्मी ठेला के माध्यम से पंचायत में बने कचरा घर में डालेंगे। इसके लिए लोगों के प्रत्येक घरों पर दो-दो डस्टबिन उपलब्ध कराया जाएगा, जिसमें लोग गीला व सूखा कचरा डालेंगे। इसके लिए सभी को पहल करने जरूरत है। हरी झंडी दिखाने के पहले सभी स्वच्छता कर्मियों को ठेला, ड्रेस टोपी, ग्लब्स, मास्क आदि वितति किया गया।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भवन का सीएम ने किया डिजिटली शिलान्यास

प्रातः किरण संवाददाता

रक्सौल। प्रखंड अंतर्गत हरनाही पंचायत के मसनाडीह में सात निश्चय पार्ट-2 के अंतर्गत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, रक्सौल के लिए दो मंजिला प्री-फैब संरचना भवन का शिलान्यास मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने डिजिटल माध्यम से किया। इस दौरान उपस्थित होकर स्थानीय विधायक प्रमोद कुमार सिन्हा ने जन-सम्बोधन किया और कहा कि रक्सौल में औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र खुलना रक्सौल वाशियों के लिए हर्ष की बात है। प्री-फैब संरचना की भवन से लैब की सुविधा मिलेगी, यह पहल छात्रों के बेहतरी के लिए सराहनीय कार्य है। इस मौके पर कॉलेज के प्रिंसिपल गीता कृष्णा, कनीय अभियंता नवीन कुमार, हरनाही मुखिया म. जफीर, मण्डल अध्यक्ष मृतुन्जय सिंह, रक्सौल विधानसभा सदस्यता प्रभारी राकेश कुशवाहा, भाजपा नेता मोती बैठा, शक्ति केंद्र प्रमुख चिरंजीवी प्रसाद, कमलेश कुमार, प्रतीक कुमार समेत सैकडो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रक्सौल के कौड़ीहार फीडर की विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

रक्सौल। (प्रातः किरण संवाददाता) ।पॉवर सब स्टेशन रक्सौल से चलने वाले कौड़ीहार फीडर कि विद्युत आपूर्ति शुक्रवार को सुबह 10 बजे से लेकर दिन के 04 बजे तक बाधित रहेगी, जिससे शहर के लक्ष्मीपुर, कौड़ीहार, कॉलेज रोड़, कौड़ीहार चौक सहित ब्लॉक रोड़ कि विद्युत आपूर्ति उक्त अवधि तक बंद रहेगी। इस संबंध में सहायक विद्युत अभियंता सुनील रंजन ने बताया कि दुर्गा पूजा के मद्देनजर मेंटेनेन्स हेतु विद्युत आपूर्ति सेवा बाधित रहेगी। वहीं दोपहर के 04 बजे के उपरांत पुनः विद्युत सेवा सुचारू हो जायेगी। इसको लेकर सहायक विद्युत अभियंता ने विद्युत उपभोक्ताओं से अपने सभी विद्युत से जुड़े जरूरी कार्य सुबह 10 बजे से पहले ही निबटा लेने की अपील की है।

इसुआपुर सीएचसी में लगा डिजिटल एक्स-रे मशीन

इसुआपुर । (प्रातः किरण संवाददाता) । सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इसुआपुर में गुरुवार को डिजिटल एक्स-रे मशीन का शुभारंभ प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर तूलिका कुमारी ने किया। उद्घाटन के पश्चात 5 मरीजों का डिजिटल एक्स-रे भी किया गया। स्वास्थ्य प्रबंधक नवाब अख्तर जिलानी ने बताया कि ब्रिज हेल्थ फाउंडेशन के द्वारा राज्य स्वास्थ्य समिति के माध्यम से डिजिटल एक्स-रे मशीन लगाया गया है।अब दुर्घटना में हाथ, पैर तथा सीने में हुए फ्रैक्चर, गिरने व चोट लगने जैसी स्थितियों तथा यक्ष्मा जैसी बीमारियों में इसुआपुर के सरकारी अस्पताल में ही एक्स-रे की यह सुविधा मुहैया करा दी जएगी। पहले इन मरीजों को सीधे सदर अस्पताल छपरा रेफर करना पड़ता था। जिससे मरीजों को काफी परेशानियां होती थीं। वहीं इलाज करने में चिकित्सकों को भी काफी दिक्कतें हो रही थी। मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर तूलिका कुमारी,स्वास्थ्य प्रबंधक नवाब अख्तर जिलानी, डॉक्टर मनीष कुमार, डॉक्टर अंकुश कुमार,एक्स-रे टेक्निशियन अभिषेक राय, सीनियर एएनएम प्रियंवदा कुमारी, सुषमा कुमारी, पिंकी कुमारी, संतोष तिवारी,अशोक चौबे व अन्य स्वास्थ्य कर्मी थे।

मरीजों को फिजियोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध कराने में बिहार का छपरा सदर अस्पताल ने पाया प्रथम स्थान

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा। समाज के अंतिम पंक्ति के लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग संकल्पित है। स्वास्थ्य संस्थानों में लगातार सुविधाएं बढ़ायी जा रही है। छपरा सदर अस्पताल में मरीजों को बेहतर सुविधा मिले इसके लिए लगातार आधुनिक सुविधाओं में वृद्धि की जा रही है। अब छपरा सदर अस्पताल में मरीजों को फिजियोथेरेपी की सुविधा मिलने लगी है। सदर अस्पताल के ओपीडी में आधुनिक मशीनों से लैस एक विशेष फिजियोथेरेपी कक्ष बनाया गया है। जिसका लाभ मरीजों को मिल रहा है। सितंबर माह में मरीजों का फिजियोथेरेपी से इलाज करने में छपरा सदर अस्पताल ने राज्य में प्रथम स्थान हासिल किया है। सितंबर माह में कुल 781 मरीजों का फिजियोथेरेपी के माध्यम से उपचार किया गया है। जो अन्य जिलों के मुकाबले सबसे अधिक है। दर्द से परेशान मरीजों का इलाज फिजियोथैरेपी से किया जाता है। इसके लिए भौतिक एक्सरसाइज मशीनों के द्वारा कराई जाती है। पारालाइसिस अटैक में शरीर का कई भाग काम करना बंद कर देता है। इसे फिजियोथैरेपी से ठीक किया जा सकता है। शरीर में सूनापन या दर्द या गठिया, साईटिका जैसी बीमारियों को फिजियोथैरेपी से ठीक किया जाता है। कई बार दुर्घटनाओं में हड्डी टूट जाती है। प्लास्टर होने के बाद हड्डी तो जुड़ जाता है। लेकिन जोड़ों का मूवमेंट करने पर दर्द होने लगता है। इसके लिए फिजियोथेरेपी से इलाज किया जाता है। फिजियोथेरेपी से घुटनों के दर्द का इलाज आसानी से किया जा रहा है।

सिविल सर्जन डॉ. सागर दुलाल सिन्हा ने बताया कि फिजियोथैरेपी सेन्टर पर सभी नसों व मांसपेशियों से संबंधित बीमारियों का इलाज किया जाता है। इसके साथ ही साइटिका, सर्वाइकल,, बैंक पेन, स्लिप डिस्क, चक्कर आना, ऑपरेशन के बाद जोड़ों की जकड़न एवं स्पोर्ट इन्जुरी से संबंधित सभी बीमारियों के लिए फिजियोथैरेपी की जाती है। जिस बीमारी का इलाज के लिए लोगों को निजी अस्पताल में हजारों रूपए खर्च करना पड़ता था, अब वह सदर अस्पताल में निःशुल्क मिल रहा है। फिजियोथेरेपी करने के लिए आधुनिक मशीन लगाया है। जिससे कोई परेशानी नहीं होती है। खासकर वैसे लोग जो पैसे की कमी के चलते इलाज नहीं करवा पाते हैं, उनके लिए यह काफी कारगर है। छपरा सदर अस्पताल आकर निःशुल्क फिजियोथेरेपी करा सकते हैं। जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीएम अरविन्द कुमार ने बताया कि सदर अस्पताल के ओपीडी के फिजियोथेरेपी सेंटर में ट्रैक्शन मशीन से सर्वाइकल और लकवा के मरीजों का उपचार, शरीर में सूजन और कड़ापन को दूर के वैक्सवाथ मशीन के माध्यम से फिजियोथेरेपी दी जा रही है। भागदौड़ भरी जिंदगी और तनाव से लोग कई प्रकार की बीमारियों से घिर रहे हैं। कुर्सी पर बैठकर काम करने वाले, बाइक से लंबा सफर करने वाले, गिरने आदि लोग बीमारियों के शिकार हो रहे हैं।

दशहरा में कई सामाजिक कार्यक्रम करेगा युवा क्रांति रोटी बैंक

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। राष्ट्रीय सेवा योजना राजेंद्र कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनायी गई। इस अवसर पर सर्वप्रथम उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण एवम दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया।

महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर सुशील कुमार श्रीवास्तव ने इस अवसर पर अपने संदेश में कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री दोनों ही महापुरुष देश के लिए अनुकरणीय हैं। उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व समाज में हमेशा आदर्श बने रहेंगे। हम सभी को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए और उनके बारे में अधिक से अधिक हमको अध्यवसाय करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. बेठियार सिंह साहू ने अपने उद्बोधन में दोनों महापुरूषों की जीवनी से संदर्भित कुछ उद्धरणों के माध्यम से जीवन आदर्शों को आत्मसात करने का आग्रह किया। उन्होंने सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह एवं ब्रह्मचर्य के सिद्धांतों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए वर्तमान संदर्भों में महात्मा गांधी को अत्यंत प्रासंगिक बताया। इसी क्रम में लाल बहादुर शास्त्री जी के जीवन संघर्षों पर चर्चा करते हुए उनकी सामान्य से विशिष्ट तक की यात्रा का जिक्र किया और उन्हें उच्च जीवन मूल्यों से युक्त आदर्श व्यक्तित्व के रूप में निरूपित किया।

अगली कड़ी में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता दिवस आयोजित करते हुए बेस्ट आर्ट प्रदर्शनी, डोर टू डोर कैंपेन, नुक्कड़ नाटक, गोद लिए हुए आसपास के गांव में बस्तियों की साथ सफाई आदि विविध कार्यक्रमो में शामिल हुए प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. देवेश रंजन, डॉ. जया कुमारी पांडेय, डॉ. कन्हैया प्रसाद एवं दर्शनशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक नवीन कुमार की गरिमामयी उपस्थित रही।

देसी कट्टा से केक काटना पड़ा मंहगा, दोनो युवक गिरफतार

एकमा ।स्थानीय थाना क्षेत्र में देसी कट्टा के साथ बर्थडे केक काटना दो युवकों को महंगा पड़ गया। पुलिस ने देसी कट्टा से बर्थडे केक काटने वाले युवक व उसके एक दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। उक्त मामला एकमा थाना क्षेत्र के छित्रवलिया बाजार के समीप एक बगीचे का बताया जा रहा है। जहां बुधवार की शाम बर्थडे पार्टी पर देसी कट्टा के साथ केक काटा जा रहा था। जिसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने छापेमारी कर दी।

इस संबंध में एकमा थानाध्यक्ष सह पुलिस निरीक्षक उदय कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली की कुछ युवक छित्रवलिया बाजार के समीप एक बगीचा में इक्कठा होकर बर्थडे पार्टी कर रहें है। जिसपर तत्काल संज्ञान लेते हुए पुलिस ने एक टीम गठित कर छापेमारी कर दी। इस दौरान केक काट रहें दो युवकों को एक देसी कट्टा व मोबाइल के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि बाकी युवक फरार हो गए। गिरफ्तार युवक दाउदपुर थाना क्षेत्र के इनायतपुर पंचायत के लहमारी गांव के सनौवर अंसारी का पुत्र निषाद अंसारी तथा नसीब मियां का पुत्र मुन्ना अंसारी बताए जाते हैं।

रीजनल मैनेजर ने किया कई उत्पादों का उद्घाटन

छपरा कार्यालय। (प्रातः किरण संवाददाता) । छपरा के शक्ति नगर हनुमान मंदिर परिसर के सामने फास्ट पावर सॉल्यूशन ईस्टमैन और रिक्सा, इन्वर्टर, सोलर पैनल एनर्जी का उद्घाटन बिहार के कंपनी के रीजनल मैनेजर अखिलेश सिंह सर्विस हेड सुजीत कुमार उनके साथ नीरज, सुभम, गुलाम जी ने बताया कि यह बैटरी लाइफ और सर्विस मे दूसरे से ज्यादा वारंटी और सर्विस देने में अग्रणी भूमिका में हैं। यह सर्विस और सेल्स फास्ट पावर सॉल्यूशन ईस्टमैन और ïड्ढि के खरीद ड्ड स्त्रीशूैल्ल३ इंट्रेस्ट पर भी बिक्री शुरू किया गया है। आज के उद्घाटन मे फास्ट पावर सॉल्यूशन के प्रबंधक रवि जी ने बताया कि इसके खुल जाने से टोटो रिक्शा, इन्वर्टर, सोलर बैटरी के बिक्री और सर्विस मे हमलोग पूरे दूर दराज के लोगो को काफी मदद मिलेगी, इस अवसर पर गौतम कुमार और राजन सोनी , मनोज कुमार, संजीव चौधरी भूमिका निभाई।

प्रखंड कांग्रेस कार्यालय का किया गया उदघाटन

एकमा ।(प्रातः किरण संवाददाता) । नगर पंचायत के ब्लॉक रोड स्थित कांग्रेस आफिस कार्यालय का उदघाटन कांग्रेस नेता नरेंद्र प्रताप मिश्रा ने फीता काटकर किया । इस दौरान उन्होंने बताया कि पार्टी द्वारा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अमावस मांझी को प्रखंड अध्यक्ष बनाया गया है। यह कार्यालय खुल जाने से पार्टी कार्यकताओं व आम लोगों का काफी सहूलियत मिलेगी इससे पार्टी को धारदार और मजबूत होगी समाज के दबे कुचले लोगों को सरकारी योजनाओं का हक दिलाने के लिए संघर्ष करेंगे ।इस मौके पर नागेन्द्र मिश्रा श्री निवास उपाध्याय उपाध्याय प्रेम सिंह महादेव ओझा उमेश पांडेय मनजीत तिवारी राज देवगिरी विक्रमा ठाकुर प्रशांत पांडेय आदि लोगों उपस्थित थे । उदघाटन में महात्मा गांधी जी को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

मोथहा रामपुर में 36 घंटे का रामायण पाठ संपन्न, श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण

प्रातः किरण संवाददाता

नगरा।प्रखंड क्षेत्र के सीमावर्ती गांव मोथहा रामपुर स्थित राम जानकी मंदिर में 36 घंटे के भव्य धार्मिक आयोजन का समापन हुआ.इस आयोजन में रामायण और भागवत गीता का पाठ किया गया,जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से हिस्सा लिया.मंदिर के महंत ऋषिमुनि ओझा ने बताया कि 36 घंटे तक चले इस अद्वितीय आध्यात्मिक अनुष्ठान का उद्देश्य समाज में धार्मिकता, सद्भावना और शांति का संदेश फैलाना था.स्थानीय ग्रामीणों के अलावा दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने भी इसमें भाग लिया.पाठ के समापन के बाद प्रसाद वितरण किया गया,जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और भगवान राम-जानकी का आशीर्वाद प्राप्त किया.महंत ने इस आयोजन की सफलता का श्रेय क्षेत्र के श्रद्धालुओं के सहयोग को दिया.प्रसाद वितरण के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा माहौल भक्तिमय हो गया.इस अनुष्ठान में स्थानीय गणमान्य लोग भी उपस्थित थे,जिन्होंने इस आयोजन को धार्मिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बताया.इस अवसर पर सैकड़ो श्रद्धालु शामिल थे.

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं को चिकित्सा एवं दवा दी गई

प्रातः किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। जिला पदाधिकारी दिनेश कुमार राय के निर्देश के आलोक में जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावितों को लगातार हरसंभव सुविधा, सहायता प्रदान की जा रही है। जिलाधिकारी स्वयं प्रत्येक कार्यों की प्रतिदिन समीक्षा एवं अनुश्रवण कर रहे हैं ताकि बाढ़ प्रभावितों को ज्यादा से ज्यादा सहायता प्रदान की जा सके।बाढ़ से प्रभावित पशुओं के स्वास्थ्य के प्रति भी जिला प्रशासन संवेदनशील है। जिला पशुपालन पदाधिकारी के नेतृत्व में पशु चिकित्सकों एवं कर्मियों द्वारा लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में कैम्प लगाकर पशुओं के स्वास्थ्य की जांच करने के साथ ही दवा भी दिया जा रहा है। जिला पशुपालन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं एवं पशुपालकों को राहत पहुंचाने में 31 पशु चिकित्सकों को लगाया गया है। 43 पशु चिकित्सालय फंक्शनल है। पशुधन सहायकों की संख्या 09 है। 16 एम्बुलेटरी भान की संख्या है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी प्रखंडों के लिए एक-एक टीम गठित कर कार्य किया जा रहा है। अबतक बाढ़ से प्रभावित 603 पशुपालकों को राहत पहुंचाते हुए लगभग 4000 पशुओं की चिकित्सा की गयी है एवं उनके बीच दवा का वितरण किया गया है।

मादक पदार्थों की तस्करी पर नकेल कसने पर एसपी का सख्त निर्देश

- रक्सौल थाना सहित अन्य थाना का एसपी ने किया निरीक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

रक्सौल। भारत-नेपाल सीमा पर से इन दिनों मादक पदार्थों के तस्करी पर नकेल कसने के लिए जिला पुलिस कप्तान एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर जबर्दस्त कार्रवाई की जा रही है। अब तक अंतर्राष्ट्रीय ड्रग्स तस्कर असलम मियां को लेकर अब तक लगभग एक दर्जन आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गए हैं। इस कड़ी में पूर्वी चंपारण के एसपी स्वर्ण प्रभात ने कई थानों समेत रक्सौल थाना का बीते दिन निरीक्षण किया और इस दौरान उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को कड़े निर्देश दिया और मादक पदार्थों की तस्करी और सेवन करने वालों पर सख्त कार्रवाई करते रहने को कहा। वहीं उन्होंने बॉर्डर इलाकों का भौगोलिक निरीक्षण भी किया। मौके पर एसडीपीओ धीरेन्द्र कुमार, रक्सौल थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर राजीव नंदन सिन्हा, अपर थानाध्यक्ष सब इंस्पेक्टर एकता सागर, हरैया थानाध्यक्ष सब इंस्पेक्टर अंजन कुमार, सब इंस्पेक्टर प्रीति कुमारी, अंशुली आर्या और उत्तम कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

कोपा में विधायक ने दो सड़क निर्माण का किया शिलान्यास

प्रातः किरण संवाददाता

कोपा । मांझी विधायक डॉ . सत्येंद्र यादव अपने विधानसभा क्षेत्र में दो सड़को निर्माण के लिए शिलान्यास विधिवत रूप से पूजा अर्चना कर किया।

राष्ट्रीय राज्य मार्ग एन एच 531 पियानो पोखरा से पियानो रेल गुमटी होते हुए मध्य विधालय तक 54 लाख 77 हजार 681 हजार के लागत से बनने वाली सड़क के साथ हसुलाही बाजार से चतरा बाजार तक 68 लाख 89 हजार के लागत से बनने वाली सड़क का शिलान्यास किया। डा .यादव ने बताया कि दो माह में दोनों सड़क बन कर तैयार हो जाएगा ।माँझी विधानसभा के अंदर एक माह में 12 सड़को का शिलान्यास होगा ।वही दिसम्बर माह तक माँझी विधानसभा में 100 सड़को का शिलान्यास किया जाएगा ।विधायक ने बताया कि मेरा यह सपना था ।माँझी विधानसभा में एक भी गाँव टोला टपरी सड़क से बंचित नही रहे आज यह मेरा सपना साकार हो गया ।माँझी विधानसभा में अभी तक किसी भी विधायक के कार्यकाल में इतना ज्यादा संख्या में सड़क का निर्माण नही हुआ था ।मांझी विधानसभा में एक भी गाँव सड़क से बचित नही है। विधायक ने बताया कि चतरा बाजार के समीप तेल नदी का जर्जर पुल भी बहुत जल्द निर्माण होगा ।उन्होंने ने बताया कि मांझी महा पुरुषो की धरती है ।माँझी विधानसभा जो आज करती है ।वह कार्य छह माह बाद बिहार करती है ।मांझी विधानसभा से ही सबसे पहले स्मार्ट मीटर का विरोध हुआ ।अब पूरे राज्य में अन्य पाटिया भी स्मार्ट मीटर का विरोध करने लगा ।बिहार सरकार स्मार्ट मीटर नही लगा रही है ।स्मार्ट चिटर लगा रही है ।इस मीटर के अंदर जिओ का सिम कार्ड है ।जो अडानी अंबानी का ठेका है ।माँझी विधानसभा के अंदर दोनों प्रखण्डों में खाद्य सुरक्षा के तहत गरीबो को अच्छा चावल गेंहू दिलवाने का कार्य किया ।मौके पर सवेदक रामबाबू कुमार,संतोष कुमार यादव,सुनील गिरी,अरुण तिवारी,बटेश्वर कुशवाहा,बच्चा राय,दिनेश पंडित,अरबिंद सिंह,अरबिंद तिवारी,मुन्ना सिंह,विश्वनाथ पंडित,सुनील यादव,राजू साह,डॉ गागा कुशवाहा,प्रमोद कुशवाह सलीम सुफियान,रविन्दर यादव आदि थे।

अति-गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान कर पोषण पुनर्वास केंद्र में रेफर करें आंगनबाड़ी की सेविका: डीपीओ

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा। जिले समय के साथ बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास नहीं होने पर उन्हें कुपोषित बच्चों की श्रेणी में रखा जाता है। ऐसे बच्चों की शुरूआत में ही पहचान करते हुए चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए आईसीडीएस विभाग तत्पर रहता है। कुपोषित बच्चें के इलाज के छपरा सदर अस्पताल में पोषण पुनर्वास केंद्र संचालित है। पिछले कुछ महिनों से पोषण पुनर्वास केंद्र में लक्ष्य के अनुरूप में बच्चें नहीं आ रहें है। जिसको गंभीरता से लेते आईसीडीएस के डीपीओ कुमारी अनुपमा ने पत्र जारी कर सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों को आदेश दिया है कि आंगनबाड़ी सेविकाओं के द्वारा अति गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान कर 102 निशुल्क एंबुलेंस सेवा के माध्यम से पोषण पुनर्वास केंद्र में रेफर कराना सुनिश्चित करें। कुपोषित बच्चों की पहचान कर एनआरसी सेंटर में भर्ती कराना आगनबाड़ी सेविकाओं का कर्तव्य है। आंगनबाड़ी सेविकाओं द्वारा नवजात शिशुओं का जन्म के साथ वजन, लंबाई व ऊंचाई के आधार पर उनके पोषण स्थिति की पहचान की जाती है। ऐसे कुपोषित बच्चे जिन्हें केवल शारीरिक कमजोरी है लेकिन चिकित्सकीय समस्या नहीं है उनका इलाज समुदाय स्तर पर संचालित टीकाकरण केंद्र, आंगनबाड़ी केंद्र द्वारा पोषण और चिकित्सकीय सहायता देकर किया जाता है।

लेकिन ऐसे बच्चे जिन्हें शारीरिक कमजोरी के साथ मानसिक कमजोरी और निर्बलता है उसे अतिकुपोषित की श्रेणी में रखते हुए बेहतर इलाज के लिए पोषण पुनर्वास केंद्र भेजते हुए उसे चिकित्सक द्वारा देखरेख कर इलाज कराया जाता है। ऐसे बच्चों को चिह्नित करते हुए उन्हें समय पर इलाज उपलब्ध कराने के लिए सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं को आवश्यक निर्देश दिया गया है जिससे कि समय से ऐसे बच्चों की पहचान कर उनका इलाज किया जा सके और उन्हें सुपोषित बनाया जा सके।

डीपीओ कुमारी अनुपमा ने बताया कि सामान्य बच्चों की तुलना में गंभीर अतिकुपोषित बच्चों की मृत्यु का खतरा नौ गुना अधिक होता है।

100 में 80-85 प्रतिशत ऐसे कुपोषित बच्चे पाए जाते हैं जिनका चिकित्सकीय सहायता समुदाय स्तर पर किया जा सकता है। 10-15 प्रतिशत बच्चों को ही पोषण पुनर्वास केंद्र भेजने की जरूरत होती है। ऐसे बच्चों की समय से पहचान कर उनका इलाज करने से कुपोषण के कारण होने वाले बच्चों की मृत्यु को खत्म किया जा सकता है।

एनआरसी इंचार्ज पुष्पा कुमारी ने बताया कि एनआरसी में अतिकुपोषित बच्चे को 21 दिनों के लिए रखा जाता है। डाक्टर की सलाह के मुताबिक ही डाइट दी जाती है। अगर यहां रखा गया कोई बच्चा 21 दिन में कुपोषण से मुक्त नहीं हो पाता है तो वैसे बच्चों को एक माह तक भी यहां रखा जाता है। बच्चों की देखभाल के लिए यहां स्टाफनर्स, केयरटेकर व कुक भी उपलब्ध रहते हैं।उन्होंने बताया यहां पर जीरो से 5 साल तक के बच्चों का 15 फीसद वजन बढ़े तक इलाज किया जाता है। बच्चे के साथ एनआरसी में रह रहे परिजनों को दैनिक भत्ते के रूप में प्रतिदिन 100 रुपए दिए जाते हैं। साथ ही दोनों टाइम का खाना भी मिलता है। इलाज के बाद पुनः फालोअप के लिए भी बुलाया जाता है।

संक्षिप्त खबरें

नगर निगम क्षेत्र में चला अतिक्रमण अभियान

प्रातः किरण संवाददाता

आरा।आरा नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत धरहरा चौक से अबरपुल तक एवं बेगमपुर में डॉ अनवर आलम का अतिक्रमित भाग में प्रतिनियुक्ति दंडाधिकारी विनोद कुमार, उप नगर आयुक्त, आरा नगर निगम की उपस्थिति में अतिक्रमण अभियान चलाया गया। अतिक्रमण अभियान के दौरान धरहरा चौक से लेकर अबरपुल तक के सड़क के दोनों तरफ नाले पर किये गये अवैध अस्थाई अतिक्रमण को हटाया गया एवं अतिक्रमण कारियों को निर्देश दिया गया है कि अगर दुबारा अतिक्रमण किये हुए पकड़े जाते है तो जुमार्ना लगाते हुए बिहार नगर पालिका अधिनियम-2007 के तहत कार्रवाई की जायेगी। विदित हो कि प्रत्येक माह आरा नगर निगम के द्वारा विभिन्न सड़कों पर अतिक्रमण अभियान चलाया जाता है। 4.10.2024 को नगर थाना से लेकर गोपाल चौक होते हुए शीशमहल चौक तक, 05.10.2024 को गोपाली चौक से शिवगंज होते हुए बड़ी मठिया तक तथा 07.05.2024 को नवादा थाना से पंचमुखी हनुमान मंदिर होते हुए आरक्षी अधीक्षक के आवास तक अतिक्रमण अभियान चलाया जायेगा। अतिक्रमण अभियान में नगर प्रबंधक श्री ओम प्रकाश, सहायक लोक स्वच्छता अपशिष्ट प्रबंधन पदाधिकारी श्री विकास कुमार, सहायक अवर निरीक्षक श्री धीरज कुमार कोईलवर थाना, पुलिस अवर निरीक्षक रफीक आलम नगर थाना सहित पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं नगर निगम सभी सफाई निरीक्षक / वार्ड जमादार/सपुरवाईज / कर्मी आदि उपस्थित थे।

शतरंज चैंपियनशिप का पुरस्कार वितरण संपन्न

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । भोजपुर जिला शतरंज संघ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय सरत जैन मेमोरियल बिहार राज्य सब जूनियर ओपन और बालिका शतरंज चैंपियनशिप श्री मैना सुन्दर धर्मशाला जेल रोड आरा के सभागार में पुरस्कार वितरण समारोह मुख्य अतिथि ऑल बिहार शतरंज संघ के सचिव धर्मेंद्र कुमार के द्वारा संपन्न हो गया ।

उन्होंने आपने सम्बोधन ने कहा शतरंज खेल खेलने से एकाग्रता आती है मनोरंजन के साथ साथ बच्चो के मस्तिष्क का विकास होता है। उन्होंने भोजपुर मेंअगले वर्ष बिहार स्टेट सब जूनियर के चैंपियनशिप को रेटिंग टूनार्मेंट के रूप में आयोजित करने की बात कही। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ एस के रूंगटा और संरक्षक शुभ्रज सौम्य, दीपक प्रकाश जैन, धीरेन्द्र चंद्र जैन उपस्थित हुए। स्वागत और मंच संचालन सचिव डॉ मो सैफ अध्यक्षता डॉ के एन सिन्हा धन्यवाद ज्ञापन निशि जैन ने किया।

शम्भु शरण पांडे ने उप विकास आयुक्त का पदभार किया ग्रहण

प्रातः किरण संवाददाता

मोतीहारी। बिहार प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी शम्भु शरण पांडे ने गुरुवार को उप विकास आयुक्त, पूर्वी चंपारण सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिषद, पूर्वी चंपारण मोतिहारी के पद पर योगदान देते हुए पदभार ग्रहण किया। इसके पूर्व श्री पांडे अपर समाहर्ता सह अपर जिला दंडाधिकारी, सारण, छपरा के पद पर पदस्थापित थे।पदभार ग्रहण करने के पश्चात श्री पांडे ने बताया कि चंपारण की इस ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत से परिपूर्ण धरती का नमन कर मैंने पदभार ग्रहण किया है। यहां के नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से जिला में विकास के कार्यों को गति देने का प्रयास करूंगा। उप विकास आयुक्त श्री पांडे ने कहा कि जिलाधिकारी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सरकार की प्राथमिकता वाले क्षेत्र पर विशेष फोकस किया जाएगा। सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों को समय रहते सभी के सहयोग से पूर्ण कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्वी चंपारण जिला में पूर्व में भी कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है। ज्ञातव्य है कि श्री पांडे इसके पहले अरेराज एवं चकिया अनुमंडल में अनुमंडल पदाधिकारी के रूप में सफलतापूर्वक कार्य कर चुके हैं।

कृषि बीज उत्पादन तकनीक पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) कृषि विज्ञान केंद्र बिक्रमगंज में रबी फसलों के बीज उत्पादन तकनीक पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को रबी फसलों के बीज उत्पादन की तकनीकों से अवगत कराना है । प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए मत्स्य वैज्ञानिक डॉ. आर के जलज ने बताया कि उचित गुणवत्ता वाले बीज फसल की उत्पादकता को सीधे तौर पर प्रभावित करता है। फसलों के बीज उत्पादन करने से किसानों को अनाज उगाने की तुलना में 15 से 20 प्रतिशत अधिक मुनाफा मिलता है। वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षक संजू कुमारी ने उन्नत बीज की विशेषता एवं बीज प्रमाणन के मानकों के बारे में किसानों को बताया। जो किसानों को बीज उत्पादन के क्षेत्र में आगे आना चाहिए और धान, गेहूं, दलहन एवं तिलहन के बीजों का उत्पादन स्वयं करना चाहिए । इसके लिए बिहार सरकार द्वारा निबंधन कराया जाता है ।जिसे कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किया जा सकता है । डॉ रामाकांत सिंह ने बीज उत्पादन के लिए भूमि की तैयारी, खाद-बीज अनुपात पर विस्तृत रूप से जानकारी दी । डॉ रतन कुमार ने किसानों को बीजों के संरक्षण और भंडारण के तरीकों के बारे में बताया एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया ।

डॉ डी पी कुशवाहा ने किसानों को बीज प्रसंस्करण में उपयोगी अभियंत्रों के बारे में बताया। विशेषज्ञों ने आशा व्यक्त किया है कि यह पांच दिवसीय प्रशिक्षण किसानों को बीज उत्पादन करने में सफलता दिलाएगी ,जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।जिसमें बिक्रमगंज, दिनारा, कोचस एवं संझौली प्रखंड के 40 महिला एवं पुरुष किसानों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। जो महिला प्रशिक्षणार्थियों में जीविका समूह की सदस्य शारदा देवी,अनीता देवी, सुमंती कुमारी, शोभा देवी, गीता देवी सहित अन्य लोग शामिल हुए।कार्यक्रम दौरान पुरुष कृषकों में अंकित कुमार, संदीप कुमार, रविश कुमार, रवि कुमार, विनोद महतो, मनीष कुमार सहित अन्य किसान उपस्थित थे।

रोहतास एसपी ने दुर्गा पूजा स्थलों पर विधि व्यवस्था को लेकर किया निरीक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

सासाराम (रोहतास) रोहतास एसपी रौशन कुमार ने दुर्गा पूजा में बिधी व्यवस्था को लेकर विभिन्न थाना क्षेत्र में निरीक्षण किया।

एसपी रौशन कुमार ने बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान दुर्गा पूजा में बिधी व्यवस्था को लेकर सीसीटीवी कैमरा रौशनी पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती को लेकर निर्देश दिए। रोहतास पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार ने बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र के थाना क्षेत्र का दौरा करने के क्रम में सूर्यपुरा थाना पहुंचे। एसपी रौशन कुमार ने कहा कि दुर्गा पूजा हेतु बना पंडालों का सत्यापन,लाइसेंसधारियों का सत्यापन वोलेंटियर का भौतिक सत्यापन किया गया। साथ ही रूट का सत्यापन भी किया जा रहा है कि पूजा के दौरान पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति पूर्ण रूप सुनिश्चित हो सके।

संबंधित थानाध्यक्ष और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के द्वारा किए गए रूट सत्यापन के मोताबिक पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। वही एसपी ने शांति सौहार्द के साथ दुर्गा पूजा मनाने के लिए लोगों से अपील की।

निरीक्षण के दौरान विक्रमगंज एसडीपीओ कुमार संजय,थानाध्यक्ष प्रिया कुमारी, आदि मौजूद रहे। जहां एसपी ने अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों कि गिरफ्तारी के लिए निरंतर अभियान जारी रखने हेतु निर्देश दिया।

भोजपुर पुलिस द्वारा गिधा थाना क्षेत्र अंतर्गत धर्म कांटा संचालकों पर विरुद्ध कार्रवाई कि गई

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । भोजपुर पुलिस द्वारा अतिक्रमण को लेकर गिधा थाना क्षेत्र अंतर्गत धर्म कांटा संचालकों पर एवं प्रमाण को के विरुद्ध कार्रवाई की गई जिसको लेकर भोजपुर पुलिस अधीक्षक श्री राज ने बताया कि गीधा थाना अंतर्गत फोरलेन ठल-922 पर संचालित होने वाले धर्मकांटा 1. जय माता दी धर्मकांटा 2. सुरज धर्मकांटा 3. बाबा धर्मकांटा एवं 4. खुशी धर्मकांटा के संचालक एवं प्रबंधकों के विरुद्ध फोरलेन पर अवैध तरीके से बड़ी वाहनो को सड़क पर लगाकर अतिक्रमण एवं जाम करने, मुख्य सड़क पर बालू एवं अन्य पदार्थ फैलाकर दूसरे के जीवन को संकट में डालने, लोक मार्ग को क्षति पहुचाने एवं सरकारी कार्य में बाधा डालने को लेकर गीधा थाना पुलिस के द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए इन सभी संचालकों एवं प्रबंधकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कारवाई की जा रही है। इस संबंध में गीधा थाना कांड स0 140/24 दिनांक-02.10.2024 धारा-125/221/285 भा0 न्या0सं0 में प्राथमिकी दर्ज किया गया है।

माता रानी के कलश स्थापना के दिन निकली भव्य शोभा यात्रा

प्रातः किरण संवाददाता

रक्सौल। प्रखंड में लगभग हर पंचायत में मां का डोली यात्रा निकाला गया, जिसमें रघौता, भवानीपुर, गम्हरिया एवं सिहोरवा में ढोल ताशा के साथ हजारों महिलाएं कलश लेकर बंगड़ी नदी के किनारे पहुंचे। नदी में जल भरी के लिए ढोल ताशा के साथ निकले और पुनः अपने पंडाल में वापस आएं, जहां मां की कलश स्थापना किया गया। जहां महागठबंधन के पूर्व प्रत्याशी रामबाबू यादव, जिला परिषद पति मंजू साह, पूजा समिति संदीप कुमार, मुमताज आलम, बृजेश कुशवाहा, विंध्याचल साह, जोखन साह, विनोद साह, रामू राम, प्रमोद साह, हरीश, दिनेश कुशवाहा, रामरूप राम, रामपुकार ठाकुर, विनोद साह, दिनेश राम, संतोष सर्राफ सहित पूजा समिति के सदस्य आदि मौजूद थे।

मवेशी व्यापारी के साथ पशुपालक ने मारपीट कर 1.50 लाख रु छीना

काराकाट/(रोहतास) (प्रातः किरण संवाददाता) । काराकाट थाना क्षेत्र में गाय व भैंस के व्यापारी से एक लाख पचास हजार रुपए छिनने का मामला प्रकाश में आया है। बता दें कि थाना क्षेत्र के भरथाडीह निवासी अजय कुमार सिंह विगत 30 सितंबर को सर्वदानंद ने डिहरी निवासी बूढ़ा गोसाई के पुत्र संतोष गोसाई को भैंस खरीदने के लिए 509 रु अग्रिम राशि दिया था। लेकिन व्यापारी को मवेशी पसंद होने के कारण उसने नही खरीदा। इसके बाद पुनः 3 अक्टूबर को अपनी अग्रिम राशि मांगने उसके गांव पहुंचा। इसी क्रम में पशुपालक संतोष ने मवेशी व्यापारी जनार्दन और अजय को अपने घर में बुलाकर मारपीट करते हुए हथियार के बल पर 1 लाख 50 हजार रु छीन लिया। बता दें कि अजय कुमार सिंह और जनार्दन सिंह दोनों गाय और भैंस खरीदने व बेचने का कार्य करते हैं। हालांकि इस मामले में थानाध्यक्ष फुलदेव चौधरी द्वारा जानकारी लेने के बाद रुपए छीनने का मामला उनके संज्ञान में आया है। लेकिन अभी तक पीड़ित मवेशी व्यापारी के द्वारा कोई आवेदन थाना में नही दिया गया है।

दो बाइक चोर को पुलिस ने भेजा जेल

काराकाट/ (रोहतास) काराकाट थानो क्षेत्र अंतर्गत मोहनपुर गांव में बाइक चोरी करते ग्रामीणों ने दो चोरों को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया । घटना के संबंध में बताया जाता है कि मोहनपुर गांव में राजेश कुमार पिता स्वर्गीय सुरेंद्र सिंह की बाइक दरवाजे पर खड़ी थी। मौका पाकर दो चोरों ने मास्टर चाबी से बाइक को चालू कर दिया । बाइक जैसे हीं लेकर आगे बढ़े तब ग्रामीणों ने दोनों को पकड़ लिया। दोनों चोरों की पिटाई के बाद पुलिस के हवाले कर दिया। काराकाट थानाध्यक्ष फुलदेव चौधरी ने बताया कि चोरों के पास से मास्टर चाबी बरामद किया गया है । चोरों की पहचान काराकाट थाना क्षेत्र अंतर्गत सोनवर्षा निवासी गाया सिंह के पुत्र अमित कुमार उर्फ चंदन कुमार और कौपा निवासी शत्रुधन राम के 17 वर्षीय पुत्र विधि विरुद्ध बालक के रूप में की गई है ।

आरा में दिखेगा पंडाल का अद्भुत नजारा

45 फीट ऊंची होगी पंडाल , नवरात्र की हुई शुरूआत

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। शारदीय नवरात्र की शुरूआत गुरुवार से शुरू हो गई है। मां शैलपुत्री की पूजा अर्चना के साथ सभी श्रद्धालु पूजन कार्य में लग गए है। वहीं शहर में दुर्गा पूजा को लेकर तैयारियां युद्ध स्तर पर की जा रही है। पहली बार डॉक्टर ईशा गली के समीप संकट मोचन क्लब के द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमा रखी जायेगी। जिसे लेकर पंडाल समिति के सहयोगी बड़े बादशाह ने बताया कि पंडाल और मूर्ति में लगभग साढ़े सात लाख तक लागत का अंदाजा लगाया गया है। यहां खुद से कुछ नया क्रिएट कर पंडाल बनाया जायेगा। लाइट की व्यवस्था पक्की मोड़ से लेकर जज मोड़ तक की गई है।

ताकि पंडाल आने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी झेलनी ना पड़ें। पंडाल को 45 फीट ऊंचा और 40 फीट चौड़ा बनाया जा रहा है।

पंडाल समिति के अध्यक्ष अनिकेत राज ने बताया कि पिछले दो सालों से हमलोग दुर्जा पूजा रखने का सोच रहे थे। लेकिन किसी कारण से नहीं हो पा रहा था। सचिव जितेंद्र कुमार ने बताया कि इस बार संकट मोचन क्लब के द्वारा सामूहिक बैठक दो महीना पहले किया गया था, जिसमें यह फैसला लिया गया कि इस बार कई जगहों पर मां का पंडाल या पूजा किसी कारणवश नहीं हो पा रहा है। जिसके बाद हम सभी ने सोचा क्यों न हम लोगों को ही दुर्गा पूजा रखा जाना चाहिए।

सदस्य रजत सिंह ने बताया कि काफी दिन तक सोचा आखिर पंडाल कैसा होना चाहिए। जिसके बाद अलग-अलग थीम के तहत पंडाल बनाने का फैसला हुआ। अब पंडाल का अंतिम रूप दिया जा रहा है। सभी कारीगर बंगला के रहने वाले है। जो पंडाल के अंतिम चरण तक पहुंच गए है।

कोषाध्यक्ष भोला कुमार ने बताया कि यहां के पूजन पंडालों में श्रद्धालुओं की सर्वाधिक भीड़ देवी के दर्शन के लिए उमड़ती है। इसलिए सुरक्षा को लेकर समिति के सदस्यों को तैनात रखा जायेगा। ताकि जाम की समस्या उत्पन्न नहीं हो। संकट मोचन क्लब मां दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों में उपाध्यक्ष रोहन सिन्हा, महासचिव सुनील कुमार के साथ शिवम, अमरनाथ, राजकुमार मंटू, विकाश कुमार, प्रकाश, विष्णु, राहुल समेत अन्य सदस्य मौजूद है।

कारीसाथ गांव में नव दिवसीय श्रीमन भागवत कथा का शुभारम्भ

प्रातः किरण संवाददाता

भोजपुर :उदवंत नगर प्रखंड के करीसाथ गांव के शिव देवी हनुमत धाम के प्रांगण मे नव दिवसीय श्रीमन भागवत कथा का शुभारम्भ स्वामी के अन्यय भक्त श्रीमान आचार्य डॉक्टर धर्मेंद्र जी द्वारा किया गया आज नगर रामलीला समिति ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी इसमें डॉक्टर अर्चना अध्यक्ष विष्णु सेक्रेटरी मेजर राणा प्रताप सिंह कोषाध्यक्ष अवधेश पांडे जी रामकुमार पूर्वी डीएसपी अविनाश बखोरापुर मंदिर ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी जिसमें मुख्य संरक्षक गोपाल रवि शंकर कार्य साथ हॉस्पिटलके डॉक्टर कारी साहब हाय स्कूल के प्रिंसिपल दुबे जी इत्यादियों ने पूजा पाठ करके प्रोग्राम को शुरू किया आरती की बखोरापुर मंदिर ट्रस्ट से आए हुए सैकड़ो चुनरी हमारी गांव के महिलाओं को दिया गया शिवादेवी हनुमत धाम कमेटी द्वारा आगुंतोक सभी को अंगवस्त्र और मां का प्रसाद देखकर सम्मानित किया गया साथी जितने हमारे पत्रकार भाई लोग आए थे उनको भी अंग वास्तव देखकर सम्मान किया गया आज आचार्य जी द्वारा 3:00 बजे से लेकर 6:00 बजे तक भागवत कथा काअध्याय शुरू किया गया और विस्तार रूप में किया गया लोग मगन बुद्ध होकर देखें सैकड़ो सैकड़ो लोग आए हुए थे गांव के सभी माताए बहने भाई बंधु सब कोई भी लगा हुआ था 7:30 मंदिर कमेटी खेलो जिसमें भैया राणा प्रताप सिंह सुरेंद्र कुमार सिंह बीरबल कुमार अशोक सिंह आदि मौजूद थे

नवरात्र कलश स्थापन के साथ महाविद्यालय में मां दुर्गा पाठ का आयोजन

● भाजपा नेता डॉ. मनीष बोलें शक्तिपीठ मां अम्बे पूजन से होते है कष्ट दूर

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) स्थानीय शहर के वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर में गुरुवार को शारदीय नवरात्रि के प्रारंभ होते ही विधि- विधान,मंत्रोचारण एवं धूम धाम से कलश स्थापित किया गया। भाजपा नेता डॉ मनीष रंजन ने बताया कि 11 बजकर 48 मिनट पर विधि विधान एवं मंत्रोचारण के साथ पंडित हरिशंकर मिश्रा के द्वारा कलश स्थापन एवं दुर्गा सप्तशती का पाठ किया गया। डॉ रंजन ने कहा कि शारदीय नवरात्रि में नौ दिनों तक मां दुर्गा के अलग अलग स्वरूपों का पूजन किया जाता है। शास्त्रीय नवरात्रि नारी शक्ति का पर्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मां दुर्गा की आराधना का सबसे श्रेष्ठ समय नवरात्रि है। नवरात्रि के नौ दिनों के दौरान मां के अलग-अलग नौ स्वरूपों की आराधना की जाती है। नवरात्रि का हर दिन मां के विशिष्ट स्वरूप को समर्पित होता है और हर स्वरूप की अलग महिमा होती है। आदिशक्ति जगदम्बा के हर स्वरूप से अलग-अलग मनोरथ पूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा कि कलश स्थापना एवं पाठ का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारियों की मंगल कामना हेतु तथा काराकाट विधानसभा की समस्त जनता के खुशियों की कामना हेतु किया जा रहा है.मां का आशीर्वाद हम सभी पर ऐसे ही बना रहे.पाठ के दौरान पूरा महाविद्यालय परिवार भक्ति रस में डूब गया है। साथ ही डॉ रंजन ने कहा कि नौ दिनों तक मां का पाठ चलेगा और नवमी के दिन विधिवत रूप से हवन एवं पूर्णाहुति किया जाएगा। पूजा में मुख्य रूप से महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुरेंद्र कुमार सिंह एवं अभय कुमार सिंह शामिल हैं। साथ ही वीर बहादुर सिंह,उमाशंकर सिंह,प्रियतम कुमार,रंजीत कुमार चौधरी,शशिभूषण प्रसाद,अनिल कुमार, रमेश कुमार,नरेंद्र कुमार सिंह,रोहित कुमार तिवारी,मंटू कुमार चौधरी,चंदेश्वर पांडे,आलोक राम सहित समस्त कर्मी उपस्थित थे।

आरण्य देवी के दर्शन के लिए भक्तों का उमड़ा जनसैलाब

● शाम में महिलाओं और युवतियों ने माता के मंदिर में जलाए दीप

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन गुरुवार को देवी दुर्गा के प्रथम स्वरूप की पूजा-अर्चना की गई। पूजन करने के लिए मंदिर में भारी भीड़ उमड़ी रही। आरा शहर की अधिष्ठात्री देवी मां आरण्य देवी के मंदिर में पूजन एवं दर्शन को लेकर गुरुवार की अहले सुबह से ही महिला-पुरुष श्रद्धालु भक्तों का जनसैलाब उमड़ पडा। लोग देवी दर्शन के लिए कतार में खड़े दिखे। मां आरण्य देवी की मूर्ति एवं मंदिर परिसर को आकर्षक ढ़ंग से सजाया गया है। ह्यआरण्य देवी मैया की जयह्न तथा ह्यसच्चे दरबार की जयह्न के जयकारे से पुरा वातावरण गुंजायमान रहा। मां अरण्य देवी मंदिर विकास ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा माता के मंदिर में पूजा-अर्चना की गई। जिसमें सभी ट्रस्टी बंधुओ ने भाग लिया। शाम में महिलाओं और युवतियों ने माता के मंदिर में दीप जलाया। दीप जलाने का सिलसिला शाम 4 बजे से संध्या 8 बजे तक चलता रहा। 8 बजे मां आरण्य देवी की संध्या आरती हुई। इस दौरान मां को मेवा, दूध से निर्मित खीर का भोग लगाया गया। आरती के पश्चात प्रसाद का वितरण श्रद्धालु भक्तों में हुआ। बता दें कि आरा का आरण्य देवी का मंदिर सिद्धपीठ है। ऐसा कहा जाता है कि द्वापर युग में यहां पांडवों ने देवी का दर्शन किया था। उस समय आरा शहर आरण्य वन के नाम से मशहूर था। इस मंदिर सालों भर श्रद्धालु भक्तों की भीड़ उमड़ी रहती है। चैत्र तथा शारदीय नवरात्र में यहां तिल रखने की जगह नहीं होती है। इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत है कि यहां पशु बलि नहीं दी जाती है। बल्कि मां को नारियल चढ़ाया जाता है।

जयप्रकाश आंदोलन के दौरान शहीद हुए माल बाबू महाराज की 50 वीं जयंती समारोह मनाई गई

प्रातः किरण संवाददाता

एकमा । स्थानीय मिलन पैलेस के प्रांगण में जेपी सेनानी एवं प्रबुद्ध लोगों ने एकमा नगर पंचायत के वार्ड संख्या चार निवासी स्व गोपाल जी राय का पुत्र शहीद माल बाबू का 50 वां जंयती समारोह पूर्वक मनाई गई। आज ही के दिन 3 अक्टूबर 19 74 ई में जेपी आंदोलन के दौरान पुलिस के गोलियों से जान गंवानी पड़ी थी उनकी 50 वीं शहादत पर सामान समारोह आयोजित की गई । जिसकी अध्यक्षता जेपी सेनानी संघ के जिला अध्यक्ष सांवलिया गिरी ने किया वहीं संचालन अजय श्रीवास्तव ने किया । इस दौरान उपस्थित जेपी सेनानियों एवं अन्य वक्ताओं में प्रो ओम प्रकाश सिंह माहेश्वर तिवारी रामजी तिवारी रामायण जीवन दानी अरविंद श्रीवास्तव दरोगा सिंह नागेंद्र सिंह आदि वक्ताओं ने अपनी-अपने विचार रखा इसके पूर्व उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय माल बाबू की तेलिया चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया । इस कार्यक्रम में उपस्थित सीओ राहुल शंकर ने शहीद माल बाबू महाराज के परिजन व वार्ड प्रतिनिधि चंदन महाराज व छोटे भाई संतोष महाराज को फूल माला पहनकर उन्हें अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया । वहीं नगर अध्यक्ष श्वेता रानी ने जेपी आंदोलन के सर्वजीत श्रीवास्तव की पत्नी आशा देवी को फूल माला व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर नगर के वार्ड प्रतिनिधि विजय सिंह जयप्रकाश शर्मा राकेश कुमार अमित चौधरी उमेश प्रसाद बैठा राजू सिंह नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि दीपक राज के अलावे समाज सेवी एवं प्रबुद्ध लोगों में बच्चा महाराज तेज प्रताप पाण्डेय आदि थे।

13 दिवसीय रामलीला का मंचन प्रारंभ

प्रथम दिन गणेश पूजन व नारद मोह का कलाकारों ने किया मंचन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा भोजपुर। 400 वर्ष पुरानी नगर रामलीला समिति के द्वारा रामलीला मैदान के मंच पर आज से 13 दिवसीय रामलीला मंचन का कार्य कर्म प्रारंभ हुआ वृंदावन की मंडली ने प्रथम दिन गणेश पूजन के साथ नारद मोह की प्रस्तुति की सैकड़ो संख्या में दर्शकों ने रामलीला का आनंद उठाया सर्वप्रथम सभी सदस्यों ने मंच पर प्रभु श्री राम की आरती की कार्यक्रम में मौजूद श्री श्री 1008 श्रीरामकिंकर दास जी और अयोध्या नाथ जी ने आशीर्वचन देकर कार्यक्रम का शुभ आरंभ किया. अध्यक्ष सोनू राय ने कहा कि आधुनिक युग में मोबाइल व अन्य आधुनिक उपकरणों के जंजाल में युवा पीढ़ी भटक रही है उनको सही मार्ग दिखाना ही हमारे कार्यक्रम का उद्देश्य है. प्रभु श्री राम की लीला को देखकर उनके आदर्श व उपदेशों को अपनाना ही मानवीय जीवन का आधार है. इसलिए आज की युवा का ऐसे कार्यक्रमों में रुचि लेना अनिवार्य बनता है .उपाध्यक्ष संजीव गुप्ता जी ने कहा कि इस कार्यक्रम में किसी भी तरह की कोई आर्थिक परेशानी नहीं होगी सारी तैयारियां करीब करीब पूरी हो चुकी है इस साल की रामलीला भव्य व आकर्षक होगी. मंच संचालन अधिवक्ता दिलीप गुप्ता जी ने किया कार्यक्रम के प्रवक्ता पंकज प्रभाकर ने बताया इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आज हकीम प्रसाद, संजीव गुप्ता, शंभू नाथ प्रसाद, रामेश्वर प्रसाद, मदन प्रसाद, और संस्था के सभी सदस्य कार्यक्रम में मौजूद थे ।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर व नॉर्मल मीटर का टैरीफ उपभोक्ता के लिए एक समान

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज अंतर्गत पांच प्रशाखा है एवं सभी उपभोक्ताओ के परिसर मे स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने का कार्य प्रगति पर है। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा बताया गया की स्मार्ट प्रीपेड मीटर सभी उपभोक्ताओं के परिसर मे निःशुल्क लगाया जा रहा है तथा मीटर लगाते समय कर्मियों का सहयोग करें एवं किसी भी प्रकार के अवरोध उत्पन्न न करें। एसडीओ के द्वारा आगे बताया गया की उपभोक्ताओं के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर पहली बार मीटर रिचार्ज करने हेतु मैसेज प्राप्त होने के बाद दो दिनों का समय दिया जाता है तथा बैलेंस शून्य अथवा निगेटिव होने पर उपभोक्ता को एसएमएस के माध्यम से रिचार्ज करने हेतु सुचना दी जाती है। उपभोक्ता द्वारा रिचार्ज नहीं करने पर वे दो दिनों तक बिजली का उपभोग कर सकते हैं, इसके बाद भी रिचार्ज नहीं करने पर तीसरे दिन केवल कार्य दिवस को सुबह 10 बजे से दिन के 1 बजे के बीच ही बिजली स्वतः काट जाती है साथ ही साथ रिचार्ज होने के बाद बिजली स्वतः चालू हो जाती है। बता दें की राज्य सरकार द्वारा निर्धारित छुट्टी एवं रविवार के दिन बिजली नहीं काटी जाती है एवं रात मे भी विद्युत विभाग द्वारा बिजली नहीं काटी जाती है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर एवं नॉर्मल मीटर का टैरीफ एक सामान है, उपभोक्ता किसी भी भ्रान्ति का शिकार न हों। स्मार्ट मीटर से सम्बंधित एप्प के माध्यम से उपभोक्ता दैनिक, साप्ताहिक एवं मासिक बिजली खपत की जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं। स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगे हुए उपभोक्ता को बिजली बिल जमा करने हेतु बिजली कार्यालय काउंटर पर जाने की आवश्यकता भी नहीं है। उपभोक्ता ऑनलाइन के माध्यम से बिजली बिल जमा कर सकते हैं। आपको बता दें की बिक्रमगंज शहरी क्षेत्र मे कुल 9890 एवं ग्रामीण क्षेत्र मे 81127 उपभोक्ता हैं। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज द्वारा अखबार के माध्यम से उपभोक्ताओं से आग्रह की गयी है स्मार्ट मीटर बदलने के दौरान सहयोग की जाय, उक्त कार्यों मे किसी भी उपभोक्ताओं के द्वारा बाधा उत्पन्न किया जाता है तो बिहार विद्युत आपूर्ति संहिता की धारा 8.2 एवं 8.6 (सी) के तहत्त कम्पनी हित में कर्तव्य निर्वहन का उल्लंघन मानते हुए परिसर की विद्युत आपूर्ति को काटते हुए सरकारी कार्य में बाधा डालने के विरूद्ध कानूनी कार्यवाई की जा सकती है।

सोहम शाह ने निर्देशक राही अनिल बर्वे के साथ मतभेद से किया इनकार, तुम्बाड़ 2 पर साझा किया अपडेट

तुम्बाड़ अभिनेता-निर्माता सोहम शाह ने फिल्म निर्माता राही अनिल बर्वे के साथ संभावित मतभेद की अटकलों को खारिज कर दिया है। हाल ही में सोहम ने कहा कि राही उनकी जिंदगी का अहम हिस्सा हैं। अटकलें तब शुरू हुईं, जब राही ने तुम्बाड़ 2 से अलग होने की घोषणा करते हुए एक इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर की।

सोहम शाह ने कहा, कोई समस्या नहीं है। हम लंबे समय से तुम्बाड़ 2 बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, हम लेखन चरण में स्क्रिप्ट को क्रैक करने में सक्षम नहीं थे। हम अंधाधुन के लेखक योगेश चंदेकर और मोनिका ओ माय डार्लिंग के साथ काम कर रहे हैं। हमें आखिरकार यह मिल गया है। राही गुलकंद टेल्स और रक्त ब्रह्माण्ड जैसे मेगा शो पर काम कर रहे हैं। वह पिछले कुछ सालों से इन बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं।

सोहम ने कहा, हाल ही में हमने एक स्क्रीनिंग की थी और राही वहां थे। उन्होंने ही फिल्म के किरदार विनायक के लुक को डिजाइन किया था। जब भी हम तुम्बाड़ 2 बना रहे होंगे और हमें उनकी जरूरत होगी, वह वहां होंगे। और मुझे लगता है कि यह इसके विपरीत है, क्योंकि जब भी उन्हें मेरी जरूरत होगी मैं हमेशा उनके लिए मौजूद रहूंगा। राही मेरी जिंदगी का अहम हिस्सा हैं। ऐसा नहीं है कि हम दोस्त थे और साथ काम करना शुरू कर दिया। हम सहकर्मियों के तौर पर मिले और फिर दोस्ती हो गई। वह ही हैं जो मुझे बड़े प्रोजेक्ट करने के लिए प्रेरित करते रहते हैं। वह चाहते हैं कि मैं अल्फा मैन की भूमिकाएं निभाऊं। उन्होंने ही मुझमें इस तरह का आत्मविश्वास भरा है। हम वाकई अच्छे हैं। अभिनेता ने तुम्बाड़ 2 पर अपडेट भी साझा किया। उन्होंने कहा, हमने कहानी को अंतिम रूप दे दिया है और मैं इसके बारे में इतना ही कह सकता हूं। हम जल्द ही इसे फ्लोर पर ले जाएंगे। मुझे टीम द्वारा इससे ज्यादा बात न करने की चेतावनी दी गई है। हम तुम्बाड़ को फिर से रिलीज करने और सिनेमाघरों में इतना अच्छा प्रदर्शन करने के साथ ही एक चक्र पूरा करने में कामयाब रहे हैं। हम सीक्वल पर भी काम शुरू करेंगे। दरअसल अपनी पोस्ट में राही ने एक कई फिल्में बनाने की अपनी इच्छा व्यक्त की और अगले साल अगला अध्याय पहाड़पंगिरा शुरू करने की योजना का खुलासा किया। फिल्म निर्माता ने तुम्बाड़ फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाने के लिए सोहम और निर्देशक आदेश प्रसाद को अपनी शुभकामनाएं भी दीं। इस पोस्ट पर कई लोगों ने अनुमान लगाए कि सोहम और राही के बीच मनमुटाव हो गया था, जिसके परिणामस्वरूप बाद में बहुप्रतीक्षित सीक्वल से बाहर हो गए।

मुझे सब कुछ आजमाना है, आलोचना पर बोलीं तृप्ति डिमरी

एनिमल में अपने किरदार से दर्शकों के बीच सुर्खियां बटोरने वाली अभिनेत्री तृप्ति डिमरी अपनी आगामी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को लेकर चर्चा में चल रही हैं। कुछ दिनों पहले अभिनेत्री का फिल्म से एक आइटम सॉन्ग काफी वायरल हुआ था। हालांकि, गाने के रिलीज होने के बाद से ही तृप्ति को गाने के स्टेप्स को लेकर काफी ट्रोल किया गया। अब आखिरकार अभिनेत्री ने इस पर चुप्पी तोड़ी है। आइए जानते हैं कि उन्होंने क्या कहा है। अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के गाने मेरे महबूब में उनके डांस के लिए मिली आलोचना के बारे में बात की। तृप्ति ने एक साक्षात्कार में कहा कि उन्हें ऐसा होने का अंदाजा नहीं था, और उन्होंने जोर देकर कहा कि गलतियां करना और उनसे सीखना खेल का एक हिस्सा है। तृप्ति का कहना है कि अभिनय उनका पहला प्यार नहीं था, न ही डांस। हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया के साथ एक साक्षात्कार में अभिनेत्री ने उनके डांस को लेकर आलोचनाओं के बारे में पूछा गया और क्या उन्हें शूटिंग के दौरान पता चला कि कुछ कमी है। उन्होंने कहा, सच में नहीं। एक कलाकार के रूप में, मैं अलग-अलग चीजें करने की कोशिश कर रही हूं। पहले, मैंने सोचा कि एक अभिनेत्री होने के लिए आपको केवल अभिनय जानने की जरूरत है, और आप ठीक हो जाते हैं। तृप्ति ने आगे कहा, जब चीजें सच हो गईं, तो मुझे एहसास हुआ कि जब आपको शो की पेशकश की जाती है, तो आपको ठीक से चलना आना चाहिए, जब आपको एक डांस नंबर की पेशकश की जाती है, तो आपको पता होना चाहिए कि कैसे अच्छा डांस करना है। तृप्ति ने कहा कि वह अभी भी काम कर रही हैं। अभिनेत्री ने कहा, मुझे सब कुछ आजमाना है, लेकिन हर चीज में कोई अच्छा नहीं हो सकता। कोशिश करने में क्या बुराई है? आपको अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा। मुझे शूटिंग के दौरान इसका एहसास नहीं हुआ। यह मेरा पहला डांस नंबर था, मैंने इससे पहले ऐसा कोई डांस नंबर नहीं किया था। और मैंने नहीं सोचा था कि इसे इस तरह की प्रतिक्रिया मिलेगी। लेकिन यह ठीक है। यह सबके साथ होता है। कुछ चीजें ऐसी होती हैं जो लोगों को पसंद आती हैं, कुछ चीजें ऐसी होती हैं जो लोगों को पसंद नहीं आती हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप प्रयोग करना बंद कर दें।

डेब्यू के बाद अंजिनी धवन के हाथ लगी सलमान खान की फिल्म?

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन की भतीजी अंजिनी धवन ने अभिनेता पंकज कपूर के साथ बिन्नी एंड फैमिली से बॉलीवुड में डेब्यू किया। भले ही इस ड्रामा ने बॉक्स ऑफिस पर कोई खास प्रभाव नहीं डाला हो, लेकिन ऐसा लगता है कि अब अभिनेत्री ने अपना दूसरा प्रोजेक्ट हासिल कर लिया है और यह एक बहुत बड़ा प्रोजेक्ट है।

कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अंजिनी को सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म सिकंदर में के महत्वपूर्ण भूमिका के लिए चुना गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सिकंदर में अंजिनी को एक महत्वपूर्ण भूमिका में लिया गया है, जिसके लिए एक नए चेहरे की आवश्यकता है और वह उस विवरण में पूरी तरह से फिट बैठती हैं। उम्मीद है कि धवन जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे। यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि अंजिनी के किरदार का सलमान के नायक के साथ क्या रिश्ता होगा, क्योंकि टीम उसकी भूमिका को गुप्त रखने का इरादा रखती है, क्योंकि वह कहानी की महत्वपूर्ण कड़ी होंगी। हालांकि, इस बारे में निर्माताओं की ओर से अधिकारी जानकारी का इंतजार है। सिकंदर सलमान खान और निर्देशक एआर मुरुगादॉस की पहली फिल्म है। दोनों मिलकर एक एक्शन ड्रामा फिल्म बना रहे हैं, जिसमें रश्मिका मंदाना, सत्यराज और काजल अग्रवाल भी हैं। फिल्म की शूटिंग जून 2024 में मुंबई में शुरू हो चुकी है। फिल्म में अभिनेता शरमन जोशी भी हैं। शरमन और सलमान की जोड़ी फिल्म में एक अनोखी है और उन्होंने अपने सीन की शूटिंग शुरू कर दी है। शरमन ने भी फिल्म के लिए शूटिंग शुरू कर दी है।

एआर मुरुगादॉस और उनकी टीम इस समय मुंबई में 15 करोड़ रुपये की लागत वाले एक भव्य सेट पर संवाद दृश्यों और गानों का फिल्मांकन कर रही है। एक बार जब वे हलचल भरे शहर में फिल्मांकन समाप्त कर लेंगे तो सिकंदर की टीम एक महल में एक महीने तक अतिरिक्त शूटिंग के लिए हैदराबाद जाएगी। यह एक्शन से भरपूर फिल्म ईद 2025 पर रिलीज होने वाली है, जिसकी शूटिंग दिसंबर 2024 तक पूरी करने की योजना है। सिकंदर का साउंडट्रैक प्रीतम ने बनाया है और इसमें डांस ट्रैक, रोमांटिक गाने और एक इमोशनल पीस का मजा होगा। सिकंदर को खत्म करने के बाद सलमान खान जनवरी या फरवरी 2025 के आसपास एटली के साथ अपना अगला प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए तैयार हैं। फिलहाल अभिनेता बिग बॉस 18 को होस्ट करने के लिए भी तैयार हैं।

भूमि पेडनेकर ने पूरी की दलदल की शूटिंग

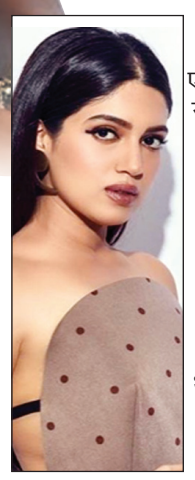

भूमि पेडनेकर ने अपनी आगामी वेब सीरीज दलदल की शूटिंग आधिकारिक तौर पर पूरी कर ली है। अमृत राज सिंह द्वारा निर्देशित इस सीरीज में भूमि एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगी, जिसे वह अब तक के अपने सबसे मुश्किल किरदारों में से एक मानती हैं। अभिनेत्री ने इस प्रोजेक्ट के बारे में अपने विचार सोशल मीडिया पर व्यक्त किए और इसे चुनौतियों और जीत से भरा एक साल का सफर बताया। भूमि ने दलदल को जीवंत करने के लिए आवश्यक समर्पण को दर्शाया। उन्होंने परियोजना के प्रति अपने जुनून को बनाए रखते हुए मुंबई के मानसून से जूझने सहित कठिन परिस्थितियों पर काबू पाने में टीम के प्रयासों के बारे में बात की। उन्होंने लिखा, बेशक, मेरे सबसे मुश्किल पात्रों में से एक है यह, मैं नर्वस हूं। मुझे शो में ऐसे शानदार कलाकारों और रचनाकारों के साथ काम करने का अवसर मिला। दलदल के अलावा भूमि को आखिरी बार फिल्म भक्षक में देखा गया था, जहां उन्होंने वैशाली सिंह का किरदार निभाया था। भूमि अपनी अगली परियोजना द रॉयल्स के लिए भी तैयार हैं।

जयम रवि करना चाहते हैं बॉलीवुड डेब्यू!

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने एक्टर जयम रवि अपनी वाइफ आरती से तलाक के ऐलान के बाद चेन्नई छोड़कर मुंबई शिफ्ट हो गए हैं। नया ऑफिस सेटअप करने के बाद जयम अब बॉलीवुड में अपनी किस्मत आजमाना चाहते हैं। उन्होंने तलाक की अर्जी दी है और अपना सामान वापस पाने के लिए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। साथ ही अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ी अफवाहों पर भी रिएक्शन दिया है। जयम रवि बीते कई दिनों से तलाक की खबरों को लेकर सुर्खियों में हैं। वो हाल ही में मुंबई आए। उन्हें फैंस और पपाराजी से रूबरी होते हुए देखा गया। फिल्मीबीट की रिपोर्ट के अनुसार, जयम रवि के मुंबई आने के पीएक एक कारण है। जयम रवि की पत्नी आरती पर सिंगर केनिशा ने लगाए बदसलूकी के आरोप, कहा- मेरे पास सबूत, कोर्ट में दिखा सकती हूं

बॉलीवुड में डेब्यू करना चाहते हैं जयम रवि

अपनी बीवी आरती से तलाक का ऐलान करने के बाद जयम रवि ने उनसे दूर जाने का फैसला किया, इसलिए वो अब चेन्नई से मुंबई चले आए हैं। जयम ने मुंबई में एक नया ऑफिस भी सेटअप किया है, क्योंकि वो बॉलीवुड फिल्ममेकर्स की कहानियां सुनने के लिए तैयार हैं और हिंदी डेब्यू करना चाहते हैं।

सिंगर के साथ रिलेशनशिप की अफवाह!

आरती के साथ 15 साल की शादीशुदा जिंदगी बिताने के बाद जयम ने तलाक के लिए कोर्ट में याचिका दायर की है। उन्होंने अपना सामान वापस पाने के लिए आरती के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने एक सिंगर के साथ रिलेशनशिप की अफवाहों को भी निराधार बताया है।जयम रवि के तलाक पर आपसी सहमति से इनकार करने के बाद आरती ने अभी तक इसपर अपना पक्ष नहीं रखा है। दोनों की शादी साल 2009 में हुई थी। ये लव मैरिज थी। दोनों के घरवाले भी इस शादी के लिए राजी थे। इनके दो बेटे हैं। बड़े बेटे आरव ने पिता के साथ पर्दे पर काम भी किया है।

बिग बॉस 18 के लिए इन सितारों के नाम पर लगी मुहर

सलमान खान अपने हिट रिएलिटी शो बिग बॉस के नए सीजन के साथ टेलीविजन पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। 18वां सीजन 6 अक्टूबर को एक भव्य प्रीमियर के साथ शुरू होगा, जिसमें नए प्रतियोगी, नई थीम और एक अपडेटेड हाउस पेश किया जाएगा। प्रशंसक बिग बॉस 18 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं, कई लोग भाईजान के इस शो की कंफर्म लिस्ट को लेकर भी तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। हालांकि, कुछ नाम मेकर्स ने खुद कंफर्म कर दिए हैं।

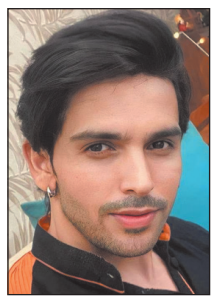

निया शर्मा

निया शर्मा एक लोकप्रिय भारतीय टेलीविजन अभिनेत्री हैं। निया अपनी बोल्ड भूमिकाओं और बेबाक बयानों के लिए जानी जाती हैं। 17 सितंबर, 1990 को दिल्ली में जन्मी निया ने अभिनय में आने से पहले पत्रकारिता में डिग्री हासिल की। उनकी सफल भूमिका टीवी शो एक हजारों में मेरी बहना है से आई, जहां उन्होंने मानवी का किरदार निभाया। निया ने अपने अभिनय से बहुत प्रसिद्धि प्राप्त की।

शहजादा धामी

शहजादा धामी एक उभरते हुए भारतीय टेलीविजन अभिनेता और मॉडल हैं, जो अपने अभिनय और लुक के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने पहली बार लोकप्रिय टीवी सीरीज ये जादू है जिन्न का में अपनी भूमिका से से दर्शकों की तारीफें बटोरी थी, जहां वे अपनी आकर्षक स्क्रीन प्रेजेंस और अभिनय कौशल के कारण जल्दी ही प्रशंसकों के पसंदीदा बन गए। शहजादा ने उसके बाद कई और टेलीविजन शो में काम किया है।

नायरा बनर्जी

नायरा बनर्जी को मधुरिमा बनर्जी के नाम से भी जाना जाता है। वह एक भारतीय अभिनेत्री और मॉडल हैं, जिन्होंने हिंदी, तेलुगु, तमिल और कन्नड़ सिनेमा में काम किया है। 14 मई, 1987 को मुंबई, महाराष्ट्र में जन्मी नायरा ने मनोरंजन इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले कानून की डिग्री हासिल की। उनके अभिनय करियर की शुरुआत दक्षिण भारतीय फिल्मों से हुई।

एलिस कौशिक

एलिस कौशिक टीवी की जानी मानी अभिनेत्री हैं। एलिस शो पंड्या स्टोर में रावी पंड्या के किरदार में नजर आई, उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में जगह बना ली। इसके अलावा एलिस ने दीपिका कक्कड़ के साथ ससुराल सिमर का और कहां हम कहां तुम जैसे टीवी शोज में काम किया।

12 नवंबर से अस्तित्व में नहीं रहेगी विस्तारा, एयर इंडिया के साथ विलय के बाद मिलेगा एआई 2 फ्लाइट नंबर

नईदिल्ली, एजेंसी। विस्तारा एयरलाइन 12 नवंबर से अस्तित्व में नहीं रहेगी। एयर इंडिया के साथ विलय के बाद इसे एआई2 फ्लाइट नंबर मिलेगा। हालांकि, विस्तारा की उड़ानें कम से कम मार्च तक अपने मूल फ्लाइट नंबर के साथ संचालित होंगी।

एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि विस्तारा और एयर इंडिया की टीमें पिछले एक साल से विलय की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए काम कर रही हैं। विलय के बाद, विस्तारा के विमान, क्रू और सेवाएं पहले की तरह ही रहेंगी, लेकिन फ्लाइट नंबर एआई2 आदि होंगे। समानांतर में, एयर इंडिया के संकीर्ण बेड़े को नए विमानों की आपूर्ति के साथ उन्नत किया जा रहा है, पुराने विमानों को पूरी तरह से नए इंटीरियर के साथ परिष्कृत किया जा रहा है और विस्तारा की खानपान व्यवस्था अब एयर इंडिया तक भी विस्तारित हो गई है।

एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, हम दोनों एयरलाइनों

की गौरवशाली विरासतों और सर्वोत्तम प्रथाओं का लाभ उठाने के लिए तत्पर हैं, क्योंकि हम एक नया एयरलाइन समूह बना रहे हैं, जिस पर भारत को गर्व हो सकता है।

इसका मतलब है कि विस्तारा की वर्तमान फ्लाइट यूके123, 12 नवंबर से एआई2123 हो जाएगी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि यह व्यवस्था अगले साल जब महत्वपूर्ण परिचालन परिवर्तन लागू होंगे, तो भी जारी रहेगी या नहीं।

एयरलाइन अधिकारियों ने कहा कि विस्तारा 12 नवंबर से अस्तित्व में नहीं रहेगी, लेकिन इसके विमान, मार्ग और क्रू कम से कम मार्च तक पहले की तरह ही काम करेंगे।

एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि विस्तारा के विमान अपने सभी मूल गंतव्यों पर कम से कम मार्च तक उड़ान भरेंगे। यह व्यवस्था मई तक भी बढ़ सकती है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि एयर इंडिया के पुराने नैरोबॉडी बेड़े का रेट्रोफिटिंग सितंबर से शुरू हुआ है और मई मध्य तक पूरा होने की उम्मीद है। अधिकारी ने कहा, विस्तारा के विमान या पोशाक में वास्तविक परिवर्तन 2025 की दूसरी तिमाही से शुरू हो सकता है।

जुलाई-सितंबर के दौरान खूब बिके मकान

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के आठ बड़े शहरों में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान घरों की बिक्री सालाना 5 प्रतिशत बढ़कर 87,108 यूनिट हो गई है। रियल एस्टेट कंसल्टेंट नाइट फ्रैंक इंडिया की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान प्रमुख शहरों में बिक्री में गिरावट के विपरीत, एक सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है।

2024 की सबसे अधिक तिमाही बिक्री- रिपोर्ट में बताया गया है कि इस साल रेसिडेंशियल मार्केट में अच्छी रफ्तार देखने को मिली है, जिससे इस तिमाही में साल की सबसे अधिक बिक्री हुई। नाइट फ्रैंक इंडिया के सीएमडी शिशिर बैजल के अनुसार, घरों की बिक्री में बढ़ोतरी का मुख्य कारण 1 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले प्रीमियम आवास की मांग है। हालांकि, किफायती आवास खंड में बिक्री में गिरावट आई है, जिसका कारण उपलब्धता और खरीदने की क्षमता की चुनौतियां हैं।

मुंबई में सबसे अधिक बिक्री- रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर को छोड़कर सभी बड़े शहरों में घरों की बिक्री में वृद्धि हुई है। मुंबई में सबसे अधिक बिक्री 24,222 यूनिट्स पर हुई, जो बाजार का नया उच्च स्तर है और यहां बिक्री में साल-दर-साल 9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। बेंगलुरु में 14,604 यूनिट्स के साथ 11 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जबकि पुणे में 1 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ बिक्री 13,200 यूनिट्स तक पहुंच गई।

हालांकि, दिल्ली-एनसीआर में बिक्री में 7 प्रतिशत की कमी आई है, जिससे यहां आवासीय संपत्तियों की बिक्री 12,976 यूनिट्स रह गई। अहमदाबाद और कोलकाता में क्रमशः 11 प्रतिशत और 14 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

अडानी की गूगल के साथ डील, अब दोनो मिलकर करेंगे काम

नईदिल्ली, एजेंसी। अडानी समूह से जुड़ी एक बड़ी डील की खबर है। अडानी समूह ने दिग्गज टेक कंपनी गूगल के साथ डील की है। यह डील क्लीन एनर्जी को लेकर है। इस समझौते के जरिए अडानी ग्रुप गुजरात के

खावड़ा में दुनिया के सबसे बड़े रिन्यूएबल एनर्जी प्लांट में स्थित एक नई सोलर-विंड हाइब्रिड परियोजना से क्लीन एनर्जी की सप्लाई करेगा। इस नई परियोजना के 2025 की तीसरी तिमाही तक कमर्शियल ऑपरेशन शुरू होने की उम्मीद है। गूगल ने यहां 'गूगल फॉर इंडिया' कार्यक्रम में इसकी घोषणा की, जबकि अडानी समूह ने बयान में इसके बारे में डिटेल जानकारी दी।

अडानी समूह ने क्या कहा- अडानी समूह के बयान में कहा, '' इस साझेदारी के जरिये अडानी गुजरात के खावड़ा में दुनिया के सबसे बड़े अक्षय ऊर्जा संयंत्र में स्थित एक नई सौर-पवन हाइब्रिड परियोजना से स्वच्छ ऊर्जा की आपूर्ति करेगी। इस नई परियोजना का वाणिज्यिक परिचालन 2025 की तीसरी तिमाही में शुरू होने की उम्मीद है।

राजन बोले- नीतिगत ब्याज दर तय करते समय खाद्य मुद्रास्फीति पर भी विचार जरूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा कि वह खाद्य मूल्य वृद्धि को मुख्य मुद्रास्फीति से बाहर रखने से सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि ऐसा करने से लोगों का केंद्रीय बैंक के प्रति भरोसा कमजोर होगा, क्योंकि इसे महंगाई को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी दी गई है। राजन ने कहा कि मुद्रास्फीति (महंगाई) को उन वस्तुओं और सेवाओं पर केंद्रित चाहिए, जो लोग रोजमर्रा के जीवन में उपयोग करते हैं। उपभोक्ताओं की धारणा महंगाई के आंकड़ों पर निर्भर करती है।

उन्होंने कहा, जब मैं गवर्नर बना था, उस समय भी हम पीपीआई (उत्पादक मूल्य सूचकांक) को फोकस कर रहे थे। लेकिन इसका एक औसत उपभोक्ता के समक्ष पेश होने वाली चुनौतियों से कोई लेना-देना नहीं होता है। पूर्व आरबीआई गर्वनर ने कहा, ऐसे में जब आरबीआई कहता है कि महंगाई कम है तो पीपीआई पर नजर डालें। अगर उपभोक्ता कुछ अलग तरह की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं तो वे वास्तव में यह नहीं मानते कि महंगाई कम हुई है।

आर्थिक समीक्षा 2023-24 में मुख्य

आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने नीतिगत दर निर्धारण की प्रक्रिया से खाद्य महंगाई को बाहर रखने की वकालत की थी। उन्होंने कहा था कि मौद्रिक नीति का खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर कोई असर नहीं पड़ता है क्योंकि कीमतें आपूर्ति पक्ष के दबावों से तय होती हैं। वर्तमान में अमेरिका स्थित शिकॉगो बूथ में वित्त के प्रोफेसर राजन ने इस दलील पर कहा, आप अल्पावधि में खाद्य कीमतों को प्रभावित नहीं कर सकते लेकिन यदि खाद्य कीमतें लंबे समय तक अधिक रहती हैं तो इसका मतलब है कि मांग के सापेक्ष खाद्य उत्पादन पर कुछ बंदिशें हैं। इसका अर्थ है कि इसे संतुलित करने के लिए आपको अन्य क्षेत्रों में महंगाई को कम करना होगा।

पूर्व आरबीआई गवर्नर ने बाजार नियामक सेबी की प्रमुख माधबी पुरी बुच के खिलाफ हाल में लगे कई आरोपों पर कहा कि इसे लेकर सजग रहना होगा क्योंकि कोई भी किसी भी समय आरोप लगा सकता है। उन्होंने कहा, लेकिन अगर आरोपों की पर्याप्त जांच हुई है तो नियामक के लिए सभी आरोपों से परे होना बेहद अहम है। इसका मतलब है कि उसे आरोपों को बिंदुवार संबोधित करना होगा।

सेबी प्रमुख के खिलाफ लगे आरोपों को हितों के टकराव का मामला बताते हुए राजन ने कहा कि आरोपों की जितनी विस्तृत जांच हुई है, उतना ही विस्तृत बिंदुवार जवाब होना चाहिए। उन्होंने कहा, आखिरकार, मुझे लगता है कि हमारे विनियामक का यथासंभव विश्वसनीय होना महत्वपूर्ण है। पिछले महीने माधबी और उनके पति धवल बुच ने हिंडनबर्ग रिसर्च और कांग्रेस की तरफ से लगाए गए अनुचित व्यवहार और हितों के टकराव के आरोपों का खंडन करते हुए कहा था कि ये झूठे, दुर्भावनापूर्ण और प्रेरित हैं।

आम आदमी की जेब पर बढ़ेगा बोझ, दशहरा-दिवाली, शादियों में आटा हो सकता है महंगा

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में कल से नवरात्रि के पर्व के शुरू होने के साथ ही त्योहारी सीजन की शुरुआत हो जाएगी। 12 अक्टूबर को दशहरा मनाया जाएगा। वहीं माह के आखिरी में दीपावली का त्योहार मनाया जाएगा। इसके बाद से ही शादियों का सीजन भी शुरू हो जाएगा। लेकिन इस त्योहारी सीजन में गेहूं के बढ़ते दाम परेशान कर सकते है।

दरअसल, देश में सरकारी नियंत्रण के बावजूद गेहूं के दामों में बढ़ोतरी जारी है। सरकार ने अपरोक्ष रूप से गेहूं पर स्टॉक लिमिट लगाई हुई है। कारोबारियों को नियमित रूप से सरकार को गेहूं के स्टॉक की जानकारी देनी होती है। बावजूद इसके दो महीनों में गेहूं के दाम 200 रुपये क्विंटल से अधिक बढ़े हैं। दिल्ली की थोक मंडी में गेहूं के दाम 3100 रुपये क्विंटल पार कर गए हैं। ऐसे में यह भी आशंका जताई जा रही है कि गेहूं और आटे से बनने वाले सभी प्रोडक्ट जैसे ब्रेड, मफ़िन, नूडल्स, पास्ता, बिस्किट, केक, कुकीज की कीमतों पर इसका

असर दिख सकता है।

अनाज कारोबारियों का कहना है कि, श्राद्ध पक्ष से ही गेहूं के दाम में बढ़ोतरी देखी जा रही हैं। आने वाले दिनों में यह और तेज होगा। अगर बाजार में गेहूं की आवक नहीं बढ़ी तो दीपावली तक गेहूं के दाम 3500 रुपये क्विंटल के पार कर जाएंगे। हालत ऐसे ही बने रहे तो शादी के सीजन में गेहूं के दाम 4000 रुपये क्विंटल के पार कर जाएंगे,क्योंकि गेहूं की नई आवक आने में अभी समय है।

कारोबारियों का कहना है कि,गेहूं के दामों को नियंत्रित करने के लिए सरकार को ओपन मार्केट सेल स्कीम जरिए गेहूं बेचना चाहिए। ओपन मार्केट सेल के जरिए गेहूं एक निश्चित दाम में बाजार में आएगा तो इससे गेहूं के दामों में जारी उछाल में कमी आएगी। अभी नई फसल आने में अभी पूरे 6 महीने हैं। ऐसे में पूरे साल गेहूं के दामों में नियंत्रण के लिए कम से कम 100 लाख टन गेहूं की ओपन मार्केट सेल के जरिए बाजार में उतारने की जरूरत है।

सरकार के पास है इतना स्टॉक- देश में गेहूं के स्टॉक की बात करे तो 1 अप्रैल को करीब 75 लाख मीट्रिक टन गेहूं था। जो बफर स्टॉक से थोड़ा सा अधिक था। जबकि इस साल 266 लाख मीट्रिक टन गेहूं की सरकारी खरीद हुई है।

वाहनः बिक्री में लगातार सुस्ती कम करने पर रहेगा कंपनियों का जोर; अक्टूबर-नवंबर में 40 प्रतिशत तक बिक्री की उम्मीद

नईदिल्ली, एजेंसी। वाहन निर्माताओं को अक्तूबर पर भरोसा है। इसमें नवरात्रि, दशहरा और दिवाली शामिल हैं। वार्षिक बिक्री की 30 से 40 प्रतिशत बिक्री इन्हीं दिनों पर होती है। कार निर्माता मौसमी मांग में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। होंडा मोटर, ह्यूंडई, महिंद्रा एंड महिंद्रा और मारुति सुजुकी जैसे वाहन निर्माता सुस्त बिक्री को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक कदम उठा रहे हैं।

तीन रणनीतियों पर चल रहा है काम- मांग को बढ़ाने के लिए वाहन निर्माताओं के पास तीन मुख्य रणनीति हैं। इनमें नए मॉडल लॉन्च करना, पर्याप्त छूट देना और कीमतों में कटौती लागू करना। कई कंपनियां ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए पहले ही छूट दे चुकी हैं। टाटा मोटर्स और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने चुनिंदा मॉडलों पर ऑफर बढ़ा दिए हैं।

इन कंपनियों में पहले से लागू है छूट का ऑफर

मारुति सुजुकी : पहले ही कई मॉडलों की कीमतों में कटौती। ऑल्टो के10 और एस-प्रेसो पर 40,000 तक की छूट। वैगनआर पर 30,000 तक का ऑफर। नेक्सा शोरूम में जिम्नी पर 2.5 लाख की छूट। पुराने वाहनों को स्क्रैप करने पर 15,000 रुपये का एक्सचेंज बोनस है।

ह्यूंडई : ग्रैंड आई10 निओस पर 35,000 रुपये तक छूट। ऑरा सेडान पर 30,000 रुपये तक छूट। वेन्यू एसयूवी पर 45,000 तक फायदा।महिंद्रा एंड महिंद्रा : अगस्त में स्कॉर्पियो क्लासिक एसयूवी पर छूट को बढ़ाकर 1,00,000 रुपये किया गया है। थार पर छूट बढ़कर 1,50,000 रुपये हो गई है।

होंडा : अमेज सेडान पर फायदा बढ़कर 1,12,000 रुपये। सिटी सेडान पर 1,14,000 रुपये की छूट मिल रही है।

इजरायल-ईरान तनाव से भारतीय बाजारों में उथल-पुथल की आशंका

इस तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में आया है बड़ा उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से भारतीय शेयर बाजार में उथल-पुथल मचने की आशंका है। मंगलवार रात को ईरान ने इजरायल पर कई मिसाइलें दागीं। यह इस साल दूसरा हमला था। इससे पहले 13 अप्रैल को भी ईरान ने इजरायल पर हमला किया था। इस तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया है। सप्लाई बाधित होने की आशंका बढ़ गई है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक होने के कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। बुधवार 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के कारण शेयर बाजार बंद रहा। लेकिन, गुरुवार को जब बाजार खुलेगा तो इस तनाव का असर देखने को मिल सकता है। रॉयटर्स के अनुसार, ब्रेंट क्रूड वायदा 83 सेंट यानी 1.13 प्रतिशत बढ़कर 74.39 डॉलर प्रति बैरल बोला गया। यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 88 सेंट यानी 1.26 प्रतिशत बढ़कर 70.71 डॉलर प्रति बैरल हो गया। मंगलवार को कारोबार के दौरान दोनों क्रूड बेंचमार्क 5 प्रतिशत से अधिक बढ़ गए थे। एंजेल वन में डी.वी.पी.-रिसर्च, नॉन-एग्री कमोडिटीज एंड करेंसीज के प्रथमेश माल्या ने कहा, इजरायल की ओर से इस क्षेत्र में ईरानी समर्थित बलों पर हमले बढ़े हैं। इसके बाद मध्य पूर्व के उत्पादकों से संभावित आपूर्ति दबाव को लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने की आशंका है।

जानकार कहते हैं कि तनाव भड़कता है और ईरानी तेल सप्लाई प्रभावित होती है या अन्य तेल उत्पादक देश भी संघर्ष में कूदते हैं तो तेल की कीमतें भी बढ़ेंगी। भारत तेल का बड़ा आयातक है। इस कारण उसके चालू खाते के घाटे पर गंभीर असर पड़ सकता है। ऐसा माना जाता है कि तेल की कीमतों में 10 डॉलर की बढ़ोतरी से हमारी जीडीपी में 0.5 प्रतिशत की कमी आती है।

तेल की बढ़ती कीमतों का भारत पर क्या असर होगा

तेल की बढ़ती कीमतें भारत के लिए चिंता का विषय हैं। एक उपभोक्ता देश होने के कारण कीमतों में किसी भी बढ़ोतरी से महंगाई दर और अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव के बारे में चिंताएं बढ़ जाती हैं। तेल की ऊंची कीमतें परिवहन और उत्पादन लागत को बढ़ा सकती हैं। इससे कई क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं। संभावित रूप से उपभोक्ता व्यय और आर्थिक विकास धीमा हो सकता है।

किन शेयरों पर पड़ेगा असर

सेबी-रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर गौरव गोयल के मुताबिक, सबसे ज्यादा नुकसान तेल मार्केटिंग कंपनियों जैसे बीपीसीएल, एचपीसीएल, आईओसी को होगा। दूसरी ओर, ओएनजीसी जैसी कंपनियां जो उत्पादन और खोज में शामिल हैं, उन्हें फायदा होगा। पेंट्स और एविएशन जैसे संबद्ध क्षेत्रों को भी नुकसान होगा। भारत में त्योहारी सीजन नजदीक है। यह एशियन पेंट्स, नैरोलैक, बर्जर पेंट्स, इंडिगो और स्पाइसजेट जैसी कंपनियों का उत्साह कम कर सकता है। इजरायल-ईरान तनाव किन शेयरों पर सीधे असर डालेगा, आइए यहां जानते हैं।

सैमसंग के चेन्नई प्लांट के कर्मचारी 22 दिनों से आंदोलन पर

ये वेतन में बढ़ोतरी और कुछ अन्य मांगों के लिए आंदोलनरत हैं

चेन्नई एजेंसी। यह सुनने में आपको खराब लगे। लेकिन यही सच्चाई है। सैमसंग जैसी मल्टीनेशनल कंपनी में भी कर्मचारियों का उत्पीड़न होता है! तभी तो पिछले 22 दिनों से कंपनी के चेन्नई प्लांट में कर्मचारी आंदोलन पर हैं। कल यानी गांधी जयंती के दिन तो इन आंदोलनरत कर्मचारियों ने एक दिवसीय अहिंसक भूख हड़ताल पर भी गए। ये कर्मचारी बीते नौ सितंबर से ही वेतन में बढ़ोतरी, आठ घंटे काम और कुछ और मांगों को लेकर आंदोलन पर हैं।

महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि- हमारे सहयोगी इकॉनामिक टाइम्स में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक गांधी जयंती के दिन कर्मचारियों ने भूख हड़ताल की। साथ ही कर्मचारियों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा को भी श्रद्धांजलि दी। दक्षिण कोरियाई कंपनी सैमसंग की फैक्ट्री तमिलनाडु में कांचीपुरम जिले के सुंगुवरचतिरम में स्थित है। यह जगह पड़ता तो कांचीपुरम जिले में है, लेकिन कहलाता है चेन्नई का बाहरी इलाका। इस फैक्ट्री में 1500 से अधिक कर्मचारी काम कर रहे हैं ।

22 दिनों से चल रहा है विरोध

वेतन बढ़ोतरी, वर्किंग आवर 8 घंटे करने, यूनियन को मान्यता देने जैसी मांगों को लेकर ये कर्मचारी 9 सितंबर 2024 से ही लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। भूख हड़ताल पर जाने से एक दिन पहले तमिलनाडु में सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन (सीआईटीयू) द्वारा रोड रोको आंदोलन चलाया गया था।

कर्मचारी हिरासत में लिए गए

कांचीपुरम जिले में 900 से अधिक कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। इनमें से कथित तौर पर कुछ कर्मचारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया। हालांकि, उन्हें देर रात रिहा कर दिया।

सरकार से भी नहीं मिल रहा समर्थन

तमिलनाडु सीटू के राज्य अध्यक्ष सौंदरराजन ने कहा कि सरकार ने सत्ता में आने से पहले मजदूरों को समर्थन देने का वादा किया था। इसके बावजूद मजदूरों की मदद के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने कहा, सरकार ने लगातार संघर्ष कर रहे मजदूरों के समर्थन में कोई प्रगतिशील कदम नहीं उठाया है। 1972 में जब मजदूर लगातार विरोध प्रदर्शनों में शामिल थे, उस समय मुख्यमंत्री करुणानिधि ने इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की थी, फिर भी मजदूरों की जीत हुई थी। इस विरोध प्रदर्शन में भी यही स्थिति सामने आएगी।

एसीसीए ने सस्टेनेबिलिटी में प्रोफेशनल डिप्लोमा शुरू किया

जो सस्टेनेबल फाइनेंस प्रैक्टिस के लिए वैश्विक मानकों को करता है परिभाषित

मुंबई, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर ज़िम्मेदार व्यावसायिक प्रथाओं (प्रोफेशनल प्रैक्टिसेज़) की लोकप्रियता के मद्देनजर, वित्त पेशेवरों (फाइनेंस प्रोफेशनल) को अपने काम के दायरे में सस्टेनेबिलिटी को शामिल करना जरूरी है। विभिन्न उद्योगों के नियोक्ता सक्रिय रूप से इन बदलावों से निपटने के कौशल से लैस पेशेवरों की तलाश कर रहे हैं, जिससे सस्टेनेबिलिटी की शिक्षा को आज के नौकरी बाज़ार में अलग से महत्व दिया जा रहा है। व्यवसायों और प्रोफेशनल ऑडिटर की ओर से बढ़ती मांग के मद्देनजर एसीसीए ने सस्टेनेबिलिटी में प्रोफेशनल डिप्लोमा शुरू किया है। इसे सभी स्तरों पर फाइनेंस प्रोफेशनल के लिए तैयार किया गया है जो सस्टेनेबिलिटी की व्यापक समझ और इसे साबित करने के लिए मान्यता (एक्रेडिशन) प्राप्त करना चाहते हैं। एसीसीए के शोध के अनुसार, व्यवसायों में अक्सर अधिक सस्टेनेबल व्यवसाय मॉडल की ओर बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल की कमी होती है और उन्हें गैर-वित्तीय के साथ-साथ वित्तीय व्यवसाय पहलों पर विचार करने के कौशल की तत्काल आवश्यकता है।

टी-20 मैच के लिए भारत-बांग्लादेश टीमें ग्वालियर पहुंचीं

3-5 अक्टूबर तक प्रैक्टिस सेशन, पिच खोदने गए हिंदू महासभा के 20 कार्यकर्ता हिरासत में

ग्वालियर (एजेंसी)। ग्वालियर में 6 अक्टूबर को भारत-बांग्लादेश टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट मैच होने जा रहा है। इसके लिए टीम इंडिया और बांग्लादेशी टीम के खिलाड़ी ग्वालियर पहुंच गए हैं। बांग्लादेश की टीम को सिटी सेंटर होटल रेडिसन, टीम इंडिया को होटल ऊषा किरण पैलेस में ठहराया गया है। उधर, टीम के पहुंचते ही हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान पिच खोदने पहुंचे 20 कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। बांग्लादेश मे शेख हसीना सरकार के तख्ता पलट के बाद आरोप है कि वहां हिंदु समुदाय को प्रताड़ित किया जा रहा है। हिंदु महासभा इसी कारण बांग्लादेश की टीम से मैच का विरोध कर रही है।

दोनों होटल के हेड शेफ ने प्लेयर्स के डाइट चार्ट के आधार पर एनर्जी के लिए कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन से भरपूर फूड की लिस्ट बना ली है। इंडियन टीम को वेजिटेबल सैंडविच, वेजिटेबल से भरपूर ऑमलेट, खिचड़ी, फ्रेश जूस, फ्रूट सलाद पनीर सर्व किया जाएगा। बांग्लादेश टीम को कम फैट वाला नॉनवेज, खिचड़ी, निहारी, खमीरी रोटी, काकोरी कबाब सर्व किए जाएंगे। टीम इंडिया और बांग्लादेशी प्लेयर आने पर ग्वालियर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

सुबह 8.30 बजे पहुंची पहली फ्लाइट – दिनभर दोनों टीम के खिलाड़ी अलग-अलग फ्लाइट से आते रहेंगे। सबसे पहले बेंगलुरु से बुधवार सुबह 8.30 बजे पहली फ्लाइट ग्वालियर पहुंची। इससे बेंगलुरु कैंप में ट्रेनिंग ले रहे तेज गेंदबाज मयंक यादव, जीतेंद्र शर्मा (विकेट कीपर), रवि बिश्नोई, मयंक यादव, रियान पराग और अभिषेक शर्मा (ओपनर बल्लेबाज) ग्वालियर आए।

दूसरी फ्लाइट दिल्ली से सुबह 11 बजे के लगभग ग्वालियर एयरपोर्ट पर उतरी। इसमें अर्शदीप सिंह, नीतीश कुमार रेड्?डी, वॉशिंगटन सुंदर और हर्षित राणा आए। अगली फ्लाइट दोपहर 1.55 बजे मुंबई से सीधे ग्वालियर आएगी। मुंबई से आने वाली इस फ्लाइट में भारतीय टीम के कप्तान सूर्य कुमार यादव, ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या समेत 6 खिलाड़ी होंगे।

2 हजार से ज्यादा जवान रहेंगे तैनात

- भारत बांग्लादेश मैच की सुरक्षा को लेकर दो हजार से ज्यादा जवान तैनात किए जा रहे हैं। ग्वालियर में मैच की सुरक्षा के लिए चार एसपी की मांग की गई थी, लेकिन ग्वालियर सहित दो एसपी ही मिले हैं। इसके अलावा 1500 अतिरिक्त जवान बाहर से आएंगे और एक हजार का पुलिस बल ग्वालियर से लगाया जा रहा है।
- खिलाड़ियों को एयरपोर्ट से होटल लाने और होटल पर सुरक्षा के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं। इसके साथ ही दोनों टीम को होटल से स्टेडियम तक पहुंचाने वाली टीम में अफसर और जवान अलग से तैनात किए गए हैं, जिससे किसी प्रकार की गफलत न हो। स्टेडियम में जहां से खिलाड़ी मैदान में आएंगे और जाएंगे, उस मार्ग पर सुरक्षा के लिए अलग टीम तैनात रहेगी, जो मैच शुरू होने से तीन घंटे पहले अपनी पोजिशन ले लेगी।

- **पिच खोदने के लिए बढ़े हिंदू महासभा के कार्यकर्ता, 20 हिरासत में** – शाम को बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पहुंचते ही हिंदू महासभा ने प्रदर्शन किया। हिंदू महासभा ने पहले ही चेतावनी दी थी कि बांग्लादेश की टीम के आने पर विरोध करेंगे। इसी के तहत हिंदू महासभा के कार्यकर्ता सड़क पर झंडे लेकर उतर गए। उन्होंने %बांग्लादेश वापस जाओ% के नारे लगाए। प्रदर्शन करते हुए हिंदू महासभा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की ओर रवाना हुए। हिंदू महासभा के कार्यकर्ता स्टेडियम की पिच खोदना चाहते थे, लेकिन इसके पहले ही महाराज बाड़े पर पुलिस ने उन्हें रोका और करीब 20 लोगों को हिरासत में लिया है।

भारतीय टीम आज से करेगी अपने अभियान की शुरुआत

यूएई (एजेंसी)। 3 अक्टूबर से यूएई में महिला टी20 विश्व कप का आगाज हो रहा है। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय टीम 4 अक्टूबर शुक्रवार को महिला टी20 विश्व कप 2024 में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। अपने पहले खिताब की तलाश में जुटी भारतीय टीम इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के अलावा ट्रॉफी जीतने की पसंदीदा टीमों में से एक के रूप में टूर्नामेंट की शुरुआत करेगी। महिला टी20 विश्व कप के इस नौवें संस्करण में 10 टीमें भाग लेंगी, जिन्हें दो समूहों- ग्रुप ए और ग्रुप बी में विभाजित किया गया है।

देश में राजनीतिक संकट के कारण टूर्नामेंट को बांग्लादेश से यूएई में स्थानांतरित कर दिया गया था। देर से हुए बदलाव के बावजूद प्रतियोगिता अपने मूल प्रारूप में ही रहेगी और 18 दिनों की अवधि में कुल 23 मैच खेले जाएंगे, जिसका समापन 20 अक्टूबर को फाइनल मैच से होगा। ऑस्ट्रेलिया, भारत और इंग्लैंड को टूर्नामेंट का पसंदीदा माना जा रहा है, लेकिन अन्य टीमें भी अपना प्रभाव छोड़ने और आईसीसी खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करने की कोशिश करेंगी।

महिला टी20 विश्व कप 2024 ग्रुप

ग्रुप ए – ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका ग्रुप

बी– बांग्लादेश, इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज

महिला टी20 विश्व कप में भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष, यास्तिका भाटिया (फिटनेस के आधार पर), पूजा वस्त्राकर, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, दयालन हेमलता, आशा शोभना यादव, श्रेयंका पाटिल (फिटनेस के आधार पर), सजना सजीवन ट्रैवलिंग रिजर्व- उमा छेत्री (विकेटकीपर), तनुजा कंवेर, साइमा ठाकोर नॉन-ट्रैवलिंग रिजर्व- राघवी बिस्ट, प्रिया मिश्रा

महिला टी20 विश्व कप में भारत का शेड्यूल

भारत बनाम न्यूजीलैंड - 4 अक्टूबर, शाम 7:30 बजे
भारत बनाम पाकिस्तान - 6 अक्टूबर, दोपहर 3:30 बजे
भारत बनाम श्रीलंका - 9 अक्टूबर, शाम 7:30 बजे
भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया- 13 अक्टूबर, शाम 7:30 बजे

महिला टी20 विश्व कप 2024 का प्रसारण भारत में स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा। महिला टी20 विश्व कप 2024 की लाइव स्ट्रीमिंग डिज्नी+ हॉटस्टार ऐप और वेबसाइट पर उपलब्ध होगी।

पुरस्कार राशि

महिला क्रिकेट पर बेहतर ध्यान देने और ऐतिहासिक कदम उठाते हुए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने फैसला किया है कि महिला टी20 विश्व कप 2024 में पुरुषों के टूर्नामेंट के समान पुरस्कार राशि होगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में यह पहली बार है कि महिला और पुरुष दोनों ही इवेंट में समान पुरस्कार राशि दी जाएगी। इस फैसले के अनुसार महिला टी20 विश्व कप 2024 के विजेताओं को 2.34 मिलियन अमरीकी डॉलर मिलेंगे जो कि 2023 में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित पिछले संस्करण में ऑस्ट्रेलिया को दिए गए 1 मिलियन अमरीकी डॉलर से 134 प्रतिशत की भारी वृद्धि है। इस विकास से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लैंगिक समानता के लिए एक नई मिसाल कायम होने और अन्य खेल निकायों को भी इसका अनुसरण करने के लिए प्रेरित करने की उम्मीद है।

ईरानी कप

सरफराज ने 15वीं तो अभिमन्यु ईश्वरन ने ठोकी 26वीं सेंचुरी, ईशान किशन भी चमके

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना स्टेडियम में मुंबई के खिलाफ खेलते हुए रैस्ट ऑफ इंडिया टीम ने भी जोरदार शुरूआत की है। दो दिन तक खेलने वाली मुंबई टीम ने पहली पारी में सरफराज खान के 222 रनों की बदौलत 537 रन बनाए थे जिसके जवाब में अभिमन्यू ने शतक लगाकर 50 ओवर के अंदर ही अपनी टीम को 200 रन पार करवा दिए। अभिमन्यू का यह शतक तब सामने आया है जब मुंबई की ओर से सरफराज ने दोहरा शतक जड़ा था। यह दोनों प्लेयर प्रथम श्रेणी में शानदार रिकॉर्ड रखते हैं। सरफराज ने जहां प्रथम श्रेणी का अपना 15वां शतक जड़ा है तो वहीं, अभिमन्यू भी अब 26 शतक जड़ चुके हैं।

मुंबई – 537-10 (141 ओवर-)- मुंबई की शुरूआत खराब रही थी। 12वें ओवर के अंदर ही मुंबई ने 37 रन पर 3 विकेट गंवा लिए थे। पृथ्वी ने 4, अयुष 19 तो हार्दिक 0 पर आऊट हो गए। लेकिन तभी कप्तान अजिंकय रहाणे ने एक छोर संभाला और श्रेयस अय्यर (57) के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। रहाणे शतक लगाने से चूक गए। उन्होंने 234 गेंदों पर 7 चौके और 1 छक्के की मदद से 97 रन बनाए। इस दौरान सरफराज खान का उन्हें बाखूबी साथ मिला। सरफराज ने रहाणे के आऊट होने के बाद तनुष कोटियन (64) के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। अंत में शार्दुल ठाकुर ने बीमारी के बावजूद 59 गेंदों पर 36 रन बनाए। सरफराज 286 गेंदों पर 25 चौके और 4 छक्कों की मदद से 222 रन बनाने में सफल रहे और टीम स्कोर 537 तक पहुंचा दिया। रैस्ट ऑफ इंडिय की ओर से मुकेश कुमार ने 30 ओवर में 110 रन देकर 5 विकेट लीं। यश दयाल और प्रसिद्ध कृष्णा ने 2-2 विकेट लीं।

रैस्ट ऑफ इंडिया – जवाब में रैस्ट ऑफ इंडिया की शुरूआत भी खराब रही। जब कप्तान ऋतुराज गायकवड़ मात्र 9 रन बनाकर आऊट हो गए। साई सुदर्शन भी 79 गेंदों पर 32 रनों का ही सहयोग कर पाए। लेकिन इस दौरान एक छोर संभाले खड़े अभिमन्यु ईश्वरन ने ताबड़तोड़ शॉट लगाए। उन्होंने रन रेट का समान बनाए रखा और 80 की स्ट्राइक रेट से अपना शतक पूरा किया। इस दौरान उन्हें देवदत्त पड्डिकल और ईशान किशन ने भी सहयोग किया।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

मुंबई – पृथ्वी शॉ, आयुष म्हात्रे, श्रेयस अय्यर, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), सरफराज खान, हार्दिक तमोरे (विकेटकीपर), शार्दुल ठाकुर, शम्स मुलानी, तनुष कोटियन, एम जुनेद खान, मोहित अवस्थी।

शेष भारत – रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, अभिमन्यु ईश्वरन, साई सुदर्शन, ईशान किशन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), मानव सुथार, सारांश जैन, यश दयाल, मुकेश कुमार, प्रिसिध कृष्णा

आईपीएल किन प्लेयर्स को रिटेन कर सकती है दिल्ली कैपिटल्स, सह-मालिक पार्थ जिंदल ने दिए संकेत

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक पार्थ जिंदल ने कहा कि वे इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की नीलामी से पहले कप्तान ऋषभ पंत को रिटेन करेंगे। एक साक्षात्कार में जिंदल ने कहा कि डीसी के पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं जिन्हें वे रिटेन करना चाहेंगे, लेकिन अंतिम सूची उनके क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली के साथ चर्चा के बाद बनाई जाएगी।

डीसी इंडियन प्रीमियर लीग के पिछले सीजन में छठे स्थान पर रही। जिंदल ने संभावित रिटेंशन का संकेत दिया, हालांकि उन्होंने जोर देकर कहा कि ऋषभ पंत के अलावा, कोई भी निर्णय अंतिम नहीं। पार्थ जिंदल ने इंटरव्यू में कहा, हां, हमें निश्चित रूप से रिटेन करना होगा। हमारी टीम में कुछ बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। नियम अभी-अभी आए हैं, इसलिए जीएमआर और हमारे क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली से चर्चा के बाद निर्णय लिए जाएंगे।

रिटेंशन के मामले में उन्होंने आगे कहा, ऋषभ पंत को निश्चित रूप से रिटेन किया जाएगा। हमारे पास अक्षर पटेल भी हैं, जो बेहतरीन हैं, ट्रिस्टन स्टब्स, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, कुलदीप यादव, अभिषेक पोरेल, मुकेश कुमार, खलील अहमद, सभी हमारी टीम में बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। जिंदल ने अंत में कहा, हम देखेंगे कि नीलामी में क्या होता है। लेकिन पहले, नियम के अनुसार हम छह खिलाड़ियों को रिटेन कर सकते हैं। चर्चा के बाद हम नीलामी की ओर बढ़ेंगे और देखेंगे कि क्या होता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भारतीय खिलाड़ियों को प्राथमिकता देते हुए कई नियम बनाए हैं। इन नियमों से युवा भारतीय खिलाड़ियों को आईपीएल टीमों की प्लेइंग 11 में जगह बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

बाबर आजम के बाद 31 साल के उस्मान कादिर ने भी लिया संन्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट में इन दिनों तेजी से हलचल जारी है। बीते दिनों ही बाबर आजम ने अपनी कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था जिसके बाद तीनों फार्मेट में अलग अलग कप्तान बनाए जाने की चर्चा चल रही थी। इसी बीच पाकिस्तान के एक क्रिकेटर ने 31 साल की उम्र में ही रिटायरमेंट की घोषणा कर दी है। यह क्रिकेटर है मशहूर स्पिनर अब्दुल कादिर के बेटे उस्मान कादिर जिन्होंने अब तक 25 टी20 मैच खेलते हुए 31 विकेट लिए हैं। 2020 से लेकर वह अब तक पाकिस्तान के लिए एक वनडे मैच में भी हिस्सा ले चुके हैं। उम्मीद है कि वह अब फ्रेंचाइजी क्रिकेट में खेलते हुए नजर आ सकते है।

उस्मान कादिर ने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि आज, मैं पाकिस्तान क्रिकेट से अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा कर रहा हूं, और जैसा कि मैं इस अविश्वसनीय यात्रा पर प्रतिबिंबित करता हूं, मैं अपना हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूं। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना एक बहुत बड़ा सम्मान रहा है, और मैं अपने समर्थन के लिए आभारी हूं कोच और टीम के साथी जो हर कदम पर मेरे साथ रहे हैं। अविस्मरणीय जीत से लेकर चुनौतियों का सामना करने तक, हर पल ने मेरे करियर को आकार दिया है और मेरे जीवन को समृद्ध बनाया है। मैं उन भावुक प्रशंसकों की गहराई से सराहना करता हूं जो हमेशा मेरे साथ खड़े रहे हैं; आपके अटूट समर्थन का मतलब दुनिया है।

बता दें कि टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद से ही बाबर आजम की कप्तानी को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई थीं। पाकिस्तान टीम की बुरी हालत के बाद उन्हें काफी आलोचनाओं का शिकार भी होना पड़ा। लेकिन 6 महीने बाद बाबर की पोस्ट ने खलबली मचा दी है। बाबर आजम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, %मैंने पिछले महीने पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) और टीम प्रबंधन को दी गई अधिसूचना के अनुसार पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान के पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है. इस टीम का नेतृत्व करना सम्मान की बात है, लेकिन अब मेरे लिए पद छोड़ने और अपनी खेल भूमिका पर ध्यान केंद्रित करने का समय आ गया है।

हार्दिक पंड्या ने बेटे अगस्त्य संग शेयर की इंस्टाग्राम पोस्ट, लिखा मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पंड्या ने इंस्टाग्राम पर अपने बेटे अगस्त्य के साथ एक भावुक तस्वीर साझा की। ऑलराउंडर ने आखिरी बार श्रीलंका में भारत की टी20 सीरीज के दौरान खेला था। इस बीच, वह निजी कारणों से वनडे सीरीज चूक गए। अगस्त्य हार्दिक और उनकी पूर्व पत्नी नताशा स्टेनकोविक की संतान है जिनका जन्म जुलाई 2020 को हुआ था। अगस्त्य इन दिनों सर्बिया में मां नताशा के साथ रहते हैं। बीते दिनों वह पिता से मिलने आए थे। बहरहाल, अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में, हार्दिक ने अपने बेटे के साथ एक विशेष क्षण को कैद किया, इसे कैप्शन दिया- मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा।

हार्दिक अब 6 अक्टूबर से ग्वालियर में तीन मैचों की टी20 सीरीज में बांग्लादेश के खिलाफ जलवा दिखाते नजर आएंगे। इस सीरीज का दूसरा मैच 9 अक्टूबर को दिल्ली में होगा, जबकि अंतिम मैच 12 अक्टूबर को हैदराबाद में होगा। बता दें कि अपने रिश्ते की स्थिति के बारे में काफी अटकलों के बाद, हार्दिक पंड्या और नताशा स्टेनकोविक ने बीती 18 जुलाई को एक संयुक्त इंस्टाग्राम पोस्ट में अपने अलग होने की पुष्टि की। इस जोड़े ने 31 मई, 2020 को शादी की और उसी साल जुलाई में अपने बेटे अगस्त्य का स्वागत किया था। बहरहाल, पोस्ट में, उन्होंने अपने चार साल के रिश्ते और अपने बेटे के लिए आभार व्यक्त करते हुए लिखा- 4 साल साथ रहने के बाद, नताशा और मैंने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। हमने एक साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और इसमें अपना सब कुछ लगा दिया, और हमारा मानना ??है कि यह हम दोनों के लिए सर्वोत्तम हित में है।

दक्षिण अफ्रीका ने जीता पहला वनडे, आयरलैंड को 139 रन से हराया

अबु धाबी (एजेंसी)। मार्क एडेयर ने आयरलैंड के लिए चार विकेट चटकाए लेकिन इसके बावजूद टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बुधवार को यहां 139 रन से हार का समना करना पड़ा।

दक्षिण अफ्रीका ने सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन (91 रन, 102 गेंद, तीन छक्के, सात चौके) और ट्रिस्टन स्टब्स (79) के अर्धशतक से नौ विकेट पर 271 रन का स्कोर खड़ा किया। रिकेल्टन और स्टब्स ने चौथे विकेट के लिए 152 रन की साझेदारी की और दक्षिण अफ्रीका को शुरुआती झटकों से उबारा। इसके बाद लिजाड विलियम्स (32 रन पर चार विकेट) ने आयरलैंड के शीर्ष क्रम को ध्वस्त किया और आठ ओवर के शुरुआती स्पैल में तीन विकेट चटकाए।

आयरलैंड ने शुरुआती 15 ओवर में ही पांच विकेट गंवा दिए। विलियम्स के करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के अलावा लुंगी एनगिडी और ब्योर्न फोर्टुइन ने भी दो-दो विकेट हासिल किए जिससे आयरलैंड की टीम 31.5 ओवर में 132 रन पर आउट हो गई। आयरलैंड के लिए जॉर्ज डॉकरेल 32 गेंद में 21 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। इससे पहले एडेयर ने 10 ओवर में 50 रन देकर चार विकेट चटकाए।

रविवार को भी इस तेज गेंदबाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 31 रन देकर चार विकेट चटकाए थे जिससे आयरलैंड ने टी20 श्रृंखला के दूसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस प्रारूप में अपनी पहली जीत हासिल की। टी20 मैचों की तरह एकदिवसीय श्रृंखला भी अबु धाबी में हो रही है।

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के दौरे के लिए 14 सदस्यीय टीम घोषणा की, इन प्लेयर्स को मिली जगह

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड ने जोस बटलर की अगुवाई में वेस्टइंडीज के दौरे के लिए अपनी सीमित ओवरों के लिए 14 सदस्यीय टीम घोषणा की है। बटलर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज से बाहर रहे थे। इंग्लैंड ने टी-20 सीरीज में बराबरी की थी और एकदिवसीय सीरीज में मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। बटलर की अनुपस्थिति में फिल साल्ट और हैरी ब्रूक ने क्रमशः टी-20 और एकदिवसीय टीमों की अगुआई की थी। आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार वेस्टइंडीज दौरे के लिए इंग्लैड की टीम में लेग स्पिनर जाफर चौहान, जॉन टर्नर और डैन मूसली अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। जॉन टर्नर और डैन मूसली ऑस्ट्रेलिया के साथ खेली गई सीरीज का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें मैच नहीं खेलने का मौका मिला। इंग्लैंड 31 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 मैच खेलेगा।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए इंग्लैंड की टीम – जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, जैकब बेथेल, जाफर चौहान, सैम करन, विल जैक्स, लियाम लिविंगस्टोन, साकिब महमूद, डैन मूसली, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपली और जॉन टर्नर।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस कार्यकर्ता ने उतारे सिद्धारमैया के जूते, हाथ में था तिरंगा, अब माफी की मांग कर रही भाजपा

बेंगलुरु, एजेंसी। कांग्रेस के एक कार्यकर्ता द्वारा हाथ में तिरंगा लिए हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के पैरों से जूते उतारने का कथित वीडियो सामने आया है। इसके बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने बुधवार को सिद्धारमैया और सत्तारूढ़ पार्टी से देश और राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने के लिए लोगों से माफी मांगने को कहा। यह घटना उस समय हुई जब मुख्यमंत्री महात्मा गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। वीडियो में पार्टी कार्यकर्ता जब मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के जूते उतार रहा था तब मौके पर मौजूद एक अन्य व्यक्ति को पार्टी कार्यकर्ता के हाथों से झंडा लेते हुए देखा गया। यह कथित वीडियो 'एक्स' पर साझा करते हुए विजयेंद्र ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, गुलामी की जंजीरों से मुक्त होकर भारत आज विश्व में अग्रणी राष्ट्र है। राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रभक्त ये सब कांग्रेस के लिए हमेशा निरर्थक रहे हैं।

हरियाणा चुनाव से पहले कोर्ट ने कांग्रेस उम्मीदवार को लगाई फटकार

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले का सामना कर रहे कांग्रेस विधायक धर्म सिंह छोकर को आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि ऐसा ना करने की स्थिति में उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाना चाहिए। पानीपत के एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा दायर की गई याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने ये टिप्पणी की है। याचिका में कहा गया कि एजेंसियां धर्म सिंह छोकर के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही हैं। उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी होने के बावजूद वह हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले अपने निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव प्रचार कर रहे थे। धर्म सिंह छोकर 5 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में पानीपत के समालखा सीट से दोबारा चुनाव लड़ रहे हैं।

रोहित शर्मा और टीम ने इस वीकेंड नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो में अपने टी20 जीतने की खुशी को फिर से महसूस किया

मुंबई, एजेंसी। भारत जैसे क्रिकेट के प्रति जुनूनी देश में, वर्ल्ड कप जीतने की खुशी की बराबरी शायद कुछ पल ही कर सकता है - खास तौर पर जब यह टी20 वर्ल्ड कप हो। इस साल, भारतीय क्रिकेट टीम ने ऐसा ही करके इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया। नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो के सीजन 2 के एपिसोड में, वर्ल्ड कप चैंपियन ने कई मजेदार और दिल को छू लेने वाले किस्से सुनाए, जिससे दर्शकों को ऐसा लगा कि मानो क्रिकेट टीम खुद ट्रॉफी पकड़े हुए उनके सामने हैं। रोहित शर्मा ने मस्ती की शुरुआत की, फिनाले के बाद कैरिबियन में हुए एक अनोखे रोमांच का खुलासा किया। तूफान के कारण बारबाडोस से उनके प्रस्थान में देरी हुई, इसलिए प्रत्येक खिलाड़ी को अपने होटल के कमरे में ट्रॉफी के साथ 15 मिनट बिताने का मौका मिला। रोहित ने हंसते हुए कहा, कोई ट्रॉफी लेकर सोए, तो किसी ने ट्रॉफी के साथ सेल्फी ली... इनमें से सबसे मज़ेदार क्या था? सूर्यकुमार यादव और उनकी पत्नी की एक मजेदार फोटो, जिसमें ट्रॉफी उनके बीच रखी हुई थी, जिसे कपिल शर्मा ने दर्शकों को दिखाने के लिए तैयार की थी। दूसरी ओर, अर्शदीप सिंह को ट्रॉफी के साथ उतना समय बिताने का मौका नहीं मिला, जितनी उन्हें उम्मीद थी। अर्शदीप सिंह ने कहा, 10 मिनट के लिए, मैं अपने माता-पिता के साथ था। मेरे पिताजी हमारी फोटो व्हाट्सएप ग्रुप पर शेयर कर रहे थे, और मेरी माँ ने इसे अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर रखा था। मैं ट्रॉफी के साथ सिर्फ़ 1 या 2 फोटो ही ले पाया। अक्षर पटेल ने दर्शकों को जीत के बाद के अवास्तविक अनुभव के बारे में बताया । बारबाडोस में फंसे, नाश्ते और दोपहर के भोजन के लिए कतार में खड़े क्रिकेट टीम को ऐसा बिल्कुल भी नहीं लग रहा था कि वे अभी-अभी वर्ल्ड चैंपियन बने हैं। जब तक हम भारत वापस नहीं आए, तब तक हमें इसका एहसास ही नहीं हुआ लेकिन सबसे बड़ा सरप्राइज क्या था? अंग्रेजी में इंटरव्यू देना! उन्हें मोहम्मद सिराज की कही बात याद आयी, सिराज ने कहा कि डीके (दिनेश कार्तिक) भाई ने मेरा इंटरव्यू अंग्रेजी में लिया। अक्षर ने मज़ाक में कहा, बहुत सारे लोग हैं जो अंग्रेजी बोलते हैं, मुझे समझ नहीं आता कि हमें क्यों चुना गया!

शारदीय नवरात्रि पर दुल्हन की तरह सजा मां वैष्णो का दरबार

दर्शनार्थियों की सुविधा का रखा जा रहा विशेष ध्यान

कटरा , एजेंसी। शारदीय नवरात्रों की प्रतिपदा को जम्मू के कटरा स्थित मां वैष्णो देवी का भवन दुल्हन की तरह सज गया है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु देवी की आराधना को जुटे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा का खास ख्याल रखा गया है। वहीं, मां वैष्णो देवी भवन परिसर में विशाल शत चंडी महायज्ञ का आयोजन भी किया गया है। माता के भवन परिसर में जगह-जगह बने विशाल पंडाल, स्वागत द्वार और देवी-देवताओं की मूर्तियां श्रद्धालुओं को अपनी ओर खींच रही हैं। देसी और विदेशी फलों-फूलों की महक से वातावरण महक रहा है।

मां वैष्णो देवी के दिव्य दर्शन पाने के लिए भक्तों की संख्या बढ़ती जा रही है। बुधवार दोपहर तक लगभग 25,500 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण करवा लिया था और वे मां के दर्शन के लिए रवाना हो चुके थे। श्रद्धालुओं को बिना किसी देरी के आरएफआईडी यात्रा कार्ड उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उन्हें यात्रा में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो रही है। कटरा में श्रद्धालुओं के लिए आरएफआईडी यात्रा कार्ड प्राप्त करने के लिए कई पंजीकरण केंद्र खोले गए हैं, जिनमें रेलवे स्टेशन, मुख्य बस अड्डा, हेलीपैड और अन्य स्थान शामिल हैं। बिना आरएफआईडी कार्ड के किसी को भी वैष्णो देवी की यात्रा की अनुमति नहीं है। सभी प्रवेश द्वारों पर पुलिस और श्राइन बोर्ड के अधिकारी मौजूद हैं, जो कार्ड की जांच के बाद श्रद्धालुओं को आगे बढ़ने की अनुमति दे रहे हैं।

नए लाल और पीले रंग के आरएफआईडी कार्ड जारी किए गए हैं, जबकि पुराने कार्ड अब मान्य नहीं होंगे। ऑनलाइन यात्रा पर्ची लेकर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए कटरा रेलवे स्टेशन पर सेल्फ रजिस्ट्रेशन एटीएम स्थापित किया गया है, जिससे वे बिना कतार में लगे यात्रा कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। अर्ध कुवारी मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए आधुनिक लंगर की व्यवस्था की गई है, जहां उन्हें शुद्ध घी की खिचड़ी और अन्य पौष्टिक भोजन दिया जा रहा है। पानी की व्यवस्था के लिए आरोग्य युक्त जल केंद्र भी स्थापित किए गए हैं।

इसके अलावा, मां वैष्णो देवी भवन परिसर में विशाल शत चंडी महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 51 पंडितों द्वारा पूजा-अर्चना की जाएगी। यह यज्ञ देश और विश्व की सुख-शांति के लिए आयोजित किया जा रहा है। सुरक्षा के कड़े प्रबंध भी किए गए हैं। कटरा में चप्पे-चप्पे पर पुलिस और सीआरपीएफ के जवान तैनात हैं। लगभग 400 सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से भी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की जा रही है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए 6 सेक्टर बनाए गए हैं, जिनमें विभिन्न प्रमुख स्थानों पर अधिकारी तैनात रहेंगे। विशेष सुविधाओं की अग्रिम बुकिंग पूरी तरह से फुल हो चुकी है, जिसमें हेलीकॉप्टर सेवा, बैटरी कार सेवा, और रोपवे शामिल हैं।

नोएडा में भी जमावड़े पर रोक, पुलिस अधिकारियों को तैनाती बढ़ाने के निर्देश

नोएडा , एजेंसी। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में गुरुवार से शुरू हो रहे 10 दिवसीय रामलीला मेले के मद्देनजर गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने सुरक्षा कड़ी कर दी है। पुलिस ने उन मेला स्थलों के आसपास भारी बल तैनात किया है जहां भीड़ आने की उम्मीद है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को पुलिस ने जमावड़े पर रोक भी लगा दी है। पुलिस ने बीएनएसएस की धारा 163 लागू कर दी है, जो पुलिस की अनुमति के बिना पांच या अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक लगाती है।

आयोजन स्थलों पर भारी भीड़ की आशंका को देखते हुए पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस को सतर्कता और तैनाती बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर महिला पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। संदिग्ध लोगों पर पुलिस की नजर रहेगी। सीसीटीवी के जरिए भी मेला परिसर की निगरानी की जाएगी।

नोएडा, सेंट्रल नोएडा और ग्रेटर नोएडा के प्रत्येक जोन के सभी पुलिस उपायुक्तों को सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए निरीक्षण करने, गश्त बढ़ाने और मेला स्थलों पर कर्मियों की तैनाती करने का निर्देश दिया गया है। ट्रैफिक पुलिस को मेला स्थलों की ओर जाने वाले मार्गों पर यातायात को नियंत्रित करने के लिए जमीनी स्तर पर जवानों को तैनात करने का निर्देश दिया गया है।

नोएडा के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून और व्यवस्था) शिवहरि मीना ने कहा कि त्योहारी सीजन के दौरान 4,000 से अधिक कर्मी सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने बीएनएसएस की धारा 163 के तहत प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है। ये प्रतिबंध 3 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगा। मेला आयोजकों को कोई भी संदिग्ध वस्तु या अन्य जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस की सूचित करने को कहा गया है। बुधवार को पुलिस की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि कोई भी शख्स पुलिस आयुक्त, अपर पुलिस आयुक्त या पुलिस उपायुक्त की पूर्व अनुमति प्राप्त किए बिना पांच या अधिक लोगों का कोई जुलूस नहीं निकालेगा, न ही किसी सार्वजनिक स्थान पर पांच या अधिक लोगों को जमा करेगा।

कुरुक्षेत्र और अंग्रेजी साम्राज्य के खिलाफ लड़ाई और आज की लड़ाई में कोई फर्क नहीं : प्रियंका गांधी

जुलाना, एजेंसी। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने चुनावी राज्य हरियाणा के जुलाना विधानसभा सीट से पार्टी प्रत्याशी विनेश फोगाट के पक्ष में बुधवार को विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जनता से अन्याय के खिलाफ अपने वोट की शक्ति का इस्तेमाल करने का आह्वान किया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि नौजवानों, पहलवानों, किसानों और महिलाओं के साथ अन्याय हो रहा है। भगवान ने कहा है कि जब-जब अन्याय होगा, वो लड़ाई लड़ने के लिए आपके बीच उतरेंगे। यही भगवान आपके दिल में हैं, आप कब खड़े होंगे, इस अन्याय के खिलाफ?

विनेश फोगाट का जिक्र करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि जब फोगाट अन्याय के खिलाफ खड़ी हुई तो बड़े-बड़े नेताओं ने उनका साथ छोड़ दिया। मोदी जी भी इनसे नहीं मिले। विनेश को सड़क पर घसीटा गया, लेकिन फिर भी ये झुकी और टूटी नहीं, बल्कि ये ओलंपिक में गई और हमारे लिए लड़ीं। देश की जनता इनके साथ खड़ी रही, देश सत्य को पहचानता है। कुरुक्षेत्र और अंग्रेजी साम्राज्य के खिलाफ भी लड़ाई लड़ी गई थी, उसमें और आज की लड़ाई में कोई फर्क नहीं है। ये लड़ाई भी अन्याय, असत्य और दुष्टों के खिलाफ है।

उन्होंने आगे कहा कि जब नेता मंच पर आते हैं, तो बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, लेकिन जब काम

का समय आता है, तो हमें देखते तक नहीं हैं। मंत्री के बेटे द्वारा किसान कुचले जाते हैं। सरकार और नेताओं को बनाने का काम जनता करती है। नेताओं को अब टोकने का समय आ गया है। भाजपा सरकार ने पिछले 10 साल में आपके लिए कोई काम नहीं किया है। जब ये लोग भ्रष्टाचार की बात करते हैं, तो मुझे हंसी आती है, इससे बड़ा भ्रष्टाचार क्या होगा कि देश के सारे उद्योग आपने अपने दो मित्रों को दे दिया। ऐसा कानून लाने जा रहे थे, जिससे इस देश का किसान पिस जाता और आपके दो मित्रों को कानून का फायदा मिल जाता, लेकिन जनता ने पहचाना और संघर्ष किया।

प्रियंका गांधी ने कहा कि सत्यमेव जयते सिर्फ कहने वाली बात नहीं है, बल्कि ये हमारे संविधान में गढ़ी हुई है। आपके पास वोट की शक्ति है, जिससे आप अपना भविष्य बदल सकते हैं। इस बात को गहराई से समझ लीजिए। कुछ दिन पहले लोकसभा चुनाव हुआ था, उसका नतीजा सबने देखा कि क्या हुआ?

एमवीए में बन गई सीटों पर सहमति? नाना पटोले बोले- दशहरा से पहले होगा ऐलान

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे के मुद्दे पर बातचीत जारी रखने के लिए महाविकास आघाडी के नेताओं ने बुधवार को भी मुंबई में बैठक की। महाविकास अघाडी के नेताओं ने उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (यूबीटी) के कार्यालय 'शिवालय' में यह बैठक की जिसमें कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले और बालासाहेब थोराट, शरदचंद्र पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख जयंत पाटिल और शिवसेना (यूबीटी) के अनिल देसाई और संजय राउत शामिल हुए।

सूत्रों ने बताया कि विपक्षी गठबंधन के बीच सीट बंटवारे पर दशहरा से पहले बातचीत पूरी होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्र में कई सीट पर चुनाव लड़ना चाहती है और वह मुंबई एवं कोंकण में ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) को अधिक सीटें देने के लिए भी तैयार है। सूत्रों ने बताया कि शिवसेना (यूबीटी) पूर्वी महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में अधिक सीटें चाहती है। कांग्रेस के एक नेता ने बताया कि महाविकास आघाडी के घटक दलों के बीच मुंबई की '90 प्रतिशत सीट' पर सहमति बन गई है, जबकि छह सीट पर चर्चा जारी है।

महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने भी कहा है कि विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी (एमवीए) दशहरा से पहले राज्य की सभी 288 सीटों में से कुछ पर घोषणा कर देगा। उन्होंने कहा कि आज की एमवीए की बैठक में 150 से अधिक सीटों पर चर्चा हुई। पटोले ने कहा, हम जल्द ही इसे पूरा करेंगे और दशहरा से पहले कई सीटों पर घोषणा कर देंगे। आज की बैठक में 150 से अधिक सीटों पर चर्चा हुई है। हम गुण-दोष के आधार

पर निर्णय लेंगे। जल्द ही सीटों पर चर्चा पर स्पष्टता होगी।

महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव एमवीए गठबंधन मजबूती से लड़ेगा। उन्होंने कहा, एमवीए मजबूती से लड़ेगा। सीटें कम और ज्यादा हो सकती हैं। लोगों को धर्म के नाम पर बांटा जा रहा है। हम 12 सीटें मांग रहे हैं। बैठक में शामिल होने के बाद एनसीपी (शरद) के नेता जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि घटक दलों के बीच कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने कहा कि सीट बंटवारे पर चर्चा अच्छी तरह से हो रही है। आव्हाड ने कहा, यह एक लंबी बैठक थी और कोई दुश्मनी नहीं है, चर्चा अच्छी तरह से हो रही है...लगभग 288 सीटों पर चर्चा हुई। चुनाव आयोग ने अभी तक राज्य में चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं किया है लेकिन ध्रुवीकरण की राजनीति तेज है।

पाकिस्तान में इस वर्ष पोलियो के 26 मामले सामने आए

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की विशेष प्रतिनिधि आयशा रजा फारूक ने नये मामलों को पाकिस्तानी बच्चों के लिए ''चिंताजनक'' बताया और कहा कि उन्हें अभी भी एक ऐसी बीमारी से खतरा है जिससे आसानी से बचा जा सकता है। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में पोलियो के दो नये मामले सामने आने के बाद इस साल देश में इस बीमारी के मामलों की संख्या बढ़कर 26 हो गई है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सिंध प्रांत के कराची पूर्व और सुजावल जिलों में इन नये मामलों की पुष्टि हुई है। इन मामलों के सामने आने के बाद देश में पोलियो वायरस के उन्मूलन के प्रयासों को झटका लगा है। जारी एक बयान में कहा गया, ''कराची पूर्व और सुजावल से इस साल का यह पहला मामला है, जहां पर्यावरणीय नमूनों में हाल के महीनों में पोलियो वायरस की मौजूदगी देखी गई है। इससे पता चलता है कि यह समुदायों में फैल रहा है और बच्चों के स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा पैदा कर रहा है।'' पोलियो उन्मूलन के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की विशेष प्रतिनिधि आयशा रजा फारूक ने नये मामलों को पाकिस्तानी बच्चों के लिए ''चिंताजनक'' बताया और कहा कि उन्हें अभी भी एक ऐसी बीमारी से खतरा है जिससे आसानी से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा, ''पोलियो का कोई इलाज नहीं है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बार-बार टीकाकरण से बच्चों को इस ''भयानक'' बीमारी के प्रभावों से बचाया जा सकता है।

वन्यजीव संस्था ने दक्षिणी अफ्रीका में हाथियों को मारने के फैसले का किया विरोध

लुसाका, एजेंसी। जाम्बिया स्थित अंतर्राष्ट्रीय संरक्षण निकाय अफ्रीकन रिवर्स ने दक्षिणी अफ्रीकी देशों में हाथियों को मारने की योजना का विरोध किया है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार संगठन ने यह स्वीकार करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन की घटनाओं का न केवल लोगों पर बल्कि वन्यजीवों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। कुछ दक्षिणी अफ्रीकी देशों द्वारा जंगली जानवरों को मारने का प्रस्ताव लाया जा रहा है,जो मानव और वन्यजीव कल्याण के लिए सही नहीं है। अफ्रीकन रिवर्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बॉबसन सिकला ने कहा, वन्यजीवों को मारने से पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ जाएगा। पशुओं की आबादी कम होने के साथ टूरिज्म में भी घाटा होगा।

सिकला ने आगे कहा, हमारा संगठन संबंधित सरकारों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर सही उपायों को लागू करने के लिए तैयार है, जिससे 95 प्रतिशत हाथियों और अन्य वन्यजीवों को मारे जाने से बचाया जा सकेगा और सूखे से प्रभावित लगभग 60 प्रतिशत लोगों को भोजन भी मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि अफ्रीकी रिवर्स ने इसके लिए 2024-2025 क्षेत्रीय परियोजना विकसित की है, जिसका उद्देश्य हाथियों और अन्य वन्यजीवों को बचाना है। इसके साथ ही दक्षिणी अफ्रीकी क्षेत्र में जलवायु-जनित भूख से जूझ रहे लोगों को भोजन उपलब्ध कराना है।

सिकाला ने बताया कि इस परियोजना के जरिए मनुष्यों और वन्य जीवों के लिए उपयुक्त राहत खाद्य पैकेजों के वितरण के साथ प्रभावित क्षेत्रों में जानवरों को पानी की आपूर्ति देने के साथ प्रभावित संरक्षित पार्कों में बोरहोल खोदने और बांध बनाने के लिए देशों को सहायता प्रदान करना शामिल है। बता दें कि अल नीनो की घटनाओं के कारण 2023-2024 के दौरान कई दक्षिणी अफ्रीकी देश गंभीर सूखे से ग्रस्त हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के आंकड़ों से पता चलता है कि दक्षिणी अफ्रीका के कई भागों में 100 वर्षों से भी अधिक समय में सबसे खराब सूखा पड़ा है, वहीं 40 वर्षों में सबसे कम वर्षा हुई है।

ट्रम्प के उप-राष्ट्रपति उम्मीदवार जेडी वेंस ने जीती डिबेट

कहा- ट्रम्प की वजह से दुनिया में शांति आई थी, दोनों ने इजराइल का समर्थन किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले बुधवार (भारतीय समय के मुताबिक) को उपराष्ट्रपति उम्मीदवारों के बीच बहस हुई। डेमोक्रेटिक उम्मीदवार टिम वॉल्ज और रिपब्लिकन कैंडिडेट जेडी वेंस ने 90 मिनट तक डिबेट की। डिबेट सीबीएस न्यूज ने आयोजित कराई थी।

डिबेट के बाद हुए पोल्स में डोनाल्ड ट्रम्प के साथी उम्मीदवार जेडी वेंस को जीता बताया गया। यूगॉव पोल के मुताबिक 42त्न लोगों ने वेंस को डिबेट का विजेता माना है। वहीं, 41त्न लोगों ने माना कि टिम वॉल्ज की जीत हुई। 17त्न लोगों ने माना कि मुकाबला बराबरी पर रहा।

वॉल्ज की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन बाद में उन्होंने अच्छा कमबैक किया। वहीं, कई एक्सपर्ट्स ने कहा कि रिपब्लिकन उम्मीदवार वेंस ने सीधे शब्दों में अपनी बातें रखीं। उन्होंने वॉल्ज के वादों को लेकर कहा कि अभी डेमोक्रिटक पार्टी की सरकार है। वे जो वादे कर रहे हैं वो उन्हें इस कार्यकाल में पूरा कर सकते थे।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए 5 नवंबर को चुनाव हैं। दोनों प्रमुख पार्टियों की ये आखिरी डिबेट थी। राष्ट्रपति पद के लिए अब तक दो डिबेट हो चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन पहली बहस के बाद रेस से बाहर

हो गए थे। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने उनकी जगह ली और ट्रम्प के साथ दूसरी बहस में हिस्सा लिया था।

डिबेट से पहले दोनों ने हाथ मिलाया ट्रम्प और बाइडेन के उलट दोनों ही दलों के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों ने बहस से पहले एक-दूसरे से हाथ मिलाया। दोनों ने मिडिल ईस्ट संकट, अमेरिकी इकोनॉमी, अबॉर्शन, हेल्थ केयर, इमिग्रेशन, गन वॉयलेंस, क्लाइमेट चेंज जैसे मुद्दों पर बहस की।

डिबेट के दौरान डेमोक्रेट नेता वॉल्ज ने ट्रम्प की ज्यादा उम्र पर भी लोगों का ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि 80 साल के ट्रम्प असली मुद्दे पर ध्यान देने की बजाय भीड़ जुटाने पर ध्यान देते हैं। डिबेट के दौरान दोनों पार्टी के नेताओं ने एक-दूसरे की आलोचना करने के बजाय राष्ट्रपति उम्मीदवारों की आलोचना की।

दोनों उम्मीदवारों ने इजराइल का समर्थन किया डिबेट की शुरुआत मिडिल ईस्ट संकट से हुई। मिनिसोटा गवर्नर वॉल्ज ने कहा कि अमेरिका को मिडिल ईस्ट में अपनी मौजूदगी बनाए रखनी चाहिए और इजराइल के साथ खड़ा रहना चाहिए। डेमोक्रेटिक नेता ने कहा कि कमला हैरिस अपने साथी देशों की अहमियत समझती हैं, जबकि डोनाल्ड ट्रम्प का अपने सहयोगी देशों को मदद करने का रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है।

इसके जवाब में रिपब्लिकन उम्मीदवार वेंस ने कहा कि वॉल्ज के ये आरोप बेबुनियाद हैं। जब ट्रम्प राष्ट्रपति थे तो उन्होंने इजराइल का काफी साथ दिया था। वेंस ने कहा कि हमें अपने सहयोगियों की मदद करनी चाहिए चाहे वे कहीं भी कितनी भी बुरी हालत में क्यों न हों।

पोप फ्रांसिस ने कैथोलिक गिरजाघर में सुधार के दूसरे चरण की शुरुआत की, महिलाओं की भूमिका पर ध्यान केंद्रित

रोम , एजेंसी। पोप फ्रांसिस ने कैथोलिक गिरजाघर में व्यापक सुधार से जुड़ी परियोजना के दूसरे चरण की शुरुआत की, जिसमें गिरजाघर में महिलाओं को अधिक जिम्मेदारी वाले पद सौंपने का व्यापक आह्वान किया गया है। पोप फ्रांसिस ने सेंट पीटर्स स्क्वायर में 368 बिशप और आम लोगों के साथ एक प्रारंभिक धर्म सभा की अध्यक्षता की। ये सभी लोग गिरजाघर के भविष्य पर चर्चा करने और इसे मौजूदा समय में कैथोलिक की जरूरतों के प्रति अधिक उत्तरदायी बनाने के लिए अगले तीन सप्ताह तक बैठकें करेंगे। पिछले साल धर्मसभा के पहले सत्र के दौरान विरोध और आपत्तियों का सामना करने के बाद, कई सबसे विवादास्पद मुद्दे आधिकारिक तौर पर चर्चा से बाहर हो गए हैं।

इनमें एलजीबीटीक्यू+ को पद सौंपे जाने और महिलाओं को डीकन के रूप में सेवा करने की अनुमति देने जैसे मुद्दे शामिल हैं। पोप फ्रांसिस ने इन विषयों को 10 अध्ययन समूहों को सौंपा है जो धर्मसभा के समानांतर काम कर रहे हैं। इन मुद्दों को अध्ययन समूहों को सौंपे जाने के बाद यह सवाल उठ रहा है कि जब 26 अक्टूबर को यह धर्मसभा समाप्त होगी और अंतिम प्रस्तावों को फ्रांसिस के समक्ष विचार के लिए पेश किया जाएगा, तो वास्तव में इसमें क्या निकलकर आएगा। फ्रांसिस ने 2021 में सुधार प्रक्रिया शुरू की थी, ताकि एक ऐसा गिरजाघर बनाने के अपने लक्ष्य को अमल में लाया जा सके जो अधिक समावेशी हो।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129